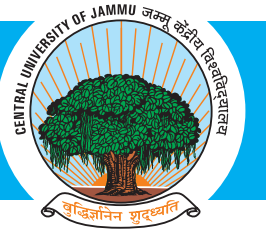

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

2014-15

कुलाध्यक्ष

श्री प्रणब मुखर्जी
भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति

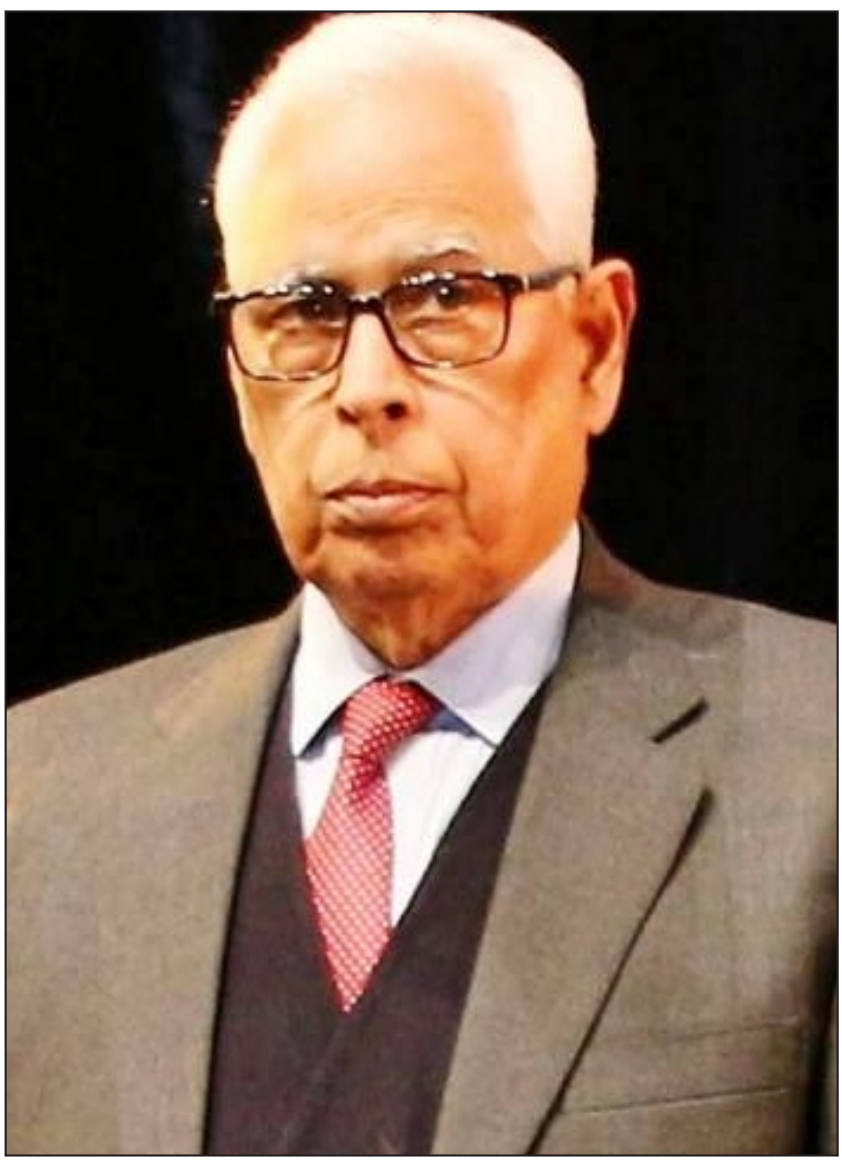

श्री एन॰एन॰ वोहरा
जम्मू व कश्मीर राज्य के राज्यपाल

कुलपति का संदेश

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के चतुर्थ वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि विश्वविद्यालय इस लघु अवधि में स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर अपने लिए जगह बनाने में सफल रहा है। प्रतिवेदन में स्पष्ट रूप से शैक्षिक, विस्तार और अनुसंधान के मामलों में विभागों द्वारा की गई गतिविधियों की विविधता को प्रदर्शित किया गया है।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय मेंभारत के अग्रणीय विश्वविद्यालयों के जनादेश के साथ अस्तित्व में आया जो कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर नवोन्मेंश, उत्तरदायित्व एवं उच्चस्तरीय शिक्षा के अवसरों को प्रस्तावित करतें हैं।

8 अगस्त 2011, से अपनी स्थापना के बाद की इस लघु अवधि में विश्वविद्यालय ने तीन विभागों से 13 कार्यात्मक विभागों जिनमें से 8 विभागों में अनुसंधान की सुविधा है, का संचालन अस्थाई शैक्षणिक खंड एवं मुख्य परिसर राया-सुचानी (बागला) में कर रहा है। विश्वविद्यालय के सामने आने वाली चुनौतियों के बावजूद, यह शिक्षण एवं अध्ययन प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए सभी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने में सक्षम है। विश्वविद्यालय देश के 17 राज्यों से छात्रों को प्रवेश प्रदान करके अपने अखिल भारतीय चरित्र को बनाए रखने में सक्षम रहा है। छात्र नौकरियों में अच्छा स्थान प्राप्त कर रहे हैं जिससे यह पुष्टी होती है कि छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक रूप से तैयार किया जा रहा है। वे बुनियादी मानवीय मूल्यों का समावेश करके सामंजस्यपूर्ण और संतुलित मानस का निर्माण करने में सक्षम हैं।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय ने उष्मायन केंद्र, नवाचार कल्ब, व्यावसायिक कार्याक्रम जैसे बी.वॉक एवं सौंदर्य एवं स्वास्थ्य संबंधी सामुदायिक कॉलेजों की स्थापना करके वैशिष्ट्य प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय ने कक्षाओं को समार्ट कक्षाएं बनाकर बुनियादी सुविधाओं में इजाफा किया है एवं विविध गतिविधियों में आईसीटी का व्यापक उपयोग किया है।

विश्वविद्यालय का विकास शिक्षण एवं अध्ययन; गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं प्रकाशन; ढांचागत एवं सहयोगी सुविधाओं के क्षेत्रों में हुई वृद्धि से दिखाई देता है। विश्वविद्यालय ने आस-पास के दो विद्यालयों, पांच गांवों एवं एक पंचायत को संस्थागत और सामाजिक जिम्मेदारी के जनादेश के एक अभिन्न अंग के रूप में देखरेख का जिम्मा लिया है। विश्वविद्यालय सामूहिक ज्ञान के साथ समग्र शिक्षा के माध्यम से ज्ञान का प्रसार करके उच्च शिक्षा का प्रमुख संस्थान बनने के लिए प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय इसके प्रारंभिक अवस्था के चरण में है लेकिन पूर्वनिर्धारित दूरदर्शिता एवं उद्देश्यों में निहित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। हम नए परिसर में जाने से चहुंमुखी विकास को प्राप्त करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। दो विभागों को पहले से ही भेज दिया गया है और चार विभागों को दिसंबर 2015 के अंत तक भेजे जाने की संभावना है। निर्माण कार्य को त्वरित किया गया है और तेजी लाने के लिए समय सीमा का निर्धारण किया गया है। चुनौतियां असंख्य हैं जिसके लिए सभी हितधारकों जिनमें शिक्षाविदों, कर्मचारियों, छात्रों, विद्वानों और सिविल संस्था के सदस्य भी शामिल है, में सौहार्द की भावना की आवश्यकता है जिससे जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में किया जा सके ।

(प्रो. अशोक ऐमा)

परिचय

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय इसके प्रथम कुलपति डॉ. एस.एस.बलौरिया जी की नियुक्ति के साथ 08 अगस्त 2011 को अस्तित्व में आया । यह केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009(2009 की अधिनियम संख्या 25) यथा पठित केंद्रीय विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम 2009 (2009 के अधिनियम संख्या 38) द्वारा स्थापित और निगमित किया गया है।

प्रथम शैक्षणिक सत्र (2011-2012) का आरंभ तीन स्नातकोतर पाठ्यक्रमों अंग्रेजी, अर्थशास्त्र एवं अनुप्रयुक्त गणित के साथ अस्थाई शैक्षणिक खंड (टैब 1) सिद्धड़ा वाईपास रोड़, जम्मू से किया गया। अगले शैक्षणिक सत्र (2012-2013) में पांच नए स्नातकोतर पाठ्यक्रमों में संगणक विज्ञान, शैक्षिक अध्ययन, पर्यावरण विज्ञान, मानव संसाधन प्रबंधन विभाग एवं प्रर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग का आरंभ अस्थाई खंड 2 सैनिक कालोनी एक्सटेंशन में किया गया। तीसरे शैक्षणिक सत्र(2013-2014) से सभी विभाग अस्थाई शैक्षणिक खंड 2 से ही कार्य कर रहे हैं। 2014-2015 में चार नए स्नातकोतर पाठ्यक्रमों, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन, लोप्रशासन एवं लोकनीति, समाजिक कार्य, जनसंचार एवं नवीन मीड़ीया का प्रारंभ किया गया । विश्वविद्यालय आठ पाठ्यक्रमों में एकीकृत दर्शन निष्णांत एवं विद्यावाचस्पति की उपधियाँ भी प्रदान करता है।

जनवरी 2015, में विश्वविद्यालय ने इसके प्रशासनिक खंड, के साथ-साथ वित्त शाखा, परीक्षा शाखा को मुख्य परिसर स्थल, जहां विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य किया जा रहा है, में स्थानांतरित कर दिया है ।

अब विश्वविद्यालय अपने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वाह गांव बागला, राय-सूचानी, जिला सांबा से कर रहा है। परिसर जम्मू शहर से लगभग 25 किलोमिटर की दूरी पर स्थित है।

DDE Building, Raya Suchani (Bagla)

प्रतीक चिह्न तथा इसका विवरण

उगता सूर्य, बरगद का पेड़ तथा अनंत आकाश प्रकृति के कुछ सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं जो उसके सार को संक्षेप में वर्णित करते हैं तथा मानवता को उत्पादक जीवन जीने, ज्ञानार्जन करने तथा शांति व सुख को प्राप्त करने को प्रोत्साहित करते हैं।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व हेतु इन सभी तत्वों को प्रतीक चिह्न में एक साथ रखा गया है:-

उगता सूर्य:- बरगद के पेड़ के पीछे स्थित उगता सूर्य अंधकार पर विजय को दर्शाता है, जो अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। छात्र प्रकाश में रहकर, ज्ञानार्जन करेंगे तथा बुद्धि में विकसित होंगे।

बरगद का पेड़:-प्रतीक का यह भाग घोषणा करता है कि जिस प्रकार से बरगद का पेड़ अस्वच्छता को छानकर शुद्ध वायु उपलब्ध कराता है, तथा अपनी जड़ों के माध्यम से सहारा प्राप्त करता है, उसी प्रकार से विश्वविद्यालय अपने छात्रों के योगदान एवं भागीदारी से बुद्धि तथा ज्ञान को छानकर व्यवस्थित विचार, अंतर कर सकने वाली योग्यता तथा आत्म-अनुशासन की ओर ले जाने का संकल्प रखता है।

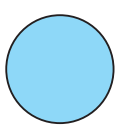

अनंत आकाश :- अनंत आकश की विशाल चादर जिसमें सूर्य की किरणें भरी हैं, उस विशाल विस्तार को दर्शाता है जो प्राप्त करने, विकसित करने तथा ज्ञान को फैलाने के लिए है, फैलता उत्साह विचारों को पोषित करने का अनंत आयाम है।

विश्वविद्यालय अनंत ज्ञान तथा बुद्धि का वास है, जो अर्थपूर्ण आत्म-निरीक्षण के लिए मार्ग बनाता है, जिनका परिणाम व्यक्तिगत बुद्धि का विकास होता है।

संक्षेप में बरगद के पेड़ तथा अनंत आकाश के संग उगता सूर्य वास्तव में विश्वविद्यालय के मूल्यों, आकांक्षाओं, लक्ष्यों तथा स्वाभाविक विशेषताओं को दर्शाता है, तथा यह गतिवान, ज्ञानवान तथा शक्तिवान युवाओं के माध्यम से उस प्रकाशवान समाज में पदार्पण करने की इच्छा को दर्शाता है जहाँ वे आधुनिक संसार के नये विचारों तथा उभरती प्रवृत्तियों को अपना सकें तथा उससे उठने वाली चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आतुरता दर्शा सकें।

दूरदर्शिता, उद्देश्य एवं प्रतीक चिह्न

आदर्शोक्ति

विश्वविद्यालय के आदर्श बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति का अर्थ है कि ज्ञान से बुद्धि शुद्ध तथा तीव्र होती है।

दूरदर्शिता

उच्च शिक्षा का अग्रणी केंद्र होना जिससे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन तथा हमारे मूल्यों का एकीकरण हो, जो हमारी प्राचीन धरोहर को आधुनिक तथा उभरते विचारों, योग्यताओं, तकनीकी तथा प्रबंध अभ्यासों से आत्मसात करें।

उद्देश्य

- ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो अपने विस्तार में हमारे प्रतीक चिह्न के तीन मुख्य प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करें–उगते सूर्य के समान चमक, बरगद के पेड़ के समान अनश्वर तथा आकाश के समान अनंत।
- आत्मविश्वास विकसित करना जो अनुशासित अध्ययन से मिश्रित हो, जो अपनी शक्ति तथा दृढ़–विश्वास हेतु श्रद्धा में परिणत हो ।
- शिक्षा, प्रशासन, व्यापार तथा शोध में निरंतर विकास के लिए योग्यता विकसित करना जिसके लिए संगठित विचार, आत्म–अनुशासन तथा अंतर कर सकने वाली योग्यता पर जोर दिया जाएगा ।
- अंतर–विषय पर ध्यान केंद्र करने के लिए प्रोत्साहित करना, साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ एकीकृत शोध पर जोर देना जिसका उद्देश्य मानव संसाधन का विकास तथा नए विचारों तथा नवीनीकरण का एकीकरण करना।
- एक आधुनिक, स्थाई वातावरण अनुकूल, स्वस्थ तथा जीवंत परिसर उपलब्ध कराना जो 'ग्रीन तकनीकी' के सिद्धांतों के अनुकूल हो।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के मामलों में विशेष रूप से सभ्य समाज के मामलों में सामान्य रूप से सहयोगी प्रतिभागी बनना ।

शैक्षणिक सत्र 2014–2015 (प्रवेश एवं छात्र सार्मथ्य)

प्रवेश प्रक्रिया (सीयूसीटी) केंद्रीय विश्वविद्यालय सामन्य प्रवेश परीक्षा 2014 के माध्यम से इसके नोडल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान) द्वारा 10 मार्च 2014 को जारी प्रवेश सूचना से प्रारंभ किया गया, जिसमें आवेदकों के द्वारा ओनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2014 थी ।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा आठ एकीकृत दर्शन निष्णात एवं विद्यावाचस्पति के अतिरिक्त बारह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सूचना जारी की गई, जिसमें चार नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जो कि, लोकप्रशासन एवं लोकनीति; राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन; जनसंचान एवं नवीन मीडिया; एवं सामाजिक अध्ययन को सक्षम प्राधिकरण के अनुमोदन के पश्चात 2014–2015 के शैक्षणिक सत्र में प्रारंभ किया गया । प्रत्येक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 30 छात्र एवं पांच छात्र एकीकृत दर्शन निष्णात एवं विद्यावाचस्पति में प्रवेश की क्षमता का निर्धारण किया गया, केवल गणित को छोड़कर कर जिसमें मात्र तीन छात्रों को प्रवेश दिये जाने की क्षमता का निर्धारण किया गया ।

स्नातकोतर पाठ्यक्रमों के लिए 26 एवं 27 अप्रैल 2014 को प्रवेश परीक्षा का अयोजन किया गया। हालांकि जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा एकीकृत स्नातक कार्यक्रमों को नहीं चलाया जाता है फिर भी छात्रों को अन्य विश्वविद्यालयों के द्वारा प्रस्तावित स्नातक पाठ्यक्रमों में भाग लेने की सूविधा प्रदान की गई ।

स्नातकोतर एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए 17 एवं 18 मई 2014 को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया । 13 जून 2014 को सीयूसीटी 2014 को परिणाम घोषित किया गया ।

एकीकृत दर्शन निष्णात, विद्यावाचसपती एवं स्नातकोतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश (2014-15)

शैक्षणिक सत्र 2014–2015 में दर्शन निष्णात –विद्यावाचस्पति एवं स्नातकोतर पाठ्यक्रमों में संबंधित विभागों में प्रवेश प्राप्त छात्र/शोधार्थियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:–

क्रम संख्या	शिक्षण कार्यक्रम	प्रविष्ट छात्र	
		स्नातकोत्तर कार्यक्रम	एकीकृत दर्शन निष्णात एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रम
1.	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	27	आमंत्रित नही
2.	अर्थशास्त्र	28	5
3.	शैक्षणिक अध्ययन	29	6
4.	अंग्रेजी	29	6

5.	पर्यावरण विज्ञान	29	आमंत्रित नही
6.	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार	28	5
7.	गणित	27	1
8.	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	24	5
9.	लोकनीति एवं लोक प्रशासन	16	5
10.	राष्ट्रीय सुरक्षा	0	6
11.	समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य	05	आमंत्रित नही
12.	जनसंचार एवं नवीन मीडिया	10	
	कुल	**252**	**39**

अंशकालिक विद्यावाचस्पति कार्यक्रम (2014-2015)

पहली वार दो विभाग राष्ट्रीय सूरक्षा विभागों एवं लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा अंशकालिक विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों का आरम्भ किया गया । इन पाठ्यक्रमों में आठ शोधार्थीयों प्रविष्ट हुए है।

शैक्षणिक सत्र 2014-2015 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त छात्रों का लिंगवार, श्रेणीवार एवं राज्यवार प्रतिनिधित्वः-

स्नातकोतर छात्र (श्रेणीवार-लिंगवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अन्य रूप से सक्षम)

विभाग	प्रवेश क्षमता	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग		
		पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
पर्यावरण विज्ञान विभाग	30	–	15	15	–	7	7	–	5	5	–	2	2	–	29	29
मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	30	7	13	20	2	–	2	1	3	4	2	–	2	12	16	28
पर्यटन एवं यात्रा प्रवंधन विभाग	30	8	14	22	–	–	–	2	–	2	–	–	–	10	14	24
लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग	30	4	7	11	1	–	1	–	2	2	2	–	2	7	9	16

विभाग	प्रवेश क्षमता	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	30	8	10	18	2	4	6	2	1	3	–	–	–	12	15	27
राष्ट्रीय सूरक्षा विभाग	30	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अर्थशास्त्र विभाग	30	3	14	17	2	3	5	1	3	4	2	–	2	8	20	28
अंग्रेजी विभाग	30	4	16	20	–	2	2	–	5	5	–	2	2	4	25	29
समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग	30	2	3	5	–	–	–	–	–	–	–	–	–	2	3	5
जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग	30	9	1	10	–	–	–	–	–	–	–	–	–	9	1	10
शैक्षणिक अध्ययन विभाग	30	4	11	15	1	6	7	–	5	5	2	–	2	7	22	29
गणित विभाग	30	3	10	13	2	5	7	1	4	5	1	1	2	7	20	27
कुल		**52**	**114**	**166**	**10**	**27**	**37**	**7**	**28**	**35**	**9**	**5**	**14**	**78**	**174**	**252**
पुरूष/महिला प्रतिनिधित्व प्रतिशत अनुसार		**31%**	**69%**	**100%**	**27%**	**73%**	**100%**	**20%**	**80%**	**100%**	**64%**	**36%**	**100%**	**31%**	**69%**	**100%**

*अन्य रूप से सक्षम श्रेणी में कोई भी प्रवेश नहीं हुआ ।

स्नातकोतर कार्यक्रम 2014-15 में प्रविष्ट छात्रों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

विभाग	जम्मू एवं कश्मीर	दिल्ली	पंजाब	पश्चिम बंगाल	उत्तराखण्ड	आंध्र प्रदेश	राजस्थान	करेला	उत्तर प्रदेश
पर्यावरण विभाग	29	–	–	–	–	–	–	–	–
मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	27	–	–	–	1	–	–	–	–
पर्यटन एवं यात्रा प्रवंधन विभाग	23	–	–	–	–	–	1	–	–
लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग	15	1	–	–	–	–	–	–	–

संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	26	–	–	–	–	1	–	–	–
राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अर्थशास्त्र विभाग	28	–	–	–	–	–	–	–	–
अंग्रेजी विभाग	29	–	–	–	–	–	–	–	–
समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग	3	1		1		–	–	–	–
जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग	9	–	–	–	–	–	–	1	–
शैक्षणिक अध्ययन विभाग	28	–	–	–	–	–	–	–	1
गणित विभाग	26	–	1	–	–	–	–	–	–
कुल	243	2	1	1	1	1	1	1	1
कुल योग : 252									

अकादमिक सत्र 2014–2015 में एकीकृत दर्शन निष्णांत एवं विद्यावाचस्पती पाठ्यक्रमों में शोधार्थियों का लिंगवार, श्रेणीवार एवं राज्यवार प्रतिनिधित्व

क. श्रेणीवार–लिंगवार, अनुसूचित जाति, अुनसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ अन्य रूप से सक्षम):

विभाग	प्रवेश क्षमता	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	05	–	3	3	1	–	1	–	1	1	–	–	–	1	4	5
पर्यटन एवं यात्रा प्रवंधन विभाग	05	1	3	4	–	–	–	–	–	–	1	–	1	2	3	5
लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग	05	2	1	3	1	–	1	–	1	1	–	–	–	3	2	5
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	05	2	1	3	1	–	1	–	1	1	–	1	1	3	3	6

अर्थशास्त्र विभाग	05	4	1	5	–	–	–	–	–	–	–	–	–	4	1	5
अंग्रेजी विभाग	05	1	2	3	–	1	1	–	1	1	1	–	1	2	4	6
शैक्षणिक अध्ययन विभाग	03	1	2	3	–	1	1	–	1	1	1	–	1	2	4	6
गणित विभाग	03	–	–	–	1	–	1	–	–	–	–	–	–	1	–	1
कुल		**11**	**13**	**24**	**4**	**2**	**6**	**–**	**5**	**5**	**3**	**1**	**4**	**18**	**21**	**39**
पुरूष/स्त्रि प्रतिनिधित्व प्रतिशत		**46%**	**54%**		**67%**	**33%**		**0%**	**100%**		**75%**	**25%**		**46%**	**54%**	

*अन्य रूप से सक्षम श्रेणी में काई भी प्रवेश नही हुआ ।

एकीकृत दर्शन निष्णात तथा विद्यावाचस्पती कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त शोधार्थियों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

विभाग	जम्मू एवं कश्मीर	राजस्थान	हिमाचल प्रदेश		बिहार	उत्तर प्रदेश
मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	**2**	**–**	**2**	**1**	**–**	**–**
पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग	**3**	**1**	**1**	**–**	**–**	**–**
लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग	**3**	**–**	**–**	**–**	**1**	**1**
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	**4**	**–**	**–**	**–**	**1**	**1**
अर्थशास्त्र विभाग	**5**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
अंग्रेजी विभाग	**6**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
शैक्षणिक अध्ययन विभाग	**6**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
गणित विभाग	**1**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
कुल	**30**	**1**	**3**	**1**	**2**	**2**
कुल योग : 39						

परीक्षा एवं परिणाम

शैक्षणिक सत्र 2013-2014 से संबंधित सत्र 2 एवं सत्र 4 छात्रों की परीक्षा मई -जून 2014 में आयोजित की गई; जिससे संबंधित परिणाम जुलाई-अगस्त 2014 में घोषित किया गया । सत्र 2 के लिए 92.2% एवं सत्र 4 के लिए 98.7% प्रतिशत औसत उत्तीर्ण प्रतिशत रही।

शैक्षणिक सत्र 2014-2015 के 1 एवं 2 सत्रों से संबंधित छात्रों की परीक्षा दिसंबर 2014 में आयोजित की गई, जिससे संबंधित परिणाम मार्च एवं अप्रैल 2015 में घोषित किया गया । प्रथम सत्र एवं सत्र 3 का औसत पास प्रतिशत 76.9 एवं 91 प्रतिशत रहा ।

एमिनेंट व्याख्यान श्रृंखला

विश्वविद्यालय ने एमिनेंट व्याख्यान श्रृंखला का आरंभ किया । इस व्याख्यान श्रृंखला में सूप्रसिद्ध व्यक्तित्व को छात्रों, संकाय सदस्यों एवं अन्य सदस्यों को लाभान्वित करने हेतु आमंत्रित किया जाता है। इस श्रृंखला के अंतर्गत निम्नानुसार व्याख्यानों को निर्धारित समय सीमा में आयोजित किया गया।

- 24 अप्रैल, 2014, को प्रो. वी. एस. प्रसाद, पूर्व निदेशक (नेक) ने ''इंस्टीट्यूशनल कपैस्टी विलडिंग फॉर क्वालटी एशारेंस ऑफ हायर ऐज्यूकेशन'' विषय पर व्याख्यान प्रसतुत किया।
- 28 अप्रैल 2014 को ले.ज. डॉ. प्रकाश मैनन, मिल्ट्री सलाहकार, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद एवं नेशनल डिफेंस कॉलेज में कमांडेंट ने ''चैल्लेंजिज़ ऑफ साईवर थ्रेट टू इंडियाज नेशनल सिक्योरिटी: वे एहेड'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 25 अगस्त, 2014, को श्री सुभाष जगोटिया, कार्यकारी निदेशक, ग्लोबल विजनेस सोल्यूशन ने ''डायनेमिक्स ऑफ स्कसैस'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 25 सितंबर 2014 को श्री नीतिन सिनहा, संरक्षण वास्तुकार, एसीओएमओएस भारत, ने ''कंजरवेशन एंड प्रिवेंशन ऑफ हेरिटेज'' विषय से व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 26 सितंबर, 2014 को प्रो. आई.सी. गुप्ता, पूर्व निदेशक, प्रबंधन एवं पर्यटन अध्ययन विभाग, देवी अहल्या विश्वविद्यालय इंदौर, ने ''रिसेंट ट्रैंड एडं इनोवेशंस इन टूरिजम एडं हास्पिटेलटी इंडस्ट्री'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 30 सितंबर 2014 को श्री विक्रांत महाजन जी ने ''सुपर पोस्टीविटी द अल्टीमेट पावर ऑफ स्कसैस एंड हैपिनैस'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 07 नवंबर, 2014 को प्रो. संजय चर्तुवेदी, निदेशक, सेंटर फॉर स्टडी ऑफ मिड वेस्ट एंड सैंटरल ऐशिया, ने ''कांपेटिंग रिजनलिज्म इन द इंडियन ओशेन: द राईज ऑफ द इंडो-पैस्फिक'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 10 दिसंबर 2014 को श्री एस.के.जैन ने ''स्ट्रैस मेनेजमैंट'' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 19 जनवरी 2015 को प्रो. एस.एम.कुकल, पूर्व निदेशक, स्कूल ऑफ एग्रो मैट्रोलॉजी एवं क्लाईमेट चेंज, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाणा (पंजाब) ने ''कलाईमेट चेंज इन नार्थ इंडिया: एविडेंस, इम्पैक्ट एंड मैनेजमैंट स्टैटजीज'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

- 23 जनवरी 2015 को प्रो. सूधीर के स्पोरी, कुलपति, जवाहलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने ''फूड सिक्योरिटी :रोल ऑफ वायोटेक्नोलजी'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

निर्धारित समय सीमा में विभिन्न विभागों के द्वारा आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठी/व्याख्यान का (व्यक्तिवार प्रतिवेदन):-

- 22 अप्रैल, 2014 को पर्यावरण विज्ञान विभाग ने अंतराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। 12 स्थानीय स्कूलों के बच्चों ने पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में भाग लिया। बनाई गई पावर पोइंट प्रस्तुति के अतिरिक्त इससे संबंधित एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन उस दिन किया गया ।
- 24 एवं 25 अप्रैल 2014 को लोकनीति एवं लोकप्रशासन विभाग द्वारा ''रिविजटिंग एंड रिडिजाइनिंग द स्टडी ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड पब्लिक एडमनीस्ट्रेशन'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया ।
- 30 अप्रैल 2014 को श्रीमती नीना गुप्ता विज, सहायक आचार्य अंग्रेजी विभाग ने संकाय व्याख्यान के अंतर्गत ''स्टोरिज़ एवरीवेयर'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 12 मई, 2014 को प्रो. गोपालजी मालवीय, अधिष्ठाता, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने आईआईपीए के सम्मेलन हाल में ''नेशनल सिक्यूरिटी गवर्नेंस-चैलेंज फॉर न्यू गवरमेंट'' विषय से व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 15 मई, 2014 को डॉ. नैन्सी मैंगी, सहायक आचार्य, समाजशास्त्र एवं सामाजिक अध्ययन विभाग ने ''लास्ट चाइलडहुड-द इंडियन सिनेरियो'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 16-17 जुलाई 2014 को राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने ''पीस एंड सिक्योरिटी इन साउथ एशिया : इवोलविंग स्ट्रेटजिक सनेरियो'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया ।
- 22 जुलाई, 2014 को डॉ. ऋतु बक्षी, सहायक आचार्य, शैक्षणिक अध्ययन विभाग ने ''अंडरस्टेंडिंग सोशल एंड एथिकल रिस्पोंसीविलटी ऑफ टीचर'' विषय पर संकाय व्याख्यान के अतंर्गत व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- विश्वविद्यालय ने एयर कमानडोर जसजीत सिंह जी(सेवानिवृत) की याद में वार्षिक व्याख्यान का प्रारंभ किया । 24 जुलाई 2014 को प्रथम एयर कमानडोर जसजीत सिंह(सेवानिवृत) की याद में एयर मार्शल विनोद पाटने(सेवानिवृत) एसवाईएसएम, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीआरसी, निदेशक जनरल, सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा ''एयर पावर एडं नैशनल सिक्योरिटी'' विषय पर व्याख्यान दिया ।
- 05 अगस्त, 2014 को चार नए विभाग (1) राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन (2) लोकनीति एवं लोक प्रशासन (3) समाजशास्त्र एवं सामाजिक अध्ययन एवं (4) जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभागों के लिए प्रेरणा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 05 अगस्त, 2014 को श्री राशिद अली, सहायक आचार्य, जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग ने ''मिथ ऑफ कम्युनिकेशन'' विषय पर संकाय व्याख्यान में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 3 एवं 4 सितंबर, 2014 को अंग्रेजी विभाग द्वारा ''द ग्रेट वार ऑफ 1914-हंड्रड इयर एंड वयोंड: कल्चर एंड लिटरेसी रिस्पोंस'' नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

- 18-19 सितंबर, 2014 को अस्थाई शैक्षणिक खंड (टैब) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में ''पालिथीन फ्री बैग्स'' एवं ''अवेयरनेस प्रोग्रांम प्राहिषिटिंग यूज ऑफ पोलिथीन बैग्स'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, द्वारा 27 सितंबर, 2014 को विश्व पर्यटन दिवस का अयोजन किया गया। विश्वविद्यालय ने पर्यटन को एक सामुदायिक विकास के साधन के रूप में जागरूक्ता फैलाने के लिए पूरे एक सप्ताह 22 सितंबर से शुरू होकर 27 सितंबर 2014 तक इस समारोह का आयोजन किया, जिसका मुख्य विषय ''पर्यटन और सामुहिक विकास'' था ।
- 23 सितंबर, 2014 को जम्मू के एतिहासिक स्थलों का एक दौरा आयोजित किया गया, जहां पर डॉ. ए.के. खन्ना, अधीक्षक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, ने शिक्षकों एवं छात्रों से बातचीत की एवं इन स्मारकों की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं महत्व को बताया।
- संगणक विभाग एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 8 से 10 अक्टूबर 2014 तक ''इशैश्यिल कंप्यूटिंग टेकनीक'' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग द्वारा 13 से 15 अक्टूबर, 2014 तक ''इफैक्टिव कम्युनिकेशन एंड प्रैस्टेशन टैक्नीक्स'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया । वर्जन डेटा सर्विसिज़ इंडिया प्रा. लि. के वरिष्ठ प्रोग्रामर मेनेजर प्रो. भट्टाचार्य संसाधन वक्ता थे।
- 17 अकटूबर, 2014 को जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज, धारपुर, गुजरात, के डॉ. अनिल कुमार भाटिजा ने ''हेल्दी लाईफ स्टाईल'' विषय पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों को व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- 28 अक्टूबर, 2014 को अंग्रेजी विभाग द्वारा ''डाउरी मडर: जेंडर प्रीजुडिकेट प्रैक्टिस'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।
- 29 से 31 अक्टबूर, 2014 को ''स्कोलरली राईटिंग तथा पैलगरिज़्म: की कंसर्स'' विषय पर तीन दिवसीय मानव संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।
- 7 नवंबर, 2014 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''एलओसी क्राईसीस: वे अहेड'' विषय पर प्रो. संजय चर्तुवेदी, निदेशक, सेंटर फॉर स्टडी ऑफ मिड-वेस्ट एडं सेंटर एशिया पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ पैनल चर्चा की।
- 17 नवंबर, 2014 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा अतंराष्ट्रीय छात्र दिवस के अवसर पर ''शिक्षित भारत, सक्षम भारत क्वालिटी एजुकेश्न फॉर ऑल'' विषय से चर्चा का अयोजन किया गया ।
- 24 दिसंबर, 2014 को भारत के माननीय पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म तिथि के अवसर पर केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के द्वारा ''सूशासन दिवस'' मनाया गया ।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय डेटा प्रसार कार्यशाला का आयोजन जनवरी 2015 के प्रथम सप्ताह में किया गया।

- 5 -6 जनवरी, 2015 को ''क्रैडिटेशन अवेयरनैस एंड इंस्टीट्यूशनल रैंकिग'' विषय पर मानव संसाधन एवं संगठनात्म व्यवहार विभाग द्वारा अस्थाई शैक्षणिक खंड में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 16 जनवरी, 2015 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडी के प्रो. राम सिंह धारिवाल, द्वारा मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्म व्यवहार विभाग के एमबीए (एच.आर.एम)II सत्र के छात्रों को व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- 21 जनवरी, 2015 को अंग्रेजी विभाग के द्वारा ''ट्रांसलेशन: ट्रांसलेशन इशू एंड कॉनटेस्ट'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।
- 02 फरवरी, 2015 को राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा द ''फल्ड़ष इन 2014:ए लेसन फॉर डिजास्टर मेनेजमैंट फॉर जे एंड के'' विषय पर आईआईपीए जम्मू के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- 20-21 फरवरी, 2015 को पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग द्वारा ''नेश्नल टूरिज़्म इंटरपिनयोरशिप डवेलपमेंट समिट (एनटीइडीएस-2015)'' का आयोजन किया गया । इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के विभिन्न पर्यटन कार्यक्रमों का अध्ययन कर रहे छात्रों को उद्यमशीलता के उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।
- 20 फरवरी, 2015 को पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग द्वारा समाचार पत्र ''ट्रैवलिजम'' वा. 1 प्रकाशित किया गया।

बाहरी विशेषज्ञों का दौरा

- 29 जून, 2014 को शैक्षणिक परिषद के सदस्यों ने परिसर स्थल का दौरा किया एवं विश्वविद्यालय के द्वारा ढांचागत विकास गतिविधियों की प्रगति देखी ।
- 28 अगस्त, 2014 को श्री संजय जीना, एमडी ट्रैवल मरचेंट, जम्मू ने विश्वविद्यालय का दौरा किया । उन्होंने एमबीए (टीटीएम) के छात्रों से ''हाउ टू स्टार्ट ट्रैवल एजेंसी?'' विषय पर बातचीत की ।
- 18 सितंबर, 2014 को श्री मंजोत गिल, सी ई ओ, मांईड ब्रिज, एशिया एंव पेरो से 'साफ्ट सक्लिस' के प्रशिक्षक एवं सलाहकार ने टीटीएम विभाग का दौरा किया ।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारतीय पर्यटन संस्थान, ग्वालियर, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत संस्था के साथ में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये । इस समझौता ज्ञापन पर पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक राज गुप्ता एंव प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठा, निदेशक आई.आई.टी.टी.एम, ग्वालियर ने 24 सितंबर 2014 को हस्ताक्षर किये ।

प्रधानमंत्री राहत कोश में योगदान

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों ने जम्मू एवं कश्मीर राज्य की राष्ट्रीय आपदा में हुए जान एवं माल के नुकसान को देखते हुए अपने एक दिन के वेतन का अंशदान प्रधानमंत्री राहत कोश में किया।

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

अंग्रेजी विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाँए विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

(सितंबर 4 एवं 5, 2014)

4 एवं 5 सितंबर 2014 को महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाएँ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी का उद्देश्य प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान एवं उसके बाद आए साहित्य को देखना था । संगोष्ठी जिसमें लैंगिक प्रतिक्रियाएँ, घायल पुरूषत्तव, पोरूषेय नारी वर्ग, समय, स्मरण शक्ति, अंर्तविवेकशीलता एवं महान युद्ध, इतिहास लेखन, जीवन पाठ, असंतोष और प्रचार: युद्ध विरोधी कथा, महान युद्ध की कविता, हिंसा/अहिंसा की विचारधाराओं का नीतिशास्त्र, युद्ध एवं तकनीकें, जैव राजनीति, दवाई, विमारी, कारावास, युद्ध एवं दृष्य मीडिया, लोकप्रिय संस्कृति एवं युद्ध, राष्ट्र की समस्यागत: स्थानिक राजनीतिक-काव्य पहँच, भारतीय प्रतिक्रिया: सांस्कृतिक अनुवाद विचार विमर्श के मुख्य मुद्दे रहे।

दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाओं के विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

(अक्टूबर 28, 2014)

28 अक्टूबर 2014 को अंग्रेजी विभाग ने ''दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाओं'' के विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी समकालीन भारत में बड़े स्तर पर लिंग असंतुलित प्रथाओं एवं मुख्य रूप से उत्तरी भारत के मध्यम वर्ग के घरों में देहेज उत्पीड़न पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित की गई थी । संगोष्ठी में घर और दुनिया में भारतीयों के बीच दहेज उत्पीड़न का प्रतिनिधित्व करने वाले मौलिक साहित्य एवं सांस्कृतिक ग्रंथों की एक परीक्षा के परीक्षण को प्रस्तावित किया गया । सैद्धांतिक विवेचना के अतिरिक्त, संगोष्ठी में छात्रों एवं संकाय सदस्यों को लिंग सक्षम प्रथाओं को अपनाने की जरूरतों एवं लिंग समानता पैदा करने, विशेष रूप से भारत तथा सामान्य रूप से दक्षिण एशिया संस्कृतियों में संवेदीकरण की व्यवहारिक्ता पर जोर दिया गया।

विस्तार व्याख्यान

(अगस्त 6, 2014)

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा ''नसल एवं जाति'' के महत्वपूर्ण विषय पर छात्र एवं शोधार्थियों का सुनयनि भट्टाचार्य के साथ विचार-विमर्श का आयोजन किया गया।

व्याख्यान श्रृखंला

(सितंबर-अक्टूबर 2014)

सिंतबर 16 एवं अक्टूबर 10 2014 को विभाग द्वारा ''उत्तर आधुनिक्तावाद'' एवं ''उत्तर उपनिवेशवाद'' विषय पर व्याख्यान श्रृखंला का प्रारंभ किया गया । बताए गए विषय पर संकाय सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किए । छात्र एवं शोधार्थियों ने भी इस चर्चा में भाग लिया ।

चलचित्र स्क्रीनिंग

(नवंबर-दिसंबर 2014)

विभाग द्वारा चलचित्र स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया, जिसमें चलचित्र कथा के अलोचानात्मक विश्लेषण के साथ महत्वपूर्ण और सैद्धांतिक व्यवस्थाओं पर विचार किया गया । विद्यार्थियों के लिए निम्न चलचित्रों की स्क्रीनिंग की गई:-

शतरंज के खिलाड़ी (21 नवंबर 2014 को स्क्रीनिंग की)

रेनकोट (09 दिसंबर को स्क्रीनिंग की)

2014-2015 के दौरान विभाग में आयोजित विस्तार व्यख्यान

क्रम संख्या	वक्ता का नाम एवं पदनाम	वक्ता का संस्थान / विश्वविद्यालय/कार्यालय	व्याख्यान का विषय	तिथि
1.	प्रो. चंद्रमोहन (सेवानिवृत आचार्य)	दिल्ली विश्वविद्यालय	''उत्तर उपनिवेशदवाद''	28 से 30 अक्टूबर 2014
2.	सुनयनि भट्टाचार्य शोधार्थी	ओरेगन विश्वविद्यालय	''नस्ल एवं जाति''	6 अगस्त 2014
3.	डॉ. हरीश त्रिवेदी सेवानिवृत आचार्य	अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	''नये अनुसंधान क्षेत्र और प्रवृत्तियां ''	5 सितंबर 2014
4.	प्रो. ललित मंगोत्रा संयोजक	डोगरी सलाहकार मंडल साहित्य अकादमी दिल्ली	''डोगरी लोक साहित्य''	25 फरवरी 2015
5.	प्रो. सुमन्यू सतपथी आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	''वकवास साहित्य''	22 जनवरी 2015

संगोष्ठी, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता (2014-2015)

प्रो. नंदनी भट्टाचार्य

भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ	वक्तव्य / आलेख का विषय
''महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाएँ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	3 एवं 4 सितंबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	स्वागत भाषण/ अध्यक्षता	स्वागत भाषण
''दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाएँ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 अक्टूबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्षता/ मुख्य वक्ता	कोई नहीं
''अनुवाद: मुद्दे और संदर्भ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 जनवरी 2015	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्षता/ मुख्य वक्ता	''राष्ट्रीयता एवं अनुवाद''

श्रीमती नीना गुप्ता विज

भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ
''महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाँए'	राष्ट्रीय संगोष्ठी	3 एवं 4 सितंबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	''द सेंट, द सीरन एंड द सुफ्फरगेट''
''दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाएँ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 अक्टूबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	''सेल्फहुड : द कल्ट ऑफ द वर्जिन''
''अनुवाद में: मुद्दे और संदर्भ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 जनवरी 2015	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	''ट्रांसलेटिंग द नेशन: द डोगरी लैंग्वेज''
''अनुवाद''	कार्यशाला	22-28 जनवरी 2015	राष्ट्रीय अनुवाद मिशन	कोई नहीं
''महाभारत पुर्नविचार : ग्रंथ एवं संदर्भ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	4-6 मार्च 2015	एम.एस. विश्वविद्यालय, उदयपुर	''द्रौपदी एंड द क्वश्चन ऑफ धर्मा''

डॉ. एम.ए.ए. फारूक

भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ
''महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाँए''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	3 एवं 4 सितंबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	कोई नहीं
''दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाएँ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 अक्टूबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्विद्यालय	''कान्सेप्ट ऑफ डोउरी इन इस्लाम एंड इट्स प्रैक्टिसिज इन नार्थ इंडिया''
''अनुवाद: मुद्दे और संदर्भ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 जनवरी 2015	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	''ईशू ऑफ वरवल इक्यूलैंस इन ट्रांसलेशन''
विश्वशांति संभावनाएँ एवं प्रथा	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	28 फरवरी से 1 मार्च 2015 तक	साई ग्रुप ऑफ कॉलेज, पठानकोट	''एक्सैस ऑफ टैरारिजंम: ए थ्रेट टू वल्ड पीस एंड ह्यूमिनिटी''

श्री राज ठाकुर

भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ
''महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाँए''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	3 एवं 4 सितंबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्विद्यालय	''लेझर इक्नोमी ऑफ खाखी एंड द ग्रेट वार''
''दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाएँ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 अक्टूबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	कोई नहीं
''अनुवाद: मुद्दे और संदर्भ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 जनवरी 2015	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	कोई नहीं

श्री राज गौरव वर्मा

भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ
''महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाँए''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	3 एवं 4 सितंबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	ए टेरिवल ब्यूटी इज बोर्न: स्टडींग बार इनटू द लाईटहाउस
''दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाएँ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 अक्टूबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	कोई नहीं
''अनुवाद: मुद्दे और संदर्भ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 जनवरी 2015	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	कोई नहीं

डॉ. किरण कालरा

भाग लेने वाल सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ
''महान युद्ध-सौ सालों के उपरांत: साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिक्रियाँए''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	3 एवं 4 सितंबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	''नेटिव सोलजर, फारन बैटलफिलडस: ए स्टड ऑफ केनडाज़ फस्ट नेशनस पार्टिस्पेशन इन थ्री डे रोड''
''दहेज हत्या : आज के भारत में लिंग पूर्वाग्रह प्रथाएँ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 अक्टूबर 2014	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	कोई नहीं
''अनुवाद में: मुद्दे और संदर्भ''	राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 जनवरी 2015	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	कोई नहीं

संकाय प्रकाशन

प्रो. नंदनी भट्टाचार्य

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेख / शोधपत्र / पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	प्रकाशन वर्ष
प्रो. नंदनी भट्टाचार्य	''रवींद्रनाथ टेगौरस गोरा : ए क्रिटिकल कम्पैनियन'' (इन प्रिंट)''	प्राईमस, नई दिल्ली	2014
प्रो. नंदनी भट्टाचार्य	''रिविसिटिंग स्नेहला : द अराइवल ऑफ द नावेल ज़ेनरे इन कालोनियल बंगाल''		2014

श्रीमती नीना गुप्ता विज

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेख/शोधपत्र/पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	प्रकाशन वर्ष
श्रीमती नीना गुप्ता विज	''सेल्फ इन बुद्यिजम एंड एंग्लो-अमेरिकन लिटरेचर चैप्टर इन एन ओयिन बुद्धिस्ट वाइज''	बुद्धिस्ट स्टडी प्रैस	एन ओशन ऑफ वुद्धिस्ट विज़डम	2014

डॉ. एम.ए.ए. फारूक

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/ आईएसवीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
''मर्जिनलटी इन तस्लीमानसरीनस नोवेल : ए रिफलेक्शन ऑफ द सीमी साईड ऑफ द सोसायटी पीपी. 119-123	थेमॅटिकस ग्रंथ .6. अंक 1 जनवरी 2015 पप.98-107 (आईएसएसएन सख्यां 0975-8313)	जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी रिसर्च दिमापुर ग्रंथ.02 अंक.01, मार्च 2014	आईएसएसएन 2320.9542	2014
''अनीता देसाईज क्लियर लाइट ऑफ डे : ए स्टडी इन पार्टीशन ट्रोमा''			(आईएसएसएन 0975.8313)	2015

श्री राजगौरव वर्मा

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेख/शोधपत्र/पाठ्यपुस्तक अध्याय /अन्य	पत्रिका/पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/ आईएसवीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
श्री राजगौरव वर्मा	वाइव्स एंड विडोस इनद फिक्शन ऑफ़ झुम्पा लहरी : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ द नेमसेक एंड द लौलैंड'	''कंटेम्परेरी इंडियन वीमेन राईटर्स''	9788172739461	2015

डॉ. किरन कालरा (अनुबंध)

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेख/शोधपत्र/पाठ्यपुस्तक अध्याय /अन्य	पत्रिका/पुस्तक का नाम
डॉ. किरन कालरा	''क्रासिंग द बॉर्डर्स: राईटिंग ऑफ द इंडोकैनेडियन डायस्पोरा''	इंडियन एथोस

सुश्री हरप्रीत कौर (अनुबंध)

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेख/शोधपत्र/ पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/ आईएसवीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
हरप्रीत कौर	''भारती मुखर्जीस वाइफक्लैश बिटवीन ड्रीम्स एंड रियलिटी''	प्रकाशन व्यूरो, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला	मल्टीप्ल प्रोस्पेक्टिव्स ओन इंडियन पंजाबी/ डायस्पोरा आईडेंटीटीज, लोकेशंन एंड इंटरसेक्शन्स, इडीएस मंजीतइंदर सिंह एंड जो सिंह	978.81.302.0267.9	2014
हरप्रीत कौर	''म्यूट क्राई इन सोसाइटी: ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ ओप्रेस्ड गर्लहुड इन द सेलेक्ट वर्क्स ऑफ ऐलिस वॉकर एंड बामा''	न्यू मेन प्रकाशन, प्रभानी, महाराष्ट्र	मोर्डन इंडियन इंगलिश लिटरेचर: क्रिटिकल रिस्पोंस इडी एम.एस. वीमल	978.93.83871.28.5	2014
हरप्रीत कौर	''म्यूट क्राई इन सोसाइटी: ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ ओप्रेस्ड गर्लहुड इन द सेलेक्ट वर्क्स ऑफ ऐलिस वॉकर एंड बामा''	न्यू मेन प्रकाशन, प्रभानी, महाराष्ट्र	न्यू मेन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्पलेनरी स्टडी	2348.1390	2014
हरप्रीत कौर	''अपहोल्डिंग द इमेज ऑफ इंडियन वीमेन: ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ श्री अरविंदो एंड टोरू दत' ''सावित्री''	न्यू मेन प्रकाशन, प्रभानी, महाराष्ट्र	इंडियन इंग्लिश पोएट्री: क्रिटिकल रिस्पोंस''	978.93.83871.30.8	2015

अंग्रेजी विभाग के द्वारा विश्वविद्यालय प्रकाशन 2014-2015

प्रकाशक	विवरण
कैंपस अपडेट	अक्टूबर 2011 से जुलाई-दिसंबर 2014

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

पालिथीन मुक्त परिसर पर जागरूकता कार्यक्रम

(सितंबर 18-19, 2014)

विभाग ने पालिथीन मुक्त परिसर के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आरंभ किया । कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद जी ने पालिथीन बैग्स और इन गैर-जैवनिम्नानी से हमारे पर्यावरण को हो रहे नुक्सान पर प्रकाश डाला और कपड़े तथा कागज आदि जो कि जैवनिम्नानी, पुनः इस्तेमाल, एवं पुनश्चक हैं के इस्तेमाल का सुझाव दिया ।

क्षेत्र भ्रमण

(नवंबर 18, 2014)

18 नवंबर 2014 को एम.एससी अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए रंजीत सागर बांध का एक दिवसीय क्षेत्र भ्रमण का आयोजन किया गया । प्रो. एच.एस सहगल, विभागाध्यक्ष, डॉ(श्रीमती) जी.के.सहगल, सहआचार्य, डॉ. पंकज मेहता, सहायक आचार्य एवं डॉ. आई.के. शाह, सहायक आचार्य, छात्रों के साथ थे। भ्रमण को दो भागों में विभाजित किया गया था जिसमें (ए एवं बी) प्रकार के पत्थरों की पहचान और पानी की गुणवत्ता के मानकों का विश्लेषण और जलीय जैव विविधता की पहचान करना था । छात्रों को क्रमशः जलीय पारिस्थितिक तंत्र की महत्वपूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक उत्पादकता के घटकों पादप प्लवक और प्रमाणीमन्दप्लवक को इक्टठा करने के मानक तरीकों और संरक्षण के बारे में प्रदर्शन किया गया ।

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में आलेख प्रस्तुति

(अगस्त 02-10, 2014)

2 से 10 अगस्त 2014 तक डॉ. दिनेश कुमार, सहायक आचार्य ने स्पेस अनुसंधान कमेटी द्वारा आयोजित 40वें कोसपर साईंटिफिक ऐसेंवली मास्को, रशिया में ''सेटेलाईट रेडीयंस एसेसीमिलेशन यूजिंग 3डी-वार ए केस स्टडी ऑफ थंडरस्टोर्म ओवर इंडिया रिजन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

फिक्की इंडिया इनोवेशन कार्यक्रम

दिसंबर 12,2014

12 दिसंबर, 2014 को डॉ. पंकज मेहता ने डीएसटी-लॉकहीड मारटिन एंड इंडो-यूएस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम द्वारा होटल फॉरच्यून इन रीवीरा, जम्मू में ''फिक्की इंडिया इनोवेशन ग्रोथ कार्यक्रम'' में भाग लिया ।

विद्यावाचस्पती की उपाधि से सम्मानित किया

इरफान खुरशीद शाह, सहायक आचार्य (अनुबंध) को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 1 नवंबर 2014 को विद्यावाचस्पती की उपाधि से सम्मानित किया गया ।

संगोष्ठी, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता(2014-2015)

डॉ. पंकज मेहता

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता/ अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/ विशेषज्ञ	वक्तव्य /आलेख का विषय
जनरल ओरिएंटेशन कोर्स, जम्मू विश्वविद्यालय (यूजीसी-अकादमिक स्टाफ कॉलेज)	राष्ट्रीय	17.06.2014 से 14.07.2014	यूजीसी	...	''प्रेजेंटेशन ओन बोटेल ड्रिंकिंग वाटर पर आईएस 10500, आईएस 14543, आईएस 13428''
14 वीं भारतीय विज्ञान संचार कांग्रेस (आईएससीसी-2014): विज्ञान गवर्नेंस के लिए संचार रणनीतियाँ	राष्ट्रीय	दिसंबर 25-29, 2014	भारतीय विज्ञान लेखक संघ, एनसीएसटीसी, स्पंदन भारतीय वाटर पोर्टल	संसाधन व्यक्ति	''ग्रीन टेक्नोलॉजी एंड ग्रीन बिल्डिंग्स : ए की टुवर्ड्स सस्टेनेबल फ्यूचर(सर्वोत्म आरेल प्रस्तुतिकरण का पुरस्कार प्राप्त किया)
नालेज शेयरिंग इनटरेक्टिव सैशन	राष्ट्रीय	जनवरी 15, 2015	अनुसंधान और विकास केंद्र, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ	विशेषज्ञ/ मुख्य वक्ता	''इम्पोर्टेंस ऑफ लैब इन प्रोफेशनल रिसर्च''

डॉ. अंजलिका शर्मा (अनुबंध)

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता/ अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/ विशेषज्ञ	वक्तव्य /आलेख का विषय
''नैशनल अंतर विषय विज्ञान'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय संगोष्ठी	27-28 फरवरी 2015	सीएसआईआर	संसाधन व्यक्ति	''हेल्थ स्टेटस ऑफ वर्कर्स इन सीमेंट इंडस्ट्री एंट डिस्ट्रीक्ट कठूआ जम्मू एडं कश्मीर
''10वीं जम्मू एंव कश्मीर साईंस कांग्रेस''	क्षेत्रीय (जे एडं के)	14-16 मार्च 2015	जम्मू विश्वविद्यालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए जम्मू-कश्मीर राज्य परिषद	संसाधन व्यक्ति	फिजियोलॉजिक रेस्पोंस ऑफ सम प्लांटस टू एयर पोल्युशन इन जम्मू (जम्मू एंड कश्मीर)

संकाय प्रकाशन (2014-2015

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक	आलेख/शोधपत्र/ पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	ग्रंथ	आईएसएसएन/ आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष	ऑनलाईन लिंक
मेहता,पी.	''फरनस एंड डिआक्सिन्स (एफडी) नीड टू बी फिक्स्ड विद हायर इंटरेस्ट रेट फॉर सस्टेनेबल टुमारो	आईजेआरए एसइटी	''इंटरनेशनल जर्नल रिसर्च इन एप्लाइड साइंसेज एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी	2:9, 135-137	2221-9653	2014	http:// www.ijraset.com/file serve.php?FID=870

मेहता,पी. इनखिया, जी.	द नेचुरल वाटर प्युरीफायर ऑफ द प्लेनेट: बायोडायवर्सिटी	सागर केंद्रीय विश्वविद्यालय (मध्यप्रदेश)	''मध्य भारती''		0974-0066	2015 स्वीकृत	http:??www.dhsgsu.ac.in/infodetails1.php?id=43
सहगल, एच.एस एवं सहगल जी.के	''एक्वाकल्चर सस्टेनेबिलिटी एंड एनवायर्नमेंटल आस्पेक्ट्स ऑफ प्रोसेसिंग एंड वैल्यू-एडिशेन टू कार्प्स''	भारतीय साईंस कांग्रेस एशोश्यिेशन	भारतीय साईंस कांग्रेस एशोश्यिेशन	10वीं विज्ञान कांग्रेस अंक जनवरी 3-, 2015:126-129	आई एसएसएन संख्या. 0531-495X	2015	http://www.sciencecongress.nic.in
सिंग, ए.,वाजर, एस. एवं विश्नोई, एन.आर.	''एन्जीमाटिक हाइड्रोलोसिस ऑफ माइक्रोवेव अल्कली प्रेट्रेटेड राइस हस्क फॉर इथेनॉल प्रोडक्शन बाए स्चेफेरमेकेसी स्टीपटीस एंड कल्चर''	एलसवेयर	फयूल	116:699702	0016-2361	2015	doi:10.1016/j.fuel.2013.08.072
वर्मा, ए.,ए.,दूआ, आर., सिंग, ए.एवं विश्नोई, एन.आर.	''बायोजेनिक सल्फिडेस फॉर सेक्वेस्ट्रक्शन ऑफ सीआर(vi)सीओडी एंड स्लफेट फ्रांम सिनथेटिक वेस्टबाटर''	एलसवेयर	वाटर साईस	...	1110-4929	2015	doi:10.1016/j-wsj.2015.03-001
यादव, एस., टंडन, ए. एवं अत्री, ए.के	''टाईमलाईन ट्रेंड प्रोफाइल एंड संशेशनल वेरिएशन इन निकोटीन प्रेजेंट इन एम्बिएंट पीएम 10 सैंपल्स: ए फोर ईयर इन्वेस्टीगेशन फ्रॉम दिल्ली रिजन इंडिया''	एलसवेयर	एटमोस्फेरिक इनवायरमेंट	98:89-97	1352-2310	2014	DOI:10.1016/j.atmosenv.2014.08.058

विभाग में संकाय सदस्यों की अनुसंधान परियोजनाएँ

परियोजना के अन्वेषक और सह अन्वेषक(कों) का नाम	अनुसंधान परियोजना का नाम	वित्त पोषण ऐजेंसी	परियोजना की अवधि	मुख्य अनुसंधान परियोजना/अल्प अनुसंधान परियोजना	वस्तुस्थिति	
					चल रहे	समाप्ती की तिथि
डॉ.श्वेता यादव	"इनवेस्टीगेशन ऑफ मलटी-सकेल टेंपरूवल वेरियेशन एंड ट्रैंड इन द मास कंपोजीशन एंड सोरस ऑफ कारवोनेसीयस एरोसोल इन जम्मू, एन अरवन लोकशन इन फूटहिल रिजन ऑफ नार्थ वेस्ट हिमालयाज''	यूजीसी	3 साल	मुख्य अनुसंधान परियोजना (15.97 Lakhs)	अनुमोदित	---
डॉ. अनीता सिंह (पीआई)	"सेल्यूलेस एनेजमी प्रोडेक्शन फ्राम लोकल थर्मोफिलिक फंगी वाई यूजिंग एग्रो-इंडस्ट्रीयल रेजीडयूज ऐज़ सवस्ट्रैक्ट''	यूजीसी	2 साल	प्रारंभिक अनुदान (6.0 lakhs)	अनुमोदित	---
डॉ. पंकज मेहता (पीआई) डॉ.दीनेश कुमार (को-पीआई)	"स्पैशल डिस्ट्रीव्यूशन ऑफ यूरेनियम एंड ऐशोसियेटिड वाटर क्वालिटी पैरामीटरस आई ग्रांउड वाटर/ड्रिंकिंग वाटर इन 8 डिस्ट्रीक्ट ऑफ जम्मू प्रोविनेंस''	वीआरएनएस-डीएइ,जीओआई*	2 साल मुख्य अनुसंधान परियोजना (27.0 lakhs)	विचाराधीन		

मानव संसाधन एवं प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

औद्योगिक यात्रा

(सितंबर 19, 2014)

एमबीए छात्रों के लिए यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड, पी.मार्क एवं शलीमार कारपेटस में एक दिवसीय औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया था। संबंधित कंपनियों के समन्वयकों ने छात्रों एवं शिक्षकों के आगमन पर स्वागत किया । यात्रा के दौरान छात्रों को कारखाने के विशेषज्ञों के साथ मुलाकात करने का अवसर मिला । छात्रों को कारखाने का दौरा करवाया गया और उन्हें उत्पादों के निर्माण से संबंधित वास्तविक प्रक्रिया का अनुभव करवाया गया । यह नवोदित प्रबंधकों के लिए अद्भुत अवसर था जिसमें वह प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं जैसे श्रम प्रबंधन पर वास्तविक ज्ञान प्राप्त कर सकते थे।

व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला

(26 सितंबर 2014)

श्री सुभाष जगोत्रा, सीइओ ग्लोवल विज़नेस सोल्यूशन, द्वारा एमबीए 1 एवं 3 सत्र के छात्रों के लिए एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया, प्रत्येक छात्र के लिए एसडब्लयूओटी विश्लेषण किया गया जिसमें आत्म मूल्यांकन तकनीक का उपयोग करके स्वयं की अभिव्यक्ति व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत रूप में करनी थी। श्री जगोत्रा जी की विशेषज्ञता एवं उत्प्रेरक उद्यमशीलता की भावना के साथ छात्रों को रचनात्मक्ता और नवाचार का अभ्यास करवाया गया जो की छात्रों के द्वारा अनन्वेषित था । एक सफल व्यवसाय के लिए व्यक्तित्व की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, श्री जगोत्रा जी ने छात्रों को उनके व्यक्तित्व पर ध्यान केंद्रित करने और उसे सजाने के लिए प्रोत्साहित किया । मंच ने छात्रों को अन्योन्यक्रियात्मक बातचीत में शामिल होने तथा श्री जगोत्रा जी की विशेषज्ञता से प्रबुद्ध होने में सहायता प्रदान की ।

प्रभावी संचार और प्रस्तुति तकनीकों पर कार्यशाला

(13-15 अक्टूबर 2015)

बदलते व्यावसायिक संदर्भों में, जनसंचार एवं प्रभावी प्रस्तुति की भूमिका व्यापार जगत में सफलता के लिए पहली आवश्यकता है एवं सोफ्ट कौशलों में वृद्धि प्रबंधन छात्रों के लिए आवश्यक हो गई है। इसलिए प्रभावी संचार और प्रस्तुति तकनीकों के विषय पर 3 दिवसीय कार्यशाला दिनांक 13 से 15 अक्टूबर 2014 तक मानव संसाधन एवं संगठनात्मक प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया । श्री प्रदिप्ता भट्टाचार्य, वेरिज़ोन डाटा सर्विसेज इंडिया प्राइवेट में वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक इस कार्यशाला में मुख्य विशेषज्ञ थे। कार्यशाला में प्रभावी जनसंचार, व्यापार शिष्टाचार और प्रस्तुतियों को किस प्रकार प्रभावी बनाया जाये से संबंधित सत्र थे।

विद्वानों के लेखन और साहित्यिक चोरी : प्रमुख सरोकार विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

(अक्टूबर 29-31, 2014)

29 से 31 अक्टूबर 2014 तक मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग द्वारा ''विद्वानों के लेखन और साहित्यिक चोरी : प्रमुख सरोकार'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला शैक्षणिक लेखन और अनुसंधान प्रक्रिया, महत्वपूर्ण विचार, साहित्यिक समीक्षा, शोध प्रश्नावली, परिकल्पना, लेखन एवं शोध प्रस्ताव सरंचना, प्रस्तुति और रिर्पोटिंग लेखन पर केंद्रीत थी । कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को वेब आधारित जानकारी का निरावरण किया गया,

शोध दस्तावेजों को उनकी क्षमता के अनुकूल व्यवस्थित करने, मैंडले एवं संदभों का अनुसंधान के शोध उपकरणों का उपयोग, साहित्यिक चोरी के विरोधी सॉफटवेयर पैकेज(ट्रूनिटिन) जैसे उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। अनुसंधान लेखन की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रयास में, देश के विभिन्न भागों से प्रख्यात विद्वानों के सत्रों का आयोजन किया गया ।

प्रबंधन क्लब गतिविधि

मानव संसाध एवं प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग छात्रों को इसके प्रबंधन क्लब गतिविधियों में शामिल करता है, जिसका मुख्य केंद्र सार्वजनिक भाषण, सामूहिक चर्चा एवं छात्रों के प्रस्तुतिकरण कौशल में सुधार करना है। यह एक संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्रों के द्वारा की जाने वाली गतिविधि है । गतिविधियों की विस्तृत सारणी में प्रसतुतिकरण प्रबंधन, दूरदर्शिता, व्यापार से संबंधित एवं समकालीन मानव संसाधन विषय, सामूहिक चर्चाऐं, वैचारिक कारखाने, व्यापार प्रश्नोत्तरी एवं अन्य को शामिल किया जाता है; मंच छात्रों को कारखानों के द्वारा उठाए गए कदमों के साथ कदम मिला कर चलने के लिए सहायता प्रदान करता है।

आमंत्रित व्याख्यान

(12-13 अगस्त, 2014)

कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर के अकादमिक स्टाफ कालेज, में प्रो. अशोक ऐमा जी को आंमत्रित किया गया जहां पर उन्होंने ''चेंजिंग पेराडिगम इन टीचिंग पेडागोजी इन हायर एजुकेशन'' एवं ''सेल्फ डवेलपमेंट एंड एक्सीलेंस'' विषय से व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

(सितंबर 5, 2014)

संकाय प्रबंध अध्ययन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रो. अशोक ऐमा जी को ''लीडरशिप इन 21वीं सेंचुरी'' विषय से विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया ।

(सितंबर 6, 2014)

प्रो. अशोक ऐमा जी को राजश्री प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय, उदय प्रताप कॉलेज परिसर, वाराणसी में आमंत्रित किया गया जहां पर उन्होंने ''कॉन्टेम्प्रेरी इशु इन टीचिंग पेडागोजी फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेंस'' विषय से व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

(अक्टूबर, 14 2014)

प्रो. अशोक ऐमा जी को आईएमपीए द्वारा ''लीडरशिप एंड गर्वनेंस'' विषय पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता

(अगस्त 1-2, 2014)

प्रो. अशोक ऐमा जी को आईसीएसएस आर द्वारा प्रायोजित ''शिफटिंग पैराडिगम इन अपलाईड इक्नोमिक्स एंड मैनेजमैंट: कोर्स कोरेक्शन'' विषय से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में व्यवसाय विद्यालय, प्रबंधन संकाय, माता वैष्णोदेवी विश्वविद्याल, कटडा में अध्यक्षता करने हेतु आमंत्रित किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दौरे (2014-2015)

दौरे का स्थान	दौरे की तिथि	स्थान	उद्देश्य	प्रतिभागी छात्रों की संख्या
औद्योगिक दौरा	19 सितंबर, 2014	बडी ब्राह्मणा एवं सांबा औद्योगिक क्षेत्र	45	1. छात्रों को औद्योगिक कार्यों से परिचित करवाने के लिए। 2. छात्रों को प्रचलित संगठनात्मक सरंचना को समझने में मदद हेतु। 3. विभिन्न संगठनों द्वारा अपनाई जा रही प्रबंधकीय प्रथाओं से छात्रों का परिचय करवाने के लिए ।

संगोष्ठी, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता(2014-2015)

संकाय सदस्य का नाम	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ	वक्तव्य /आलेख का विषय
डॉ. जया भसीन	''सस्टेनेबल डेस्टिनेशन एक्सीलेंस: रेबिल्डिंग फ्रॉम क्राइसिस एंड डिजास्टर्स''	अंतराष्ट्रीय	मार्च 20-21, 2015	एसएचटीएम, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. कासलोम कायत, निदेशक अनुसंधान एवं नवाचार प्रबंधन केंद्र, अलट्रा विश्वविद्यालय मलेशिया	सोशल इंटरप्रेनियरशिप इश्यूज एंड चैलेंजिज फॉर द सोसिओ-इक्नोमिक डवेलपमेंट ऑफ हिमालयन रीजन
डॉ. जया भसीन	''कटेम्परेरी बिजनेस एंड इक्नोमिक ओपरचयुनिटी इन नार्थ-वेस्ट रिजन-इशुज एंड चैलेंजिज''	राष्ट्रीय	मार्च 06, 2015	एसएमवीडीयू		इमोशनल इंटेलिजेंस इज ए प्रेडिक्टर ऑफ ओसीबी ए कन्सेप्चुअल एनालिसिस
डॉ. निलिका अरोडा	''टूरिज्म मैनेजमैंट इंटीग्रेटेड स्ट्रेटेजी फॉर मार्केटिंग टूरिज्म एंड अलाईड साइंसेज''	राष्ट्रीय	मार्च 26-27, 2014	टीवीएस, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	ए मॉडल ऑफ कम्युनिटी इंगेजमेंट फॉर सस्टेनेबल टूरिज्म डव्लपमेंट
डॉ. निलिका अरोडा	''नैशनल कांफ्रेंस ओन इंटीग्रेटेड स्ट्रेटजीस फॉर मार्केटिंग टूरिज्म एंड अलाईड सर्विसेज''	राष्ट्रीय	मार्च 24, 2015	टीवीएस, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. नमित चौधरी, आईआईटीटीएम नोएड़ा	रोल ऑफ वर्क इंगेजमेंट इन एम्प्लायी रिटेंशन : ए कन्सेप्चुअल फ्रेमवर्क फॉर टूरिज्म इंडस्ट्री
डॉ. निलिका अरोडा	''नैशनल कांफ्रेंस ओन इंटीग्रेटेड स्ट्रेटजीस फॉर मार्केटिंग टूरिज्म एंड अलाईड सर्विसेज''	राष्ट्रीय	मार्च 24, 2015	टीवीएस, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. नमित चौधरी, आईआईटीटीएम नोएड़ा	''एप्लिकेबिलिटी ऑफ थ्योरी ऑफ प्लांट वहेविएर टू प्रेडिक्ट स्टूडेंट्स करियर इंटेंशन फॉर टूरिज्म इंडस्ट्री''

संकाय सदस्य का नाम	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतराष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ	वक्तव्य /आलेख का विषय
डॉ. निलिका अरोडा	''सस्टेनेबल डेस्टिनेशन एक्सीलेंस: रिबिल्डिंग फ्रॉम क्राइसिस एंड डिजास्टर्स''	अंतरराष्ट्रीय	मार्च 20-21, 2015	एसएचटीएम, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. कासलोम कायत, निदेशक अनुसंधान एवं नवाचार प्रबंधन केंद्र, अलट्रा विश्वविद्यालय मलेशिया	होटल इंडस्ट्री एमरजेंसी प्रेपरेडनेस फॉर क्राइसिस एंड डिजास्टर : ए स्टडी अमंग सलैक्टिड होटलस इन जम्मू
डॉ. निलिका अरोडा	''एक्सीलेंस इन एचआरडी फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ''	राष्ट्रीय	मार्च 20-21, 2015	बनारस हिंदु विश्वविद्यालय	प्रो. सुनीता सिंह सेन गुप्ता, एफएमएस, दिल्ली	अंडरस्टैंडिग एंड एक्सप्लोरिंग एम्प्लोयी कमिटमेंट इन रिटेलिंग: रिलेवेंस एंड इंप्लीकेशन फॉर एच आर मनेजर्स
अंजली पठानियां	''नैशनल कांफ्रेंस ओन इंटीग्रेटेड स्ट्रेटजीस फॉर मार्केटिंग टूरिज्म एंड अलाईड सर्विसेज''	राष्ट्रीय	मार्च 26-27, 2014	प्रबंधन विद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. आर.डी.शर्मा, माननीय कुलपति जम्मू विश्वविद्यालय, प्रो. केशव, अधिष्ठाता प्रबंधन विद्यालय जम्मू विश्वविद्यालय	लेवरेजिंग द रोल ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर एस्कॉटिंग जे एंड के टूरिज्म
अंजली पठानियां	''सस्टेनेबल रिसोर्स इन नार्थ-वेस्ट हिमालयाज: सोसिओ-इकोनोमिक कल्चरल एंड पोलिटिकल इंटरफेस''	राष्ट्रीय	मार्च 18-19, 2015	प्रबंधन विद्यालय, कठुआ परिसर, जम्मू विश्वविद्यालय		इंवेस्टिगेटिंग डिर्टेमिनेंटस ऑफ ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट : एन एम्पिरिकल स्टडी
अंजली पठानियां	''इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इमर्जिग ट्रेंड्स इन ग्लोबल प्रैक्टिसेज-ए इंटर डिसिप्लिनरी एप्रोच''	अंतराष्ट्रीय	मार्च 07-08, 2014	सिंमवोइसिस सेंटर फार मेनेजमेंट स्टडीज, नोइडा	डॉ. रजनी गुप्ता, माननीय कुलपति, सिंवोईसिस इंटरनेशनल विश्वविद्यालय, श्री डेविड स्वीनी, महाप्रबंधक एचआर ऐशिया पेस्फिक मीटसूई एवं को.लिमिटिड, सिंगापुर, माननीय श्री राडु ओक्टाविन डोगरे प्रभारी रोमानिया में भारत के दूतावास, एवं श्री महोमद एच इहारिफ, माननीय अल्जीरिया की पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ इंडिया।	कम्पेटेंस मैनेजमेंट सिस्टम ऐए ए स्ट्रेटेजिक टूल फॉर सक्सेशन प्लानिंग
अंजली पठानियां	''क्रिएटिंग ओपरचयुनीटी इन इमर्जिंग मार्केट्स- ए ग्लोबल एप्रोच''	अंतरराष्ट्रीय	फरवरी 13-14, 2015	सिंमवोइसिस सेंटर फॉर मेनेजमेंट स्टडीज, नोएडा	डॉ. राजकुमार, आचार्य वीएचयू एवं डॉ. मोनदीप रे चौधरी आचार्य एवं अधिष्ठाता फूयूचर विजनेस स्कूल, कोलकाता, भारत	री-क्रिएशन ऑफ 4पीएस थ्रू को क्रिएशन- एन आईटी इंटरवेंशन
गोहर रसूल	''नैशनल कांफ्रेंस ओन इंटीग्रेटेड स्ट्रेटजीस फॉर मार्केटिंग टूरिज्म एंड अलाईड सर्विसेज''	राष्ट्रीय	मार्च 26-27, 2014	प्रबंधन विद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. आर.डी शर्मा माननीय कुलपति जम्मू, प्रो. केश्व अधिष्ठाता विजनेस स्कूल जम्मू विश्वविद्यालय	इम्पिलिसीटी सर्विस गरंटीज: ए स्ट्रेटेजी फॉर हर्नेस्सिंग लॉंग टर्म डिविडेंटस

गोहर रसूल	''इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इमर्जिग ट्रेंड्स इन ग्लोबल प्रैक्टिसिज-ए इंटर डिसिप्लिनरी एप्रोच''	अंतरराष्ट्रीय	मार्च 07-08, 2014	सिंमवोइसिस सेंटर फार मेनेजमेंट स्टडीज, नोएडा	डॉ. रजनी गुप्ता, माननीय कुलपति, सिंवोईसिस इंटरनेशनल विश्वविद्यालय, श्री डेविड स्वीनी, महाप्रबंधक एचआर ऐशिया पेस्फिक मीटसूई एवं को. लिमिटिड, सिंगापुर, माननीय श्री राडु ओक्टाविन डोगरे प्रभारी रोमानिया में भारत के दूतावास, एवं श्री महोमद एच इहारिफ, माननीय अल्जीरिया की पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ इंडिया।	मॉडलिंग आरगेनाइजेशनल इफेक्टिवनेस एंड वर्क वैल्यूज
गोहर रसूल	''क्रिएटिंग ओपरचयुनीटी इन इमर्जिंग मार्केट्स- ए ग्लोबल एप्रोच''	राष्ट्रीय	फरवरी 20, 2014	जामिया मिलिया इस्लामिया	प्रो. टी.वी राव एवं प्रो. अवाद अहमद	एचआर इंटेलिजेंस : ए चैलेंज फॉर ऑरगेनाइजेशन
गोहर रसूल	''क्रिएटिंग ओपरचयुनीटी इन इमर्जिंग मार्केट्स-ए ग्लोबल एप्रोच''	राष्ट्रीय	फरवरी 13-14, 2014	सिंमवोइसिस सेंटर फॉर मेनेजमेंट स्टडीज, नोइडा	डॉ. राजकुमार, आचार्य वीएचयू एवं डॉ. मोनदीप रे चौधरी आचार्य एवं अधिष्ठाता फयूचर विजनेस स्कूल, कोलकाता, भारत	री-क्रिएशन ऑफ 4पीएस थ्रू को क्रिएशन -एन आईटी इंटरवेंशन
आसिफ अली	''नैशनल कांफ्रेंस ओन इंटीग्रेटेड स्ट्रेटजीस फॉर मार्केटिंग टूरिज्म एंड अलाईड सर्विसेज''	राष्ट्रीय	मार्च 26-27, 2014	प्रबंधन विद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय	प्रो. आर.डी. शर्मा माननीय कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय, प्रो. केशव, अधिष्ठाता व्यवसाय स्कूल, जम्मू विश्वविद्यालय	लेवरेजिंग दरोल ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर एस्कॉटिंग जे एंड के टूरिज्म
आसिफ अली	''सस्टेनेबल रिसोर्स इन नार्थ-वेस्ट हिमालयाज: सोसिओ-इकोनोमिक कल्चरल एंड पोलिटिकल इंटरफेस''	राष्ट्रीय	मार्च 18-19, 2015	प्रबंधन विद्यालय, कठुआ परिसर, जम्मू विश्वविद्यालय		इंवेस्टिगेटिंग डिर्टेमिनेंटस ऑफ ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट : एन एम्पिरिकल स्टडी

संकाय प्रकाशन (2014-15)

लेखक (लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेख/शोधपत्र/ पाठ्यपुस्तक अध्याय/ अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	ग्रंथ	आईएसएस एन/आईएस वीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष	ऑनलाईन लिंक
भसीन, जे.एवं अली, ए.	''बिज़नेस प्रोसेस रिइंजेनेरिंग : ए केस स्टडी ऑफ बैंक ऑफ इंडिया''	शेखर उपाध्याय, तृप्ता रेंटीयल, आशीष मेहता, शेरआफ प्रकाशक एवं वितरक प्राईवेट लिम्टेड	चेंजिग डाइमेंशन्स ऑफ इमर्जिंग बिजनेस इंटरप्राईजेस		978.95.5110. 105.5	2015	उपलब्ध नहीं
निलिका अरोड़ा एवं आर. डोगरा	''कम्युनिटी पार्टिसिपेशन इन कल्चरल फेस्टिवल्स एंड इटस रोल इन डेस्टिनेशन डेवलपमेंट''	नेहा प्रकाशन एवं वितरण	टूरिज्म कॉन्सेप्ट्स, इश्यूज एंड चैलेंजिज,		978.93. 80318.57.8	2014	उपलब्ध नहीं

लेखक (लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेक/शोधपत्र/ पाठ्यपुस्तक अध्याय/ अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	ग्रंथ	आईएसएस एन/आईएस वीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष	ऑनलाईन लिंक
निलिका अरोड़ा, यूसफ. ए एवं गुप्ता ए.	''अंडरस्टैंडिंग एंड एक्सप्लोरिंग एम्प्लोयी कमिटमेंट इन रिटेलिंग : रिलेवेंस एंड इम्प्लिकेशन फॉर एचआर मैनेजर्स ''	एक्सेल इंडिया प्रकाशन	एक्सीलेंस इन एचआरडी फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ		978.93. 84869.18.2	2015	उपलब्ध नहीं
यूसफ.ए, गुप्ता. ए. निलिका अरोड़ा	''रोल ऑफ रिटेल मार्किटिंग मिक्स इन कस्टमर सैटिस्फेकश्न एंड लोयलटी: ए केस ऑफ प्राइवेट यूनिर्वसिटी रिटेल मॉल''		आईआईएम पत्रिका	वाल्यूम 3, अंक 1	ISSN 2277. 4211	2015	उपलब्ध नहीं
गोहर रसूल एवं अंजली पठानियां	''रेवर्सटिंग मार्केटिंग मिक्स स्टडी ऑफ ऐविडेंसिज फॉर इनवेसिटिंग इनोवेटिव रोल ऑफ टेक्नोलोजी इन को-क्रियेशन''	ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राईवेट लिम्टेड	जर्नल ऑफ जनरल मैनेजमेंट रिसर्च	वाल्यूम .2ए अंक .1	23482868	2015	http://www.scmsnoida.ac.in/journal/browse-issues/journal-of-general-management-research/volume-2-issue-1/127
डॉ. फैजिल एवं गोहर रसूल	''स्ट्रेटेजिक एचआर ऐट वेरियन्स: रिव्यु ऑफ प्रैक्टिसेज फोलोड इन डवेलपिंग एंड डेवलप्ड कन्ट्रीज इन टूरिज्म इंडस्ट्री''	शशी प्रकाशन	पीआर कम्नयुकेशन ऐज	वाल्यूम XVII, अंक (8)	9720650	2014	http:// www.magzter.com/ preview.1178/73442
जया भसीन एवं गोहर रसूल	''एचआर इंटेलिजेंस : ए चैलेंज फॉर आरगेनाईजेशनस, मैनेजमेंट चैलेंजेज इन द न्यू इरास्ट्रेटेजीज फॉर सक्सेस''	एक्सेल प्रकाशन	चैलेंजिज इन न्यू इरा : स्ट्रेटेजीज फॉर सक्सेस	उपलब्ध नहीं	978.93. 83842.08.7	2014	http:// www.groupexcelindia.com/image/covers/b-545.jpg
मुशताक एस	''असेसिंग द रोल ऑफ इंटरनल एंड एक्सटर्नल एजेंटस इन एचआरएम स्केल डवेलपमेंट एंड वेलिडेशन''	ईवीएसको	साउथ ऐशियाई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट	वाल्यूम .20, अंक .3	0971.5428	2014	
मुशताक एस	''रोल ऑफ लाइन मनेजर्स इन एचआरएम: इम्पिरिकल एविडेंस फॉम इंडिया''	टेलर एवं फ्रांसिस	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	वाल्यूम-26, अंक .5	0958.5192	2015	

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलनों में प्रतिभागिता

नवबंर 1-2, 2014

डॉ. बच्चा बाबू ने जनसंचार, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा ''जनरलिजम फॉर पोस्टिव चेंज'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''फिलोस्फी ऑफ मीडिया एथिक्स'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

नवबंर, 15, 2014

सुश्री अर्चना ने मायार कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर द्वारा ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एज्युकेशन थ्रू आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''यूज एंड मिसयूज ऑफ मीडिया इन टीचिंग जर्नालिज़म'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

नवंबर, 15, 2014

श्री मनीश प्रकाश ने मायार कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर द्वारा ''क्वालिटी इंपूवमेंट इन टिचर एज्युकेशन थ्रू आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''आईसीटी एज ए टूल फॉर एफिशेंट एजुकेशन सिस्टम'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

दिसंबर, 5-6, 2014

सुश्री अर्चना कुमारी ने बीएसआर आर्ट कॉलेज, अलवर, राजस्थान द्वारा ''मीडिया: पास्ट, प्रेजेंट, एवं फयूचर'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''चैलेंजिस् एंड प्रोसपैक्टेस ऑफ न्यू मीडिया फॉर अपलिफटमेंट ऑफ दलित एंड मुस्लिम वूमेंन: ए केस स्टडी फॉर टू सलेक्टिड एनजीओंस ऑफ दिल्ली'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

श्री मनीश प्रकाश ने ''बीएसआर आर्ट कॉलेज, अलवर, राजस्थान द्वारा ''मीडिया: पास्ट, प्रेजेंट, एवं फयूचर, विषय से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''इलैक्ट्रोनिक मीडिया इन द ऐज ऑफ डिजिटल रेवल्यूशन: चैलंजिस एंड कान्फलिक्ट'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

8 से 10 अक्टूबर, 2014 को सुश्री अर्चना कुमारी ने संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''इसेंशियल कंप्यूटिंग तकनीक'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

29 से 31 अक्टूबर, 2014 को सुश्री अर्चना कुमारी ने मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा ''स्कोलरी राईटिंग एंड पलैगरिजम: की कॉनसर्न '' विषय से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

संकाय प्रकाशन (2014-15)

प्री रिव्यु पत्रिका रिसर्च डाइमेंशन जिसका आईएसएस संख्या 2249-3867, अंक 2 क्रमांक 8 अक्टूबर 2014 में ''प्रैस फ्रिडम: मिथस एंड रियेल्टी विषय से ओलख प्रकाशित हुआ ।

एक आलेख जिसका विषय ''फिलोस्फी ऑफ मीडिया एथिक्स'' का प्रकाशन 1.9 इम्पेक्ट वाली पत्रिका ग्लोवल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्पलेनरी स्टडीज में आईएसएसएन संख्या 2394-3084, दिसंबर 20 को प्रकाशित हुआ।

एक आलेख जिसका विषय ''इवेल्युऐटिंग सौशल मीडिया ऐज न्यू टूल फॉर जर्नालिज़म एजुकेशन'' का प्रकाशन 1.9 इम्पेक्ट फैक्टर वाली पत्रिका ग्लोवल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्पलेनरी स्टडीज में आइएसएसएम संख्या 2394-3084, दिसंबर 30 को प्रकाशित हुआ।

एक आलेख जिसका विषय ''थेटर: ए मॉडल ऑफ कम्नयूकेशन इन कश्मीर, ए केस स्टडी ऑफ टू थेटर ग्रुप्स ऑफ कश्मीर: फंटूश एंड एकता'' को प्री रिव्यू रिसर्च जर्नल जिसका नाम इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्यूनिकेशन डवेलपमेंट में आई आई एस एस संख्या 2231-2498, ग्रंथ 4, क्रमांक 1 में प्रकाशित हुआ ।

गणित विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों में प्रतिभागिता

(जुलाई 10-11, 2014)

श्री अमित पॉल, शोधार्थी ने बाबासाहिब भीमराव अम्वेदकर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) लखनऊ में ''माडलिंग एंड कंप्यूटिंग(आईसीएमसी-2014) विषय से आयोजित अंतराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

(अक्टूबर 30-31, 2014)

श्री दीप सिंह, सहायक आचार्य ने वाबासाहिब ''रिसेंट एडवेंचर इन मैथेमैटिक्स एंड एप्लीकेशनस'' (एनसीआरएएमए-2014) भीमराव अम्वेदकर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) लखनऊ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

(नवंबर 27-29, 2014)

डॉ. राम शंकर गुप्ता, सहआचार्य, एवं श्री मेहर लोन, श्री सलीम लोन (शोधार्थी) ने ''एलजेवरा जीयोमेट्री, एनालाइसीज एंड देयर एप्लीकेशन'' विषय से जामिया मालिया इस्लामिया (केंद्रीय विश्वविद्यालय) नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

चर्चा पे आमंत्रण

अक्टूबर 30-31, 2014

श्री दीप सिंह, सहायक आचार्य ने ''रिसेंट एडवांसेज इन मेथामेटिक्स एंड एप्लीकेशनस (एनसीआरएएमए-2014)'' विषस बाबा भीमराव अम्वेदकर विश्वविद्यालय(केंद्रीय विश्ववद्यिालय) लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''एप्लीकेशन ऑफ नम्वर थ्योरी इन क्रिप्टोग्राफी'' विषय पर चर्चा की ।

दिसंबर 22, 2014

- प्रो. एस.डी. शर्मा को मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विद्यालय संख्या-2, जम्मू कैंट के द्वारा 22 दिसंबर 2014 को आमंत्रित किया गया । उन्हों ने ''व्यूटी एंड पावर ऑफ मैथामेटिकस'' विषय से स्कूल के छात्रों को व्याख्यान दिया एवं विभिन्न आयोजनो में स्कूल के नाम को रोशन करने वाले छात्रों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार एवं चैक का वितरण किया।
- प्रो. एस.डी शर्मा ने ''राष्ट्रीय गणित दिवस'' पर राजकीय कन्या महाविद्यालय, गांधीनगर जम्मू में आयोजित फैसिनेटिंग वर्ल्ड ऑफ कार्डिनल्स'' विषय से व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

(2014-2015) के दौरान विभाग में आयोजित विस्तार व्याख्यान/एमिनेंट व्याख्यान

क्रम सख्या	वक्ता का नाम एवं पदनाम	वक्ता के संस्थान/ विश्वविद्यालय का नाम	व्याख्यान का विषय	तिथि	स्थान
1.	प्रो. आर.के. शर्मा	आईआईटी दिल्ली	ए रोल ऑफ ग्रुप थियोरी इन क्रायप्टोग्राफ	14.10.2014	सभागार
2.	प्रो. ए.पी.सिंह	केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान	कॉम्प्लैक्स डायनामिक्स	21.11.2014	सभागार
3.	डॉ. चंचल कुमार	आईआईएसईआर मोहाली	सम काउंटिग प्रोब्लमस	27.03.2015	सभागार

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दौरे (2014-2015)

क्रम संख्या	विविभाग का नाम	उद्देश्य	दौरे की तिथि	स्थान	प्रतिभागी छात्रों की संख्या	उद्देश्य
1.	गणित	भ्रमण	06.05.2015	पटनीटॉप	45	मनोरंजन

संगोष्ठी, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता (2014-2015)

संकाय सदस्य का नाम	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ	वक्तव्य /आलेख का विषय
प्रो.एस.डी. शर्मा	''रीसेंट ट्रेंडस इन अलजेब्रा एंड एनालिसिस''	''द्वितीय नेशलन कांफ्रेंस इन मैथमेटिक्स	मार्च 25-26, 2015	राजकीय जीएमएम कॉलेज, जम्मू	संसाधन व्यक्ति	''वेटेज कम्पोजीशन ऑपरेटर्स ओन सम स्पेसे ऑफ एनालिटिक फंक्शनस''
डॉ.पविन्दर सिंह	उपलब्ध नहीं		फरवरी 02, 2015	राजकीय कन्या महाविद्यालय, उधमपुर	उपलब्ध नहीं	''द साईस ऑफ सीक्रेट कम्युनिकेशन''
डॉ.पविन्दर सिंह	''रीसेंट ट्रेंडस इन अलजेब्रा एंड एनालिसिस''	द्वितीय गणित सम्मेलन	मार्च 25-26, 2015	राजकीय जीएमएम कॉलेज, जम्मू	उपलब्ध नहीं	''ओन मिनिमल ग्रेडेड फ्री रेसोलुशन्स ऑफ गोरसतें''
डॉ. दीप सिंह	''रीसेंट एडवांसेज इन मैथामेटिक्स एंड एप्लीकेशनस (एनसीआरएएम ए-2014)	राष्ट्रीय सम्मेलन	अक्टूबर 30-31, 2015	अनुप्रयुक्त गणित विभाग, बाबा साहिब भीमराव अमवेदकर विश्वविद्यालय		''एप्लीकेशनस ऑफ नंबर थ्योरी इन क्रिप्टोग्राफी''

संकाय प्रकाशन (2014-15)

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेक/शोधपत्र/पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	ग्रंथ	आईएसएसएन/ आईएसवीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
श्री दीप सिंह भंटीवाल, एम. एवं सिंह, बी.के.	अंतरराष्ट्रीय पत्रिका	टेलर एवं फ्रांसिस	कंप्यूटर गणित की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका	अंक 92 (2)	0020-27160	2015

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता

(जून 9-10, 2014)

प्रो. गोपालजी मालवीय जी ने अमेरिकन कनस्लटेंट, चैन्नई के द्वारा, सिटसम सेंटर वाशिंगटन एवं ओआरएम चैन्नई ने ''सिक्यूरीटी डाईमेंशन ऑफ इंडो पैसफिक रीजन'' विषय से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

दिसंबर 8-10, 2014

प्रो. गोपालजी मालवीय ने एसोसियेशन ऑफ एशिया स्कॉलर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, स्टेला मारिस कॉलेज, राष्ट्रीय संस्थान एडवांस स्टडीज बंगलुरू और विदेशी प्रचार विभाग, विदेश मंत्रालय के सहयोग से ''मेरीटाइम सिक्योरिटी: अनलॉकिंग इंडियाज ग्रेट पार्टनरशिपस'' विषय से आयोजित अतंरराष्ट्रीय संबंध सम्मेलन में ''स्ट्रेटजिक डाइमेंशन्स ऑफ अंडमान एंड निकोबार आईसलैंडस एंड इंडियाज मेरीटाइम इंटरस्ट'' विषय से लेख प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता

जुलाई 16-17, 2014

- प्रो. गोपालजी मालवीय ने राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''पीस एंड सिक्योरिटी इन साउथ ऐशिया'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''स्ट्रैटजिक डाईमेंशन ऑन इंडो-श्रीलंका रिलेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. जे जगन्नाथन ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''पीस एंड सिक्योरिटी इन साउथ ऐशिया'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पीस एंड सिक्योरिटी इन साउथ ऐशिया: 'एक्स' फैक्टर'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

सिंतबर 3, 2014

डॉ. जे जगन्नाथन ने अंग्रेजी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय,जम्मू द्वारा ''द ग्रेट वार ऑफ 1914-हंडरड इयर एंड वेयोंड: कल्चर एंड लिटरेरी रिसपोंसिज़' विषय से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''द वार टू इंडयू आल वार्स: कल्चरल नेशनलिज़म एज़ कासू वेली '' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

पुरस्कार/सम्मान

डॉ. जे.जगन्नाथन जी को भारत देश के समन्वयक (सीसी) के रूप में अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र की परियोजना (वी-डेम): में वैश्विक मानकों, जोहनस्वर्ग, विश्वविद्यालय, स्वीडन और कैलोग संस्थान, यूएसए द्वारा नामित किया गया। https://v-dem.net/DemoComp/en/contact/country-coordinators/asia.

वार्ता में भागीदारी

डॉ. जे.जगन्नाथन ने रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान(आईडीएसए) नई दिल्ली द्वारा आठवीं दक्षिण एशिया वार्ता में ''द

रोल ऑफ मीडिया इन प्रोमोटिंग रीजनल अंडरस्टैंडिंग इन साउथ ऐशिय'' विषय से आयोजित वार्ता ''हाउ सौशल मीडिया इन साउथ एशिया शेप द सिक्योरिटी डिसकोर्स'' में भाग लिया ।

पैनल प्रस्तुति और अंतरर्राष्ट्रीय गोलमेज चर्चा

(दिसंबर 9,2014)

डॉ. जे. जगन्नाथन ने ''इंडिया-यूरोप डाईलॉग: कॉमन चैलेंजिज़ फेसिंग इंडिया एंड यूरोप'', विषय से स्टिफंग विस्सैन्चाफ्ट एंड पॉलिटिक (एसडब्लूपी), वर्लिन एवं जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अयोजित अंतरराष्ट्रीय गोलमेज चर्चा में ''अफगानीस्तान पोस्ट-2014: कॉमन चैलेंजिज़ फॉर इंडिया एंड यूरोप'' विषय से पैनल प्रस्तुति में भाग लिया ।

पैनल चर्चा

(नवंबर 2014)

डॉ. जे.जगन्नाथन ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''एलओसी इन क्राईसिस: द वे अहेड'' विषय से 07 नवंबर 2014 को जम्मू में आयोजित पैनन चर्चा में पैनलिस्ट थे।

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता

(दिसंबर 8-10,2014)

प्रो. गोपालजी मालवीय ने एसोसियेशन ऑफ एशिया स्कॉलर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, स्टेला मारिस कॉलेज, राष्ट्रीय संस्थान एडवांस स्टडीज बंगलुरू और विदेशी प्रचार विभाग, विदेश मंत्रालय के सहयोग से ''मेरीटाइम सिक्योरिटी: अनलॉकिंग इंडियाज ग्रेट पाटनरशिपस'' विषय से आयोजित अतंरराष्ट्रीय संबंध सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की ।

आमंत्रित विशेषज्ञ/मुख्य वक्ता के रूप व्याख्यान

(जुलाई 5, 2014)

प्रो. गोपालजी मालवीय जी ने ''सिक्यिूरिटी डाईमेंशन आफ जम्मू एवं कश्मीर'' विषय से ओआरएफ, चैन्नई में 5 जुलाई को व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

जुलाई 18, 2014

18 जुलाई, 2014 को प्रो. गोपालजी मालवीय को सैंटर फॉर एयर पावर स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रथम जसजीत सिंह मेमोरियल व्यख्यान में आमंत्रित किया गया था।

19 एवं 20 जुलाई 2014 को मेरठ विश्वविद्यालय, में प्रो. गोपालजी मालवीय ने ''रिसर्च मेथालोजी इन सिक्योटी स्टडीज़'' विषय से व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सितंबर 5, 2014

5 सिंतबर 2014 को प्रो. गोपालजी मालवीय ने मद्रास विश्वविद्यालय में ''जैंडर एफरिमेंशन इन इंडियन आर्म फोर्सिस'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

यूजीसी सलाहकार समिति का प्रतिनिधित्व किया

30 जुलाई 2014 को प्रो. गोपालजी मालवीय ने यूजीसी का प्रतिनिधित्व सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में पुणे विश्वविद्यालय (एनआईएसडीए) में किया।

सदस्य

- कुमारी नीता 16 एवं 17 जुलाई 2014 को राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा ''पीस एंड सिक्यूटिटी इन साउथ ऐशिया'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की आयोजक सदस्य थीं।
- डॉ. आर. सुधाकर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी विभागीय स्तर की समिति, के सदस्य हैं।

संगोष्ठी, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता (2014-2015)

जुलाई, 2014

डॉ. जे. जगन्नाथन ने कैनैंगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस एंड स्टीमसन सेंटर के द्वारा ''डिटरेंस स्टेबिलटी इन साउथ एशिया'' विषय से आयोजित अंतराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

सितंबर 7, 2014

प्रो. गोपालजी मालवीय ने यूजीसी/सीबीएसी, नई दिल्ली द्वारा ''डिफेंस स्टडीज(नैट) द्वारा अयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

अक्टूबर 8–10, 2014

कुमारी नीता एंव डॉ. सुधाकर ने संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल द्वारा ''इसेंशियल कंप्यूटिंग टैक्नीक्स'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

अक्टूबर 29–31, 2014

कुमारी नीता ने 29 से 31 अक्टूबर 2014 को मानव संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''स्कोलरी राइटिंग एंड पलैगरिजम: की कन्सर्न'' विषय से आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

नवंबर 12–13, 2014

12–13 नवंबर, 2014 को डॉ. जे.जगन्नाथन ने, ओवर्जव रिसर्च फांउडेशन(ओआरएफ) नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक द्वारा ''न्यूक्लियर एंड सिक्योरिटी इशु इन साउथ ऐशिया'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में ''इंडिया फोरन एंड सिक्यूरीटी पॉलिसी ऑफ द न्यू गवरमैंट : चेंजिज एडं कंटीन्यूटी'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

अभिविन्यास पाठ्यक्रम

डॉ. जे.जगन्नाथन ने 27 जनवरी से 10 फरवरी 2015 तक जेएनयू द्वारा संचालित 91वें अभीविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लिया।

नवबंर 12–दिसंबर 09, 2014

श्री टी.के. सिंह ने मणिपुर विश्वविद्यालय मणिपुर द्वारा संचालित 25वें अभिविन्यास क्रार्यक्रम में भाग लिया ।

डॉ. आर.सुधाकर ने 10 फरवरी 2015 से 9 मार्च 2015 तक मद्रास विश्वविद्यालय, चैन्नई में आयोजित 20वें अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रतिभागिता की।

संकाय प्रकाशन (2014–2015)

- डॉ. जे. जगन्नाथन ने ''वाई इंडिया कांट क्विएट ए डिस्पयूट आन कैटचीबू'' विषय से 22 जुलाई 2014 को टॉईमस ऑफ इंडिया, चैन्नेई में आलेख प्रस्तुत किया ।
- डॉ. जे. जगन्नाथन ने ''हाउ जोईन स्पाई ओपस क्रव्स टैरर'' विषय से 29 जुलाई 2014 को टॉईमस ऑफ इंडिया, चैन्नेई में आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. जे.जगन्नाथन ने ''पिकिंग योर पार्टनर फॉर पीस प्रोग्रेस'' विषय से 27 अगस्त 2014 को द पोनीर, नई दिल्ली में आलेख प्रस्तुत किया ।
- टी.के. सिंह ने ''न्यू वेव्स ऑफ जेहाद'' विषय से जीयोपोलिटिक्स पत्रिका, ग्रंथ v अंक vi, नवबंर, 2014 को आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. सुधाकर ने ''द अनरिकोग्नाईजड प्रिल: थ्रैटस टू इन्वायरमैंट सिक्योरिटी'' विषय से प्रकाशित पुस्तक में ''रिसोरस कॉनफलिक्ट: ए केस स्टडी ऑफ केनवरी वाटर इशू'' विषय से आलेख प्रकाशित हुआ। पीपी 236–249 आईएसवीएन : 978–93–82652–38–0

लोकनीति एवं लोकप्रशासन विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

परिचय

लोकनीति एवं लोकप्रशासन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में जुलाई 2013 में स्थापित किया गया। विभाग वर्तमान में एकीकृत एम.फिल पी-एच.डी के साथ स्नातकोतर (अन्य विषयों के छात्रों के लिए) चार वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को प्रस्तावित कर रहा है। विभाग लोकनीति और लोक प्रशासन में स्नातकोतर की उपाधि भी प्रदान करता है। विभाग में अपने सभी शैक्षणिक प्रयासों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एवं अपने अनुशासन में नवीनतम विकास करने की पर्याप्त क्षमता है।

अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लिया

(जून 17-जुलाई 14, 2014)

डॉ. गोविंद कुमार इनखिया ने 17 जून से 14 जुलाई 2014 तक अकादमिक स्टाफ कालेज (यूजीसी) जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित सामान्य अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लिया।

अंशकालीन पी-एच.डी का प्रारंभ

(सिंतबर,2014, 15)

वर्तमान में विभाग द्वारा अंशकालीन पी-एच.डी कार्यक्रम की पेशकश वारिष्ठ अधिकारियों के लिए की गई है जिसकी शुरूवात शैक्षणिक वर्ष 2014-2015 में की गई है। यह एक नवोन्मेषकारी कार्यक्रम है जिससे प्रशासनिक ज्ञान प्राप्त प्रशासकों को विश्वविद्यालय प्रणाली में आकर्षित किया जा सके और प्रशासकों को स्थान उपलब्ध करवाना जिससे वह पी-एच.डी स्तर पर अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टीकोण के साथ अनुसंधान कर सकें। इससे विश्वविद्यालय में संबंधित विषयों में ज्ञान के आधार का विस्तार करने में सहायता मिलेगी।

डीएसटी परियोजना प्राप्त की

(सिंतबर, 2014)

विभाग ने '' क्वांटिफिशन ऑफ सोशल साइंसेज रिसर्च इन इंडिया: ए स्टडी ओन ह्यूमन एंड फाईनेशियल रिसोर्सेज'' विषय पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग(डिएसटी), भारत सरकार द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए रुपये 11.00 लाख की राष्ट्रीय परियोजना प्राप्त की । संकाय सदस्यों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्रमुख अनुसंधान परियोजना के लिए आवेदन किया है।

परियोजना मूल्यांकन

(सिंतबर,2014)

संकाय सदस्यों ने सूचना प्रौद्योगिकी के अंतरराष्ट्रीय संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद द्वारा स्वीकृत एक ई-गवर्नेंस परियोजना का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञों के रूप में शिमला का दौरा किया ।

प्रो. वाई पारदासार्थी

श्री. दुर्गा राव घंटा

श्री. मोहित शर्मा

सम्मेलन/संगोष्ठीयां /कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

(अक्टूबर 8-10,2014)

8 से 10 अक्टूबर 2014 को डॉ. रूची चौधरी, डॉ. गोविंद कुमार इनखिया, श्री दुर्गा राव घंटा एवं श्री मोहित शर्मा ने ''इसेंशियल कंप्यूटिंग तकनीक'' विषय से कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभागिता की।

नवंबर 11-12, 2014

डॉ. गोविंद कुमार इनखिया ने रूस और मध्य ऐशियाई अध्ययन केंद्र, अतंरराष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, जे.एन.यू नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''इंक्लूसिव पॉलिसीज एंड सौशल नीड्स : हेल्थ प्रोटेक्शन इन उज़्बेकिस्तान'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

नवंबर 19-20, 2014

19 एवं 20 नवंबर 2014 को मध्य और यूरोऐशियाई अध्ययन केंद्र, बॉबें विश्वविद्यालय, मुम्बई में डॉ. गोविंद कुमार इनखिया ने ''द काकेश रीजन इन द न्यू इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन: चैलेंजेज एंड ओपरच्यूनीटीज'' विषय से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''रिड्रेसल ऑफ एनवायरमेंटल इश्यूज इन अज़रबैजान थ्रू इकोफ्रेंडली पॉलिसीज़'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

दिसंबर 20-21, 2014

भारतीय लोक प्रशासन एसोसियेशन (आईपीएए) द्वारा ''इमर्जिंग इशयूज इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डवेलपमेंट'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हरियाणा इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंड, नीलोखेड़ी, हरियाणा में किया गया।

अक्टूबर, 2014

विभाग ने दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, जम्मू विश्वविद्यालय के लिए लोकनीति एवं लोकप्रशासन एम.ए पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार की है।

पाठ्यक्रम के लेखक:

प्रो. वाई.पारदासारथी

डॉ.रूची चौधरी

श्री दुर्गा राव घंटा

डॉ. गोविंद कुमार इनखिया

श्री. मोहित शर्मा

प्रकाशन

प्रो. वाई पारदासार्थी

- ''टूवर्डस, ग्लोवल पब्लिक एडमनीस्ट्रेशन: कोम्पलैक्स एंड कनसेंट'' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, खंड-1 यूईएसटीसी प्रैस, चेंग्दू, चीन, (आईएसबीन-978-7-5647-2652-2) पीपी 663-668।
- बूमेंन इंपावरमेंट: इन्फोरमेंशन टैक्नोलॉजी ऐज ए क्रिटीकल इनपुट'' लोक प्रशासन की भारतीय पत्रिका, ग्रंथ एलएक्सआई 3 जुलाई-सिंतबर 2014 पीपी 515-526 (आईएसएसएनइ 0019-5561)
- ''मिनरवोब्रुक ।।। : इंप्लीकेशन फॉर इंडियन एडमनीस्ट्रेशन'', पब्लिक एडमनीस्ट्रेशन रिव्यू (उत्कल विश्वविद्यालय), ग्रंथ. 15 मई 2014, (आईएसएसएन : 2249-3360), पीपी. 1-8।
- श्री दुर्गा राव घंटा
- '' गुड गर्वनेंस इन इंडिया: ए स्टडी ऑफ गुजरात मॉडल'', लोकनीति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, खंड 1., यूइएसटीसी प्रैस, चैग्दु, चाईना (ISBN-978-7-5647-2652-2)

विभागीय प्रकाशन

छात्रों, विद्वानो, संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों, के लाभ के लिए, विभाग द्वारा पाठ्यक्रम सदंर्भ के विवरण, संदर्भ ओर पाठ्यपुस्तकों के स्रोत के लिए गाईड आदि के साथ 100 पृष्ठों की एक विस्तृत हाथ पुस्तक प्रकाशित की है । यूएसए, साउथ अफ्रिका, अस्ट्रेलिया, साउथ कोरिया गणराज्य एवं जापान जैसे राज्यों के आठ विद्वानों ने इस पाठ्यक्रम पर अपनी राय दी है।

सामाजिक शास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

अभिविन्यास कार्यक्रम

(अगस्त, 2014)

विश्वविद्यालय के अस्थाई शैक्षणिक खंड (टैब) में सामाजिक कार्य में स्नातकोतर कार्यक्रम के प्रथम सत्र के छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का अयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में छात्रों को पेशेवर सामाजिक कार्य, अभ्यास क्षेत्र, पाठ्यक्रम संरचना और क्षेत्र कार्य के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया गया । अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य नये प्रशिक्षुओं को समवर्ती क्षेत्र एवं कार्य क्षेत्र की अवश्यकताओं के लिए जागरूक करना था ।

निम्नलिखित विद्वानों ने अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों को नियुक्ति स्थान की विभिन्न संस्थागत आवश्यक्ताओं के बारे में अवगत करवाया :-

- सुश्री मीना सिंह, वरिष्ठ सह-कार्यकर्ता, एसओएस चिल्ड्रेन विलेज, जम्मू।
- श्री मनीष कुमार झा, प्रोजेक्ट एसोसिएट-शिक्षा, हिम्मोत्थान श्रीमान रत्न टाटा, ट्रस्ट, उत्तराखंड।
- एसबीएस ऑस्ट्रेलिया द्वारा ''इंडियाज़ क्रिमिनल चाईलेड मांईडस'' नामक एक वृत्तचित्र भी छात्रों को दिखाया गया था।

कोर हितधारकों के साथ शैक्षिक भागीदारी

(अगस्त,2014)

विभाग ने समवर्ती क्षेत्र में अभ्यास कार्य के लिए चयनित एजेंसियों के पर्यवेक्षकों के साथ प्रथम सत्र के छात्रों की एक चर्चा का अयोजन किया । इस चर्चा का उद्देश्य एजेंसियों के पर्यवेक्षकों के साथ समवर्ती क्षेत्र के कार्यक्रम का अभिविन्यास करना था। पद्मश्री पुरस्कार विजेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रो. वेद घई जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे । उन्होंने आशा व्यक्त की कि नये स्थापित विभाग के छात्र मुक्त समाज की दिशा में कार्य करेंगे।

आपदा राहत कार्य

सितंबर, 2014

सिंतबर के पहले सप्ताह के दौरान लगातार वर्षा ने जम्मू एवं कश्मीर के पूरे राज्य में कहर वरपाया । विभाग के छात्रों ने जरूरत के समय में जम्मू प्रशासन द्वारा गठित विभिन्न राहत शिविरों में राहत श्रमिकों की सहायता की।

वैश्विक हाथ धोने के दिवस पर जागरूकता

अक्टूबर 2014

श्री अनंजुमन सिंह ने वैश्विक हाथ धोने के दिवस के उपलक्ष्य पर एक कैंप का आयोजन वासुधैव कुटुम्बकम वेलफेयर संगठन, जम्मू के साथ किया। कैंप का भगीदार होने के नाते विभाग के छात्र एवं संकाय सदस्यों ने जम्मू के राजीव नगर इलाके में कम आय वाले समुदायों में रहने वाले परिवारों के बच्चों को स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला ।

सम्मेलन/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

(नवंबर 14, 2014)

प्रो. एल.एस गांधी दोस जी ने 14 नवंबर 2014 को सामाजिक कार्य विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में ''सोशल वर्क प्रैक्टिस: स्कोप एंड चैलेंजेज इन द प्रेजेंट कॉन्टेक्टस'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन वक्ता के रूप में भाग लिया ।

श्री मु. उज़ेर एवं दिग्ग विजोय फुकन ने 14 नवंबर 2014 को सामाजिक कार्य विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में ''सोशल वर्क प्रैक्टिस: स्कोप एंड चैलेंजेज इन द प्रेजेंट कॉन्टेक्टस'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''स्टेटस ऑफ चाइल्ड राइट्स इन जम्मू : नीड फॉर सोशल वर्क इंटरवेंशन'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया ।

आवश्यक कंप्यूटिंग तकनीक पर कार्यशाला

(अक्टूबर 8-10, 2014)

डॉ. दिग्गविजोय फुकन एवं डॉ. नैंसी मैंगी ने कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा ''आवश्यक कंप्यूटिंग तकनीक'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं, राजस्थान में राष्ट्रीय संगोष्ठी

अक्टूबर 12-13, 2014

श्री मु. उज़ेर ने 12 - 13 अक्टूबर 2014 को जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं, राजस्थान में ''सोशल वर्क प्रैक्टिस कंसर्न्स एंड चैलेंजेज फॉर द 21स्ट सेंचुरी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''लिविंग अंडर द शैडो ऑफ गन : ए केस ऑफ चिल्ड्रन विक्टिम्स ऑफ आर्म्स कनफ्लिक्ट इन जे एंड के इंडिया'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

अक्टूबर 28, 2014

मु. उज़ेर ने अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में ''डोरी मर्डर : जेंडर प्रेजुडिकेट इन इंडिया'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इंडियन मैरिजिज एंड डोउरी सिस्टम: एक्सपैंशन एंड प्रैक्टिसेज'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया ।

अक्टूबर 29-31, 2014

डॉ. दिग्गविजोय फुकन, डॉ. नैंसी मैंगी एवं श्री मु.उज़ेर ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन एवं ओवी विभाग द्वारा ''स्कोलरी राइटिंग एंड प्लैगरिजम: की कसर्न्स'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

नवबंर 15, 2014

श्री मो. उज़ेर ने मायर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू द्वारा ''क्वालिटी इम्प्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रू एक्ट'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इंप्ररुविंग क्वालिटी इन टीचर एजुकेशन थ्रू आईसीटी'', विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी

(दिसंबर 4-5, 2014)

श्री मु. उज़ेर ने वाणिज्य विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में ''लाइवलीहुड कंसर्न्स एंड चैलेंजिज अमंग मुस्लिम्स इन कंटेम्परेरी इक्नोमिक सिचुएशन : केस ऑफ बिहार, इंडिया विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

दिसंबर 19-21, 2014

डॉ. दिग्गविजोय फुकन ने द्वितीय भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस एनएपीएसडब्लूआई (राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन) पुणे, में ''वायोडाइवर्सिटी, लाइवलीहुड एंड सोशल वर्क: इट्रोडयूसिंग एन इंटरवेंशन मॉडल फॉर सोशल वर्कर मोर्किंग विद कम्नयुटिज थ्रेटेनेड वाए कंट्रोविएशन प्रोजेक्टस'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

संकाय प्रकाशन (2014-15)

डॉ. दिग्गविजोय फुकन

विषय	पत्रिका/पुस्तक का नाम	ग्रंथ /पृष्ठ संख्या	प्रकाशन वर्ष	लेखक का नाम
''प्रोटेक्टैड एरिया एंड पीपल : एक्सपलोरिंग द रोल ऑफ सौशल वर्क प्रैक्टिस''	संपादित पुस्तक पर्यावरण और आपदा के लिए सामाजिक कार्य प्रतिक्रिया	पप0 84-1010	2014	फुकान, डी., एवं कुमार, वी.
'एक्सपलोरिंग द कलाईमेट चेंज डिस्कलोजर इन इंडिया थ्रू जीम लैंस ऑफ सौशल वर्क प्रैक्टिस''	संपादित पुस्तक पर्यावरण और आपदा के लिए सामाजिक कार्य प्रतिक्रिया	पप. 170-187	2014	फुकान, डी., एवं कुमार, वी.

डॉ. नैंसी मैंगी

शीर्षक	पत्रिका का नाम	ग्रंथ.संख्या., पृष्ठ संख्या	प्रकाशन वर्ष	लेखकों के नाम	आईएसवीएन/ आईएसएसएन संख्या
''द जर्नी ऑफ वूमेन हुड : हिस्टोरिकल प्रोसपेक्टिव इन द इंडियन कॉन्टेक्सट''	सामाजिक विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में अनुसंधान का एशियन जर्नल	ग्रंथ. 4, संख्या. 4, पप. 41-46.	अप्रैल 2014	डॉ. नैंसी मैंगी	2249.7315
'' ए स्टडी ऑफ द पोल्यूशन ओन द पीपल लिविंग इन इंडस्ट्रियल डवेलपमेंट कारपोरेशन, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर सिडको)''	संपादित पुस्तक 'सामाजिक समस्या है और समाज पर इसके प्रभाव'	पप.140-148	2014	डॉ. नैसी मैंगी, कुमारी वंदना	978.93. 82302.73.5

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

(जुलाई 22, 2014)

डॉ. शालिनी सिंह, आचार्य, मनोरंजन एवं अवकाश अध्ययन विभाग, ब्रुक विश्वविद्यालय कनाडा, ने विभाग का दौरा किया और विभाग के शोध छात्रों से ''पर्यटन प्रबंधन के क्षेत्र में समंवित अनुसंधान पर चर्चा की।

जुलाई 23, 2014

प्रो. शालिनी सिंह ने एमबीए-टीटीएम एवं एमबीए-एचआरएम के छात्रों के भारत और कनाडा में उनके शिक्षण -प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया । उन्होंने ''पर्यटन शिक्षा ओर अंत:विषय दृष्टिकोण की संभावनाओं'' के मुद्दे पर चर्चा की ।

जुलाई 24, 2014

प्रो. शालिनी सिंह ने ''प्रबंधन और पर्यटन के क्षेत्र में प्रभावी शिक्षण'' के मुद्दे पर पर्यटन और यात्रा प्रबंधन और मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग के संकाय सदस्यों के साथ विशेष सत्र में सभी संकाय सदस्यों के प्रश्नों का निदान एवं विचार-विमर्श किया ।

अगस्त 28, 2014

श्री संजय जीना, एमडी, ट्रैवल मरचेंट, जम्मू, ने विभाग का दौरा किया । उन्होंने प्रथम सत्र के छात्रों के साथ पर्यटन एवं पर्यटन उद्योग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की एवं ''पर्यटन कंपनी शुरू करने'' के विषय पर विचार-विर्मश किया।

सितंबर 22-27, 2014

27 सितबंर 2014 को ''विश्व पर्यटन दिवस'' के उपलक्ष्य पर विभाग ने ''पर्यटन सप्ताह'' का आयोजन किया जिसमें ''पर्यटन और सामुदायिक विकास'' के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया गया ।

पहले दिन (22/09/2014) औपचारिक उद्घाटन समारोह की शुरूआत कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा की गई । दिन के दौरान, विशेषज्ञों में श्री ए.के. खन्ना, श्री सचिव, श्री. मंजीत एवं श्री स्वपन्न सलाथिया जी के साथ सांस्कृतिक पर्यटन विषय पर चर्चा की गई ।

दूसने दिन (23/09/2015) को हरि निवास पैलेस के लिए एक यात्रा का अयोजन किया गया । छात्रों ने महल और संग्रहालय का दौरा करने के बाद संग्रहालय और पर्यटन पर श्री ए.के.खन्ना से बातचीत की ।

तीसरे दिन (24/09/2014) पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ा दिन था। इस दिन डीटीटीएम और भारतीय पर्यटन संस्थान, ग्वालियर, भारत सरकार (आईआईटीटीएम), पर्यटन मंत्रालय के एक संगठन के बीच में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शैक्षिक और अनुसंधान क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है।

चौथे दिन (25/09/2014) को डीटीटीएम एवं भारतीय लोक प्रशासन संस्थान ने ''पर्यटन के क्षेत्र में नए रास्ते'' पर एक संगोष्ठी का अयोजन किया, जहां पर प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठा, निदेशक आईआईटीटीएम, ग्वालियर के साथ प्रो. दीपक राज गुप्ता, विभागाध्यक्ष डीटीटीएम एवं डॉ. सी.एम सेठ मुख्य वक्ता थे।

पांचवें दिन (26/0922014) को प्रो. आई.सी गुप्ता, पूर्व निदेशक पर्यटन और प्रबंध अध्ययन, देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, ने एमबीए (टीटीएम) ने छात्रों के साथ बातचीत की एवं अपने यात्रा अनुभवों को साझा किया । इसके बाद पर्यटन विभाग के शोध छात्रों के द्वारा सामुदायिक भागीदारी एवं पर्यटन पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

विश्व पर्यटन दिवस 27 सितंबर 2014 को सप्ताह भर चलें कार्यक्रमों को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ समापन कियागया । कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे तथा मुख्य वक्तव्य प्रो. आई.सी.गुप्ता द्वारा दिया गया ।

अक्टूबर 15–17, 2014

विभाग ने ''फंडामेंटल ऑफ कैरियर'' विषय से तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाल के लिए मुख्य वक्ता के रूप में श्री मंजोत के.एस.गिल, चीफ बिजनेस ऑफिसर, माईड ब्रिज एशिया से थे। श्री गिल व्यक्तित्व विकास एवं साफ्ट कौशल में सलाहकार तथा प्रशिक्षक रहे हैं। कार्यशाला विशेष रूप से तीसरे सत्र के छात्रों के लिए इस उद्देश्य के साथ आयोजित की गई थी कि उन्हें उद्यम के साथ आमना–सामना करवाया जा सके जो कि उनके चतुर्थ सत्र में अनुसूचित नौकरी पर प्रशिक्षण के लिए एवं उनकी अंतिम नियुक्ति के लिए निर्धारित किया।

नवंबर 11, 2014

श्री सुरचित मंगल, एम.डी., भारत ड्रीम होलीडे ने एमबीए (टीटीएम) तीसरे सत्र के छात्रों की परिसर नियुक्ति के लिए विभाग का दौरा किया । उन्होंने जी.डी. व्यक्तिगत साक्षात्कार आदि का आयोजन किया और अंत में चार छात्रों का चयन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन

जून 02–08, 2014

डॉ. अमित गंगोटिया एवं श्री राहुल ठाकुर, सहायक आचार्य ने ''रिसर्च मेथोलोजी एंड स्टैटिस्टिक्ल एनालिसिस'' विषय पर आयोजित 07 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी जिसका संयुक्त आयोजन अतिथि प्रबंधन, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय एवं प्रबंधन विद्यालय, एमएयू एवं यूआईएचएमटी, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ द्वारा किया गया था, में भाग लिया ।

जून 17–जुलाई 14, 2014

डॉ. अमित गांगोटिया, डॉ. भारती गुप्ता एवं रंजीत रमन(सहायक प्राचार्य) ने जम्मू विश्वविद्यालय में सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया । सभी ने ''ए'' श्रेणी प्राप्त की ।

सितंबर 5-6, 2014

डॉ. भारती गुप्ता(सहायक आचार्य) ने आम्रपाली इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट द्वारा '' चैलेंजिज, इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसेज इन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म'' के मुद्दे पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । उन्होंने अपना शोध आलेख ''रिवेरसिंग द रेवनु ए मॉडल इन बिल्डिंग टूरिज्म डेस्टिनेशन इमेज थ्रू इन फिल्म ब्रांडिंग'' विषय पर प्रस्तुत किया ।

डॉ. अमित गंगोटिया एवं श्री राहुल ठाकुर(सहायक आचार्य) ने आम्रपाली इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट, हलद्वानी (उत्तराखंड) द्वारा चैलेंजिज, इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसेज इन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म'' के मुद्दे पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । उन्होंने सयुंक्त रूप से ''इन्फ्लुएंस ऑफ सोशल मीडिया ओन ट्रैवल डिसिशन मेंकिग ऑफ जनरेशन वाई-जेड'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

डॉ. भारती गुप्ता(सहायक आचार्य) ने वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी सेंचुरी कॉलेज, फरीदावाद एवं यूजीसी द्वारा प्रायोजित ''वैश्विक पर्यटन में उभरते रूझान'' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''वर्क लाई बैलेंस ऑफ प्रोफेशनल्स वर्किंग इन टूरिज्म इंडस्ट्री'' विषय पर सह लेखक के रूप में आलेख प्रस्तुत किया ।

सितंबर 20, 2014

डॉ. अमित गंगोटिया एवं श्री राहुल ठाकुर ने महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय (हिमाचल प्रदेश) ''टूरिज्म फॉर कम्युनिटीज एंड कम्युनिटीज फॉर टूरिज्म'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । उन्होंने संयुक्त रूप से ''कम्युनिटी वेस्ड टूरिज्म इनिशिएटिव : ए सक्सेसफुल केस स्टडी ऑफ इसीओएसएस (सिक्किम)'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

डॉ. भारती गुप्ता (सहायक आचार्य) ने ''टूरिज्म फॉर कम्युनिटीज एंड कम्युनिटीज फॉर टूरिज्म'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । संगोष्ठी का आयोजन पर्यटन एवं अतिथि विभाग, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी हिमाचल प्रदेश द्वारा 20 सितंबर 2014 आयोजित किया गया था । उन्होने अपना शोध आलेख ''कम्युनिटी वेस्ड टूरिज्म डवेलपमेंट : ए रैशनल फ्रेमवर्क'' विषय पर प्रस्तुत किया ।

अक्टूबर 11-12, 2014

डॉ. भारती गुप्ता (सहायक आचार्य) महर्षि दयानंद सारस्वत विश्वविद्यालय, अजमेर द्वारा ''इंटरप्रेनियोरशिप, टूरिज्म, एनवायरमेंट एंड एनर्जी'' विषय पर आयोजित चतुर्थ द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने अपना शोध पत्र ''क्रिएटिव टूरिज्म, इमोशनल कोशंट एंड सस्टेनेबिलिटी : ए रिलेशनल फ्रेमवर्क'' पर प्रस्तुत किया ।

अक्टूबर 15-17, 2014

डॉ. अमित गंगोटिया, डॉ. भारती गुप्ता, श्री रंजीत रमन, श्री राहुल ठाकुर, डॉ. पूनम शर्मा एवं श्री राकेश शर्मा ने ''फंडामेंटलस ऑफ कैरियर '' विषय पर पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

अक्टूबर 28, 2014

डॉ. अमित गंगोटिया ने अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''डोरी मर्डर: जेंडर प्रेजुडिकेट प्रैक्टिसेज इन इंडिय टुडे'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। उन्होने अपना शोध आलेख ''डोरी लिंकेज विद फिमेल फोटिसाइड विषय से प्रस्तुत किया ।

आक्टूबर 29-31, 2014

डॉ. अमित गंगोटिया, डॉ.भारती गुप्ता, श्री रंजीत रमन एवं श्री राहुल ठाकुर ने मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''स्कोलरी राईटिंग एंड प्लैगरिजम: की कॉनसर्न'' विषय से आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

नवबंर 8-9, 2014

डॉ. अमित गंगोटिया ने आईसीएसएसआर एवं ट्रिशा पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेश्न, हमीरपुर द्वारा ''स्ट्राविंग फॉर एक्सीलेंस इन इस्टीट्यूशन्स ऑफ हायर एजुकेशन'' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । उन्होंने अपना शोध पत्र ''पीर-टू-पीर मार्किटिंग: ए चेंजिंग पैराडिगम ऑफ टूरिजम एजुकेशन'' विषय पर प्रस्तुत किया ।

मुख्य वक्ता/आमंत्रित वार्ता

(सिंतबर 5-6,2014)

डॉ. अमित गंगोटिया को आम्रपाल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट, हलदवानी (उतराखंड) द्वारा इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसिज इन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म'' के मुद्दे पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया ।

सितंबर 20, 2014

डॉ. अमित गंगोटिया एवं श्री राहुल ठाकुर को महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय (हिमाचल प्रदेश) द्वारा ''टूरिज्म फॉर कम्युनिटीज एंड कम्युनिटीज फॉर टूरिज्म'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया ।

संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

संगोष्ठी, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा भाग(2014-2015)

प्रो. देवानंद

भाग लेने वाल सम्मेलन/ संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ	वक्तव्य /आलेख का विषय
''रिसेंड ट्रेंडस इन साफ्टवेयर नालेज माईनिंग''	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर	4जून 2015		संसाधन व्यक्ति	कंप्यूटर सिम्यूलेशन

कंप्यूटर सिम्यूलेशन

''एडवांस कंप्यूटिंग कम्नयूकेशन एंड टेक्नोलजीस (आईसीएसीसीटी-2014)''	8वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन				इन्फोरमेंशन वारफेयर: द इमर्जिगं थ्रेट टू डिजिटल इक्नोमी
इन्फोरमेंशनल सिकियोरिटी	एनएसएससीओएम	9 से 11 दिसंबर 2014			प्रतिभागिता

डॉ. प्रिती दूवे (अनुबंध)

''एडवांस कंप्यूटिंग कम्नयूकेशन एंड इलेक्ट्रोनिक इंजिनियरिंग''	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	18 मार्च		आलेख प्रस्तुति	एचिवमेंटस एडं इमिटिएशन ऑफ द हिंदी डोगरी मशीन ट्रांसलेशन सिस्टम

संकाय प्रकाशन

प्रो. देवानंद

लेखक(लेखकों)(मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेक/शोधपत्र/पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	प्रकाशन वर्ष
प्रो. देवानंद	चैलेंजिज इनवोल्वड इन ऐडिंग न्यू टीम टू एन ऑनगोइंग क्लाउड वेस डिस्ट्रिब्यूटिड प्रोजेक्ट	एडवांस रिसर्च इन कंप्यूटर साफ्टवेयर इंजिनियरिंग का अंतराष्ट्रीय पत्रिका	2014

डॉ. भावना अरोड़ा

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेक/शोधपत्र/पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	आईएसएस/आईएसबीएन	प्रकाशन वर्ष
डॉ. भावना अरोड़ा	इन्फोरमेंशन वारफेयर: द इमर्जिगं थ्रेट टू डिजिटल इक्नोमी	आई ईईई दिल्ली सेक्शन	आईएसवीएन: 978-93-8054411-3	2014

प्रिती दूवे (अनुबंध)

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेक/शोधपत्र/पाठ्यपुस्तक अध्याय / अन्य	प्रकाशक का नाम	आईएसएस/आईएसबीएन	प्रकाशन वर्ष
प्रिती दूवे	नीड फॉर हिंदी-डोगरी मशीन ट्रांसलेशन सिस्टम	आईईईईई	आईएसवीएन: 978-93-8054411-3	2014

विभाग में संकाय सदस्यों के अनुसंधान परियोजनाएँ

परियोजना के अन्वेषक और सह अन्वेषक(कों) के नाम	अनुसंधान परियोजना का नाम	वित्त पोषण ऐजेंसी	परियोजना की अवधि	मुख्य अनुसंधान परियोजना/अल्प अनुसंधान परियोजना	वस्तुस्थिति	
					चल रहे	समाप्ती की तिथि
डॉ. भावना अरोड़ा	स्टडी ऑफ साईवर कराईम इन द यूनिवर्सिटी ऑफ जें एंड के स्टेट यूजिंग डेटा माइनिंग टेक्नीक्स	यूजीसी-वीएसआर रिसर्च	0.2-2.5 वर्ष	शुरुवाती अनुवाद	चल रहा	2017 के लगभग

शैक्षणिक अध्ययन विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

सितबंर 06, 2014

डॉ. अमन ने डीडीएम साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कल्लर(नदोन), जिला हमीरपुर(हि.प्र) में भाग्वत गीता आज के समय में विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''रोल ऑफ एजुकेशन इन रेसोल्विंग वैल्यू क्राइसिस: इन एथिकल एटेम्पट टू अपलिफ्ट सोसाईटी'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

अक्टूबर 02, 2014

डॉ. प्रमोद कुमार ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित ''स्वच्छ भारत अभियान में '' भाग लिया।

अक्टूबर 8-10, 2014

डॉ. जे.एन.बालिया, डॉ. ऋतु बक्शी , डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अमन एवं कुमारी किरण ने कंप्यूटर एवं आईटी विभाग द्वारा ''इस्सेंश्यिल कंप्यूटिंग टैक्नीकस'' विषय से आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

अक्टूबर 18, 2014

डॉ. प्रमोद कुमार ने नैक द्वारा प्रायोजित ''इंस्टीट्यूशनल क्वालिटी इम्प्रूवमेंट : रोल ऑफ गवर्नेस, लीडरशिप एंड मैनेजमेंट'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज फार एजुकेशन, तरकवारी, हमीरपुर(हि.प्र) भारत में ''रोल ऑफ आईसीटी इन टीचर एजुकेशन फॉर डवेलपिंग प्रोफेशनल क्वालिटीज'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

अक्टूबर 28, 2014

- डॉ. जे.एन.बालिया ने अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''डोरी मर्डर : जेंडर प्रेजुडिकेट इन इंडिया'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में '' एटीट्यूट ऑफ गर्ल स्टूडेंट्स टुवर्ड्स सोसाइटी'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. ऋतु वक्शी ने अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''डोरी मर्डर : जेंडर प्रेजुडिकेट इन इंडिया'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''डोमेस्टिक वायलेंस : वोलियेशन ऑफ ह्यूमन'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया ।
- डॉ. अमन ने अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''डोरी मर्डर : जेंडर प्रेजुडिकेट इन इंडिया''विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में'' एटीट्यूट ऑफ गर्ल स्टूडेंट्स टुवड्स सोसाइटी'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।
- कुमारी किरण ने भी अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''डोरी मर्डर : जेंडर प्रेजुडिकेट इन इंडिया'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

अक्टूबर 29-31, 2014

कुमारी किरण ने मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग द्वारा ''स्कोलरी राइटिंग एंड प्लैगरिजम: की कसर्न्स'' पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

अक्टूबर 30, 2014

डॉ. प्रमोद कुमार ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्याल द्वारा आयोजित ''रन फॉर यूनिटी'' कार्यक्रम में भाग लिया।

अक्टूबर 30-31,2014

डॉ. जे.एन बालिया ने जम्मू कॉलेज फॉर एजुकेशन, जम्मू (जे.के) द्वारा ''चैलंजिज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैल्यू एजुकेशन नीड ऑफ द नेशन'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ.कृतु बक्शी ने ''चैलंजिज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मारल पेडगोय ऑफ वेल्यू ओरियंटेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

डॉ. अमन ने जेके कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, जम्मू (जे.के) द्वारा ''चैलंजिज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मोरल पेडगोय फॉर वैल्यू ओरिएंटेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

नवबंर 8-9, 2014

डॉ. प्रमोद कुमार ने त्रिशा पीजी कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, हमीरपुर(हिप्र) में आईसीएसएसआर प्रायोजित ''स्ट्राविंग फॉर एक्सीलेंस इन इस्टीट्यूशन्स ऑफ हायर एजुकेशन'' विषय से आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में ''रोल ऑफ आईसीटी टू इनहांस क्वालिटी ऑफ टिचर एज्यूकेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

नवबंर 15, 2014

- डॉ. जे.एन.बालिया ने मायर कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन(जे.के) नैक द्वारा प्रायोजित ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रु आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इफेक्टिव यूज ऑफ आईसीटी-मेडिएटस कलेवोरेटिव लरनिंग टूल इन टीचर एजुकेशन: एन इनोवेटिव मूव'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- डॉ. ऋतु बक्शी ने मायर कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन(जे.के) में ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्र आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''आईसीटी इन टीचर एजुकेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- डॉ. अमन ने मायर कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन(जे.के) में ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रु आईसीटी'' विषय से अयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इ गर्वनेंस : एन एप्रोच टू स्ट्रेंथन द एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

नवबंर 25, 2014

- डॉ. ऋतु बक्शी ने विजय मेमोरियल कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन में ''राइट टू एज्यूकेशन एक्ट, 2009: इंम्पलिमेंटेशन, चैलंजिज एडं रेमडीज'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में ''पेडागोजिकल कंसर्न्स इन आईसीटी'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ. अमन ने विजय मेमोरियल कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन में ''राइट टू एज्यूकेशन एक्ट, 2009: इंम्पलिमेंटेशन, चैलंजिज एडं रेमडीज'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में ''पेडागोजिकल कंसर्न्स इन आईसीटी'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया ।

नवबंर 28–29, 2014

कुमारी किरण ने वोकेशनल स्टडीज संस्थान, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्याल, नई दिल्ली द्वारा एससीईआरटी दिल्ली द्वारा प्रायोजित ''डवेलपिंग टेक्नोलॉजिकल कम्पीटेंट टीचर्स '' विषय से राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''डिजिटल लिटरेसी ऑफ टीचर्स: ए की टू रिवोलुशनाईज एजुकेशन'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया ।

दिसंबर 6–9, 2014

- कुमारी किरण ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया । इस कार्यशाला में हुई आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रथम तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।
- डॉ. जे.एन बालिया, डॉ ऋतु बक्शी, डॉ. अमन एवं डॉ. प्रमोद कुमार ने भी जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया ।

दिसंबर 13, 2014

डॉ. जे.एन. बालिया ने एसजीएसडी कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, उच्चना कलान, हरियाणा द्वारा ''ई गर्वेनेंस : ए पेरोनोर्मा फॅार टीचर एज्यूकेटरस: पेडागोजिकल कनसर्न इन आईसीटी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

अर्थशास्त्र विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

मुख्य वक्ता के रूप में भाषण

अगस्त 28–30, 2014

प्रो. आर.एल.भट्ट, विभागाध्यक्ष ने वित्तीय अध्ययन, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में ''शोध पद्धति पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम'' पर तीन व्याख्यान दिये।

अगस्त 31–सितंबर 01,2014

प्रो. आर.एल.भट्ट, विभागाध्यक्ष ने समर स्कूल, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, कश्मीर विश्वविद्यालय में ''शोध पद्धति पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम'' पर दो व्याख्यान दिये।

कार्यशाला में भाग लिया

जून 12–16, 2014

कुमारी प्रीती गुप्ता, श्री अनिल कुमार भारती एवं श्री राजेश कुमार ने कश्मीर विश्वविद्यालय के स्नातकोतर अर्थशास्त्र विभाग एवं सांख्यकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से ''एक्ट्रैक्शन, ट्रांसफारमेशन, प्रोसेसिंग एवं प्रेस्टेशन ऑफ माईक्रो–लेवल डेटा ऑफ एनएसएसओ एंड एएसआई'', विषय से अयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

जून 16–23, 2014

कुमारी श्वेता कोहली ने अकादमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित ''पोलिटिकल इक्नोमी ऑफ डवेलपमेंड'' विषय पर यूजीसी प्रायोजित कार्यशाला/अल्पावधी पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

अक्टूबर 8–10, 2014

श्री सुशांत नाग, कुमारी प्रीती गुप्ता, डॉ. श्वेता कोहली, श्री अनिल कुमार भारती और श्री राजेश कुमार ने संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित ''इसेंशियल कंप्यूटिंग तकनीक,''विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

अक्टूबर 29–31, 2014

श्री सुशांत नाग, सुश्री प्रिति गुप्ता, डॉ. श्वेता कोहली, श्री अनिल कूमार भारती, श्री इसरूल आयूव और श्री राजेश कुमार ने मानव संसाधन प्रबंधन और ओवी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''स्कोलरी राईटिंग एंड प्लैगरिजम: की कॉनसर्न '' विषय से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

सम्मान

सुश्री श्वेता कोहली को अर्थशास्त्र में अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से पी.एचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया ।

संगोष्ठियाँ/सम्मलेनों में आलेख प्रस्तुति

अगस्त 01-02, 2014

श्री राजेश कुमार ने प्रबंध संकाय, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय द्वारा ''शिफटिंग पैराडिगम इन अपलाईड एंड मैनेजमैंट: कोर्स करेक्शन'' विषय से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''नालेज मैनेजमैंट एंड इटस इम्पैक्ट ऑन वर्किगं प्रोफेशनल ऑफ जम्मू रिजन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

सदस्य

श्री अनिल कुमार भारती जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, की विभागीय स्तर की आईक्यूएसी समिति के सदस्य हैं।

संगोष्ठी, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता(2014-2015)

सुशांत नाग

सम्मेलन /संगोष्ठी/कार्यशाला के विषय	क्षेत्रीय /राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक
इसेंशियल कंप्यूटिंग तकनीक	राष्ट्रीय	8 से 10 अक्टूबर 2014	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
स्कोलरी राईटिंग एंड प्लैगरिजम: की कॉनसर्न	राष्ट्रीय	29 से 30 अक्टूबर 2014	मानव संसाधन प्रबंधन और ओबी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

डॉ. श्वेता कोहली

सम्मेलन /संगोष्ठी/कार्यशाला के विषय	क्षेत्रीय /राष्ट्रीय /अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/ अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ	वार्ता का विषय/आलेख का विष
''इन जेंडर टैक्सट एंड कान्टेस्ट''	राष्ट्रीय	21 अप्रैल, 2015	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यायल	आलेख प्रस्तुति	'' अचिवमैंट एंड चैलेंजिस इन प्रमोटिंब जेंडर इक्वलिटी एंड वूमेंस इंपावरमैंट इन इंडिया''
''वहिषकृत भारत: रिमेंवरिंग बाबा साहिब''	क्षेत्रीय	13 अप्रैल, 2015	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यायल	आलेख प्रस्तुति	'' अमंबेदकर एंड वूमेंन इंपावरमैंट: ए रेट्रोस्पैक्ट ''
'' कंज्यूमर प्रोटेक्शन : न्यू होरिजोन एंड अवेयरनैस	राष्ट्रीय	21 मार्च, 2015	जीएचजी खालसा कॉलेज, लुधियाणा	मुख्य वक्ता	''कंज्यूमर प्रोटेकश्न: एन अनरलीज़ड रियेलिटी ''
''वल्ड पीस -प्रिशेपसनंस एंड प्रैक्टिस ''	अंतराष्ट्रीय	28 फरबरी, 2015 एवं 1 मार्च, 2015	श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन, वदानी, पठानकोट	आलेख प्रस्तुति	''ट्रेड- एन इंनविटेवल टूल फॉर पीस, डवेलपमैंट एंड पावरटी रिडेक्शन''
''एग्रीकल्चर मार्केटिंग रिफार्म थ्रू कालट्रेक्ट फ्रेमिंग फॉर इंनक्जिंग प्रोडेक्टीविटी एंड इनकम ऑफ फार्मिंग कम्नयूटी	राष्ट्रीय	2फरबरी, 2015	एसकेएयुएसटी-जम्मू	मुख्य वक्ता	'' लिंकेज बिटवीन एग्रीकल्चर प्रोडक्टीविटी, क्रेडिट अवेलेविलटी एंड इंडेवटनैंस अमंग फॉरमस: इशू एंड वे फारवर्ड

सम्मेलन /संगोष्ठी/कार्यशाला के विषय	क्षेत्रीय /राष्ट्रीय /अंतराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/ अध्यक्षता/ सह-अध्यक्षता/विशेषज्ञ	वार्ता का विषय/आलेख का विष
इसेंशियल कंप्यूटिंग तकनीक	क्षेत्रीय	8-10 अक्टूबर, 2014	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यायल		
पोलिटिकल इक्नोमी ऑफ डबेल्पमेंट	राष्ट्रीय	16-23 जून, 2014	अकादमिक स्टाफ पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला		
फैक्लटी ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन वेसिक इक्नोमिक्स	राष्ट्रीय	3-8 मार्च, 2014	अर्थशास्त्र विद्यालय, कॉलेज ऑफ मैनेजमैंट श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटडा		

संकाय प्रकाशन

लेखक(लेखकों) (मुख्य लेखक फिर सहलेखक का नाम)	आलेख/शोधपत्र /पाठ्यपुस्तक अध्याय/ अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक का नाम	ग्रंथ	आईएसएसएन/ आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन वर्ष
डॉ. श्वेता कोहली (मुख्य लेखिका) पारस लाल हिम्मत लाल (सह लेखक)	शोध आलेख	इंडियन इक्नोमी ऐशोशियेशन	द इंडियन इक्नोमी जर्नल	अतीत के अनुभवों और भविष्य की चुनौतियां: गरीबी से बाहर की सत्त जडों पर विशेषांक	आईएसएसएन 0019-4662, पीपी 24-34	दिसंबर 2014
डॉ. श्वेता कोहली (मुख्य लेखिका) पल्लवी भगरत (सह-लेखिका)	पुस्तक में अध्याय	भारत में 21वीं सदी की प्रिटिंग प्रैस, पटियाला	भारत में उद्यमिता विकास : चुनौतियां और अवसर	शून्य	आईएसबिएन 978-81-89463-68-7	2014
डॉ. श्वेता कोहली (मुख्य लेखिका), विक्रम सिंह (सह-लेखक)	पुस्तक में अध्याय	भारत में 21वीं सदी की प्रिटिंग प्रैस, पटियाला	मानवाधिकार स्वतंत्रता एवं उलंघन	शून्य	आईएसबिएन 978-81-89463-30-4	2015

कार्यक्रमों का आयोजन

कार्यक्रमों का आयोजन

पृथ्वी दिवस

(14 अप्रैल, 2014)

14 अप्रैल 2014 को पर्यावरण विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस का आयोजन अस्थाई शैक्षणिक खंड, सैनिक कॉलोनी जम्मू में किया । डॉ. सी.एम.सेठ, आईएफएस(सेवानिवृत) एवं वर्तमान में अध्यक्ष, वर्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया(डब्लू डब्लू एफ-भारत), जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल एवं उत्तराखंड, ने पर्यावरण के संबंध में मुख्य भाषण दिया ।

पुरस्कार वितरण

वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन 08 मई 2014 को अस्थाई शैक्षणिक खंड में किया गया था । छात्रों को कुलपति डॉ. एस.एस बलौरिया जी द्वारा उडान एवं खेल स्पर्धा में उनके प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किये गये।

प्रेरणा दिवस

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के 2014-2015 के शैक्षणिक सत्र का प्रारंभ 18 जुलाई 2014 को आयोजित प्रेरणा कार्यक्रम के साथ प्रारंभ किया गया । कुलपति ने अकादमिक सत्र 2014-2015 के छात्रों का स्वागत किया एवं नैतिक मूल्यों को अपना आधार बनाने पर बल दिया।

स्थापना दिवस

02 सितबंर 2014

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 02 सितबंर 2014 को स्थापना दिवस मनाया गया । कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद जी ने कार्यक्रम का आरंभ किया । दीपप्रज्वलन के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रों के द्वारा पारंपरिक गौरवशाली बहुमूर्तिदर्शी नृत्य-कश्मीरी, लद्दाखी, डोगरी, और पंजाबी के साथ-साथ गज़ल, कब्बाली एवं नाटक प्रस्तुत किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान

02 अक्टूबर, 2014

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 2 अक्टूबर 2014 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के उपलक्ष्य पर मानव सांधन विकास मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की ।

कुलसचिव, संकाय सदस्य एवं छात्रों ने स्वच्छ भारत अभियान को गांव बागला (राया-सुचानी), जिला सांबा में भी ले गये । छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने परिसर में जागरुकता फैलाने के लिए स्वच्छता बनाए रखने के की आवश्यक्ता पर बल देने के लिए पोस्टरों का निर्माण किया जिनमें स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित आदर्श वाक्य, लिखे थे ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर, 2014

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा अस्थाई शैक्षणिक खंड में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । कार्यकारी कुलपति एवं प्रो. दीपक राज गुप्ता ने छात्रों, संकाय सदस्यों अधिष्ठाताओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को दृढ़ इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो की सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रमुख गुण थे । प्रो. गुप्ता ने सरदार पटेल के जीवन की वास्तविक कहानियां सुनाई , जिससे उन्हें लोह पुरूष की उपाधि अर्जित की थी। राष्ट्रीय एकता की शपथ छात्र कल्याण अधिष्ठाता, प्रो. एन.आर.शर्मा जी ने 'रन फॉर यूनीटी' के साथ दिलवाई गई इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के डीन, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव, श्री जीत सिंह, वरिष्ठ सलाहकार, डॉ.पी.एस. पठानिया, सलाहकार, डॉ. वी.के गुप्ता, ओएसडी(वित्त), श्री एच.के. पराशर, सुरक्षा अधिकारी, ले.क(सेवानिवृत), डी.एस. त्रेहान, संकाय सदस्य, छात्र विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों ने भाग लिया । सरदार पटेल पर एक वृत्तचित्र एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। इससे पूर्व सी यू जे ने उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राया में सरदार पटेल के जीवन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया । छात्रों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

11 नवंबर, 2014

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री, मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य पर 11 नवंबर, 2014 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया । शिक्षण संकाय, अधिकारियों, विद्वानों और विश्वविद्यालय के

छात्रों को उनके जीवन और कार्यों पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यकारी कुलपति ने इस अवसर पर अपना अध्यक्षीय संबोधन दिया ।

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस

(नवंबर 17-21, 2014)

17 एवं 21 नवबंर को अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस का आयोजन ''शिक्षित भारत सक्षम भारत'' के आदर्श वाक्यों से किया गया । इस दिन को ''सभी को उत्तम शिक्षा'' कार्य करने के लिए समर्पित किया गया था । एक चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया तथा अपने विचार प्रस्तुत किये।

पूर्व छात्र दिवस

(दिसंबर 2, 2014)

विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व छात्र दिवस का आयोजन किया गया । कार्यकारी कुलपति महोदय ने अपने संबोधन में पूर्व छात्रों के द्वारा विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को दोहराया । उन्होने पश्चिम के विश्वविद्यालयों में पूर्व छात्रो की भूमिका का उद्दाहरण देते हुए कहा कि वहां पर विश्वविद्यालयों के मामले को पूर्व छात्र नियंत्रित करते हैं और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय ने भी उनके नकशे कदमों पर चलने की आशा व्यक्त की।

कार्यक्रम में (वैक्टीरिया) द्वारा संगीत का प्रर्दशन किया गया । बैंड ने अपने प्रफुल्लित करने वाले संगीत के साथ दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया।

कार्यक्रम में अंताक्षरी और संगीत कुर्सी जैसे मजेदार कार्यकमों का आयोजन भी किया गया । अंताक्षरी में निर्मल, अशरद एवं मोमेन के दल ने विजय प्राप्त की । हालांकि संगीत कुर्सी में शैक्षणिक विभाग की सुकंधा ने प्रथम एवं अंग्रेजी विभाग की सौनम अंगमों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

स्कूली छात्रों का परिसर स्थल पर दौरा

(13 दिसंबर, 2014)

13 दिसंबर, 2014, को नवीन शिक्षा केंद्र, उच्च माध्यमिक पाठशाला, छन्नी हिम्मत, जम्मू जिसका संचालन सवेरा स्वयं सेवी संगठन द्वारा किया जा रहा है, के 150 बच्चों ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के परिसर स्थल, बागला, जिला सांबा का दौरा किया। छात्रों को परिसर क्षेत्र के आसपास ले जाया गया और विश्वविद्यालय द्वारा पहले चरण में की जा रही विकास गतिविधियों के बारे में बताया गया । छात्रों के साथ डॉ. गुरमीत सिंह, अध्यक्ष, नवीन शिक्षा केंद्र और स्कूल के अन्य शैक्षणिक सदस्य थे। छात्रों ने यात्रा का आनंद लिया और विश्वविद्यालय के शांत और सुदर वातावरण को देखकर बहुत हर्षित हुए ।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री जीत सिंह, परिसर प्रशासक, श्री विजय कुमार गुप्ता, भी छात्रों के दौरे के समय उपस्थित थे उन्होंने छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया ।

सुशासन दिवस

दिसंबर 24, 2014

सुशासन दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में किया गया । समारोह श्री मदन मोहन मालवीय की जयंती के उपलक्ष्य पर एक वृत्तचित्र के साथ प्रारंभ किया गया । इसके बाद लोकनीति एवं लोकप्रशासन एवं जनसंचार और नवीन मीडिया के विभागाध्यक्ष, प्रो. वाई.परदासार्थी के द्वारा 'सुशासन' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान सुशासन की जरूरतों एवं कुशासन के कारणों को सूचीबद्ध करने पर केंद्रित था । एक कवि गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जम्मू के कुछ कवि एवं आसपास के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भी भाग लिया ।

उड़ान

20 से 22 जनवरी, 2015

20 जनवरी 2015 से 22 जनवरी 2015 तक कार्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा छात्र प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन 20 जनवरी 2015 को एवं परिणाम घोषणा और पुरस्कार वितरण का आयोजन समापन समारोह में 22 जनवरी 2015 को किया गया । चित्रकला, रंगोली, कोलाज, फोटो चित्रण, नाटक, हल्की एंकाकी, कविता पाठ, लोक समूह गीत, नकल, फैंसी ड्रेस आदि विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन इस उपलक्ष्य पर किया गया ।

खेल स्पर्धा

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 10.02.2015 से 12.02.2015 तक खेल स्पर्धा 2014-2015 का आयोजन किया गया । खेल कार्यक्रम में कैरम, गोला फेंक, वास्केटबाल, टेबल टेनिस, वेडमेंटन, वालीवाल जैसे सात खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । 10.02.2015 को उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया एवं 12.02.2015 को खेल परिणामों के साथ समापन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इन खेल स्पर्धाओं में कुल 166 प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

छात्रों की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभिन्न विभागों में जेआरएफ/नेट/सेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

विभाग	नेट-जेआरएफ	नेट	सेट	कुल
शैक्षणिक अध्ययन विभाग	05	09	02	16
एमबीए (टीटीएम) विभाग	02	04	-	06
अर्थशास्त्र विभाग	01	03	01	05
पर्यावरण विज्ञान विभाग	-	01	01	02
अंग्रेजी विभाग	-	-	01	01
Total	08	17	05	30

शैक्षणिक अध्ययन विभाग

जुलाई, 2014

- श्री जावेद अहमद आईटू का ''हियरिंग इम्पेयरमेंट ऐट ए ग्लांस एंड गाइडलाइन्स फॉर टीचर्स'' विषय से इंटरडीस्पलेनरी एडं मल्टीडीस्पलेनरी अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित आलेख में अपना योगदान दिया। ग्रंथ ।-संख्या 5, पीपी. 145-152.

सितंबर 15-27, 2014

- सुश्री गुनजीत महीवाल ने आईसीएसएसआर नार्थ-वेस्टन रीजनल सेंटर, चंडीगढ़ द्वारा ''कपेस्टी विल्डींग कार्यक्रम'' विषय से आयोजित दो सप्ताह तक की कार्यशाला में भाग लिया ।

अक्टूबर 8-10, 2014

- सुश्री गुनजीत महीवाल ने कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''इसेंशियल कंप्यूटिंग तकनीक'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

अक्टूबर 28, 2014

- सुश्री गुनजीत महीवाल ने अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''डोरी मर्डर : जेंडर प्रेजुडिकेट इन इंडिया'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''लेजीस्लेचर एनहांसमेंट आर नोट इनएफ फॉर द सिक्यूरिटी ऑफ वूमेंन इन इंडिया'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।

अक्टूबर 29-31, 2014

- श्री महोमद हनीफ कुमार ने मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''स्कोलरी राईटिंग एंड प्लैगरिजम: की कॉनसर्न '' विषय से आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

अक्टूबर 30–31, 2014

- सुश्री पूजा भगत ने जेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''चैलंजेज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इंटीग्रल एजुकेशन : एक्सप्लोरिंग द पोसिविलिटीज फार हिस्टोरिक डवेलपमेंट'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- सुश्री शिवानी शर्मा ने जेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''चैलंजेज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''वैल्यू एजुकेशन–नीड ऑफ द नेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- सुश्री गुंजन महीवाल ने जेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''चैलंजेज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''नीड फॉर प्रमोटिंग वैल्यूज इन हायर एजुकेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- सुश्री अंशुमाली ने जेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''चैलंजेज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''नीड फॉर प्रमोटिंग वैल्यूज इन हायर एजुकेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।
- सुश्री ज्योति वाला ने जेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''चैलंजेज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मोरल पेडागोय फॉर वैल्यू ओरिएंटेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।
- कुमारी रोमा ने जेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''चैलंजेज ऑफ इंटेग्रेटिंग वैल्यूज एंड एथिक्स इन प्रेजेंट एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इंटीग्रेशन ऑफ वैल्यूज एंड एथिक्स इन हायर एजुकेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

नवंबर 15, 2014

- सुश्री पूजा भगत ने मायर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रू आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचिंग, लर्निंग एंड इवैल्यूएशन थ्रु आईसीटी इन टीचर एजुकेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- सुश्री गुंजीत महीवाल ने मायर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रू आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''आईसीटी: ए मैजिकल वांड इन रिसर्च वर्ल्ड'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- सुश्री अंशुमाली ने मायर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रू आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''आईसीटी: ए मैजिकल वांड इन रिसर्च वल्ड'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया ।
- सुश्री ज्योति वाला ने मायर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रू आईसीटी''विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''आईसीटी इन टीचर एजुकेशन'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

- कुमारी रोमा ने मायर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रू आईसीटी'' विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इ-गवर्नेंस : एन एप्रोच टू स्टैंन्थन छ एजुकेशनल सिस्टम'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।
- सुश्री सुकंधया एवं श्री रफिक ने संयुक्त रुप से मायर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा ''क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन टीचर एजुकेशन थ्रू आईसीटी''विषय से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''रोल ऑफ आईसीटी इन टीचिंग-लर्निंग एंड इवैल्यूएशन प्रैक्टिसेज'' विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

सितबंर 2, 2014

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इसके स्थापना दिवस के आयोजन में छात्रों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया ।

सितंबर 5, 2014

- विभाग के छात्रों ने शिक्षक दिवस का आयोजन एवं उसमें भाग लिया ।

अक्टूबर 2, 2014

- छात्रों ने 'स्वच्छ भारत अभियान' में भाग लिया और अपने आस पास स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली ।

अंग्रजी विभाग

- विभाग के शोधार्थियों एल्युमिनाटी नामक एक साहित्य प्रबुद्ध समूह का गठन करने के लिए उत्सुक थे। एल्युमिनाटी युवा शोधार्थियों का संगठन है जो छात्रों, शोधार्थी एवं संकाय सदस्यों को एक रोचक मंच प्रदान करता है, जिसमें वह हमारे मन को प्रभावित करने वाले दैनिक मुद्दों पर वाद-विवाद करते हैं।
- एल्यूमिनाटी के प्रथम सत्र के आयोजन में ''अफेक्टिव कम्युनिटीज: अपरेशंस ऑफ अफेक्ट इन साउथ एशिया टुडे'' विषय पर चर्चा की गई । यह चर्चा 2 दिसंबर, 2014 एवं 9 दिसंबर 2014 को आयोजित की गई । चर्चा के द्वारा निम्न मुद्दों पर निम्न प्रतिभागियों ने महत्वपूर्ण विचार एवं दृष्टी डाली:

प्रो. नंदनी भट्टाचार्या	''नोशन ऑफ इफेक्ट''
डॉ. एम.ए. फज़ल फारूख	''नोशन ऑफ तलाक इन इस्लाम''
डॉ किरन कालरा	''इंडियन क्रीड : कास्ट, क्लास, रिलिजन एंड सेक्सुएलिटी''
श्री राज ठाकुर	''थ्योरी ऑफ इफेक्ट''
श्री राज गौरव वर्मा	''ब्रेकिंग द साइलेंस :वीमेन एंड वायलेंस''
श्री राशिद अलि	''घर से भागी हुई लड़कियाँ'' (कविता)
अंजूम तहीर	''लव जेहाद''
सोनम अंगमो	''जेंडर स्पेस'', एल.जी.बी.टी. कम्युनिटीज''
निर्मल और दीपांजली	''ऑनर किलिंग ऐज रेफ्लेक्टेड इन सलमान रुश्दी नावेल शेम''

स्टेंजिल और जेमिली	''ऑनर किलिंग: द भावना अरोड़ा एपिसोड''
तनिष्का	''खाप्स''
सिंपी	''मीडिया क्लिप्स ओन ऑनर किलिंग इन जम्मू''
रितिका	''आर वीमने सेफ इन पब्लिक पलेसिज''

एल्युमिनाटी भविष्य में अंग्रेजी विभाग से निकट रूप से संबंधित रहेगा, तथा ज्वलंत मुद्दों पर सम्मेलन, वार्ता एवं चर्चाओं का आयोजन करने का कार्य करेगा। यह असंख्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों एवं शोधार्थियों की आवाज़ एक स्वतंत्र समूह के रूप में भी कार्य करेगा।

जुलाई 21, 2014

''लिट-विट प्रश्नोत्तरी'' शीर्षक से शेक्सपियर पर साहित्यिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन परिसर के सभागार में किया गया जहां पर विभिन्न विभागों के तीन समूहों रेडिकलस, रिवेलस एवं रोयलस ने प्रतिभागिता की । रिवेलस ने प्रतियोगिता में विजय प्राप्त की ।

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

छात्रों ने चित्रों से विशेष विषय पर एक बहुत सुंदर कोलाज बनाया और उन चित्रों के लिए अपने शब्दों में शीर्षक लिखे । कोलाज को विश्वविद्यालय की दीवारों पर लगाया गया जिससे सब उन्हें देख सकें और अपनी टिप्पणियां दें सके।

छात्रों ने हाल ही में हुए अपराधों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पास के पुलिस स्टेशन का दौरा किया और रिर्पोटिंग कार्य के रूप में अपराध रिपोर्ट को लिखा । सब ने बहुत अच्छी रिपोर्टें लिखीं ।

सभी छात्रों ने प्रकाश के त्यौहार दीपावली, रंगोलियों का निर्माण, व्यंजन पकाने आदि की विशेषताओं पर लिखा। इसके अतिरिक्त उनमें से प्रत्येक ने अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्तित्व के साक्षत्कार को संबंधित अध्यापक को प्रस्तुत किया।

गणित विभाग

सितंबर 18-19, 2014

सुश्री रुची मनहास एवं भारती करश्याल, विभाग के छात्राओं ने पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ''से नो टू पॉलीथीन'' विषय से आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता में भाग लिया ।

नवंबर 2014

एम.एससी प्रथम सत्र के विद्यार्थियों ने सामजशास्त्र एवं समाजिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम में शिक्षकों के मार्गदर्शन में भाग लिया ।

केंद्रीयकृत सुविधाएँ

सभागार

विश्वविद्यालय के वातानुकुलित सभागार में 165 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। यह एक विभिन्न प्रयोजनों वाला हाल है जो विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को पूरा करता है। यह प्रोजेक्टर और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपकरणों के साथ सुसज्जित है।

परिवहन

छात्रों और कर्मचारियों के परिवहन को सुगम बनाने के लिए बसों को शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थाई शैक्षणिक खंड और प्रशासनिक कार्यालय बागला के लिए चलाया जाता है।

छात्रावास

विश्वविद्यालय किराये पर लिये गये भवन में छात्रावास की सुविधा प्रदान करता है । 2014-2015 के दौरान छात्रावासों का विवरण निम्नानुसार है:

कुल निवासी

छात्रों के छात्रावास में : 14 छात्र/शोधार्थी

छात्राओं के छात्रावास में : 49 छात्राएं/शोधार्थी

31.03.2015 तक छात्रावास आवंटन की स्थिति का विवरण

छात्रों के छात्रावास में	क्षमता	अधिभोग	एससी	एसटी	ओवीसी	पीएच	यूआर	रिक्त
छात्रवास	25	14	5	3	6	शून्य	शून्य	11

छात्रों के छात्रावास में	क्षमता	अधिभोग	एससी	एसटी	ओवीसी	पीएच	यूआर	रिक्त
छात्राओं के छात्रावास I	29	27	3	1	1	शून्य	22	2
छात्राओं के छात्रावास II	24	22	3	1	4	शून्य	14	2

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्कालय विश्वविद्यालय में विभाग की आवश्यक्ताओं को पूरा करने के लिए वर्ष 2011 में स्थापित किया गया था।

अ. संसाधन अद्यतन

पुस्तकों की संख्या : 11206

शोध एवं प्रबंध : 400

ई-पत्रिकाएं : 6,014

प्रकाशित पत्रिकाएँ : 50+

ख. उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा

(i) ई संसाधन सुविधा

केंद्रीय पुस्तकालय ने यूजीसी इनफोनेट डिजिटल लाईब्रेरी कसोर्टियम के माध्यम से ई संसाधनों की सुविधा के लिए अभिदेय किया गया है । को वीली, स्प्रिंगर, टेलर एंड फ्रांसिस, जेएसटीओआर एवं आर्थिक एवं राजनीतिक जैसे साप्ताहिक संसाधनों पर शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्रों ने पहुंच प्राप्त कर ली है। निम्म ई-पत्रिकाओं एवं ई-डेटाबेस का उपयोग पुस्ताकालय में सक्रिय रूप से किया जा रहा है।

(ii) पूर्ण पाठ ई-पत्रिका

क्रम संख्या	प्रकाशक	यूआरएल	शीर्षकों की संख्या
1	आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक	http://www.epw.in	1
2	जेएसटीओआर	http://www.jstor.org	2585
3	वीलि - व्लैकवेल	http://onlinelibrary.wiley.org	909
4	टेलर एंड फ्रांसिस	http://www.tandfonline.com	1080
5	स्प्रिंगर लिंक्स	http://link.springer.com	1439

(iii) पूर्ण पाठ डेटावेस

क्रम संख्या	प्रकाशक	यूआरएल
1	आईएसआईडी (औद्योगिक विकास के लिए संस्थान)	http://isid.org.in विवरण:- आईएसआईडी ने विशेष रूप से उद्योग और कॉरपोरेट सेक्टर के विषय में भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर डेटाबेस विकसित किया है। यह विविध सामाजिक विज्ञान के विषयों पर भारतीय सामाजिक विज्ञान (OLI) पत्रिकाओं और प्रेस कतरनों का ऑनलाइन इंडेक्स है। यह व्यापक रूप से भारत के सामाजिक -आर्थिक विकास के अध्ययन के शोधकर्ताओं के लिए जानकारी का मूल्यवान स्रोत के रूप में प्रशंसित किया गया है।

क्रम संख्या	प्रकाशक	यूआरएल
2	जेसीसीसी(जे-गेट@ यूजीसी-इनफोनेट)	http://jgateplus.com विवरण:- गेट ग्लोबल ई-पत्रिक साहित्य के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक प्रवेश द्वार है । सूचना विज्ञान इंडिया लिमेटेड द्वारा 2001 में शुरू किया गया, जे-गेट 12,803 प्रकाशकों के ऑनलाइन उपलब्ध पत्रिकाओं के लेखों को लाखों लोंगो के लिए निर्बाध पहुंच प्रदान करता है। यह वर्तमान में विशाल डाटाबेस है जिसमें पत्रिका साहित्य, 43033 ई-पत्रिकाओं से अनुक्रमित, प्रकाशक साइटों पर पूर्ण पाठ के साथ है। जे-गेट पत्रिकाओं के लिए ऑनलाइन सदस्यता, इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज वितरण, संग्रह और अन्य संबंधित सेवाओं के लिए योजना बना रही है। क. 43033 ई-पत्रिकाओं के लिए -सामग्री (टीओसी) की तालिका । ख. डाटाबेस -44,492,003 लेख के साथ एक व्यापक खोजी डाटाबेस 10,000 से अधिक लेखों के साथ हर दिन जोड़ा जाता है।
3	मेथसिननेट	http://www.ams.org/mathscinet विवरण:- एक इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन है जो की समीक्षा, सार और ग्रंथ सूची, गणितीय विज्ञान साहित्य की ज्यादा जानकारी को सावधानी और आसानी से खोजे जाने वाला डाटाबेस के उपयोग को उपलब्ध करवाता है। 100,000 से अधिक नई मदों को हर साल जोड़ रहे है।, उनमें से ज्यादातर गणित वर्गीकरण विषय के अनुसार वर्गीकृत हैं।

कंप्यूटर लैब

केंद्रीय पुस्तकालय में शोधार्थियों और छात्रों के लिए वाई-फाई की सुविधा के साथ एक कंप्यूटर लैब है। छात्र अपने शोध के लिए ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं।

प्रतिलिपिकरण सेवा

केंद्रीय पुस्तकालय में प्रतिलिपि करवाने की सुविधा नाममात्र दामों पर उपलब्ध है।

संदर्भ सेवा

केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों और अन्य पाठन सामग्री का पता लगाने के लिए दिशात्मक सहायता प्रदान की जाती है।

पुस्तकालय स्वचालन

केंद्रीय पुस्तकालय पूरी तरह से खुले स्रोत स्वचालन सॉफ्टवेयर कोह के द्वारा स्वचालित है। किताबों और उपयोगकर्ताओं से संबंधित सभी अभिलेखों को यह अपलोड कर रहे है। पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर में सूचिबद्ध, परिसंचरण और ओपीएसी को शामिल किया गया है। ओपीएसी(ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटालोग) परिग्रहण सख्या, शीर्षक, लेखक और की वर्ड द्वारा पुस्तकों की खोज में सुविधा प्रदान करता है।

सदस्यता

केंद्रीय पुस्तकालय डेलनेट(विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) नई दिल्ली का सदस्य बनने जा रहा है। इस सदस्यता से संकाय सदस्यों, अुनसंधान शोधार्थियों और छात्रों को डेलनेट द्वारा बनाई गई संघ सूची के माध्यम से पुस्तकों का पता लगाने में सहायता मिलेगी ।

इंटरनेट एवं कंप्यूटिंग सुविधाएं

इंटरनेट सुविधाएं

(क) 1 जीबीपीएस की एनकेएन कनेक्टिविटी 24 घंटे उपलब्ध है।

(ख) वाईफाई सक्षम परिसर

(ग) लैन कनैक्शन भी उपलब्ध करवाए गए है

CYBERROAM (सायवरोम)

यूटीएम डिवाइस अधिकृत और सुरक्षित इंटरनेट का उपयोग प्रदान करने के लिए स्थापित किय गया है।

राउटर्स एवं स्विच और वाईफाई एक्सेस पॉइंट

एक राइटर, दस एल2 स्विच और 13 से अधिक वाई फाई एक्सेस पांइंटों को विभिन्न स्थानों पर इंटरनेट की सुविधा प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।

केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सूविधा

1) 70 कंप्यूटरों के साथ दो केंद्रीयकृत कंप्यूटर लैब्स सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है।

2) ये विंडोज एवं लाईनेक्स पर अधारित सिस्टम पर एमएस-आफिस, एमएटीएलएवी, एपीएसएस, ऐंटीवायरस आदि साफटेवयरों के साथ हैं।

कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग के छात्रों के लिए कक्षा कक्ष व प्रयोगशाला की सुविधा

1) दो कक्षाओं -सह-प्रयोगशाला को एकीकृत एम.एसी. (कंप्यूटर विज्ञान) -एमएससी के 52 छात्रों के लिए स्थापित किया है।

2) ये कक्षाएं-सहप्रयोगशालाएं प्रोजेक्टर के साथ हैं और प्रयोग एवं प्रशिक्षण प्रदर्शन आदि करने के लिए एमसए ऑफिस, विज़्यूवल स्टूडियो आदि से युक्त हैं।

अन्य सुविधाएँ

विश्वविद्यालय में निम्न सुविधाएं उपलब्ध हैं:-

- संकाय सदस्यों को अच्छी शिक्षा एवं अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आईटी सक्षम क्यूबिकल सुविधा प्रदान गई है।
- शोधाथियों की अनुसंधान गतिविधियों को संचालित करने के लिए अलग शोधार्थी केबिनों का निर्माण किया गया है।
- एक स्वच्छ कैफिटेरिया उपलब्ध है।
- टेबल टेनिस, केरम और शतरंज जैसे इनडोर खेल सुविधाओं वाले कमरे लड़के और लड़कियों के लिए अलग से बनाए गए है।

विश्वविद्यालय प्रशासन

शासी निकाय

विश्वविद्यालय कोर्ट

श्री एन. एन. वोहरा
राज्यपाल
जम्मू एवं कश्मीर राज्य
(अध्यक्ष)

प्रो.देवानंद
कार्यकारी कुलपति,
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
(पदेन सदस्य)

प्रो. मोहन पॉल सिंह ईशर
कुलपति,
महाराजा रंजीत सिंह राज्य तकनीकी विश्वविद्यालयल
ज्ञानीजैल सिंह कैंपस, डाववाली रोड़, भटिंडा, पंजाब

प्रो. एम.सुरप्पा
निदेशक, आई.आई.टी, रोपड़ पंजाब

पंडित शिव कुमार शर्मा
पदम विभूषण संतूरवादक कलाकार

जनरल एन.सी.विज
भूतपूर्व थल सेना प्रमुख

श्री सिद्धार्थ काक
डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता
संस्थापक ट्रस्टी

श्री हसीब द्रबू
भूतपूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, जे.एंड के बैंक

प्रो. चम्पा शर्मा
साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता 2006 (डोगरी में)

प्रो. के.एल. चोपड़ा
पूर्व निदेशक, आई.आई.टी खड़गपुर

प्रो.भारती बावेजा
अधिष्ठाता, शैक्षणिक संकाय,
दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री कश्मीरी लाल जाकिर
उपाध्यक्ष, हरियाणा उर्दू अकादमी

डॉ. गिरीश साहनी
निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल बायोलॉजी,
चंडीगढ़

डॉ. राम विश्वकर्मा
निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटेग्रेटिव मैडिसिन, जम्मू

डॉ. बलदेव राज
निदेशक, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कलपक्कम

प्रो. राजिंदर जीत हंस गिल
प्रो. गणित विभाग एवं विशेषज्ञ संख्या सिद्धांत,
पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़

प्रो. सुरेंद्र प्रसाद
इलैक्ट्रिकल इंजिनियर विभाग
पूर्व निदेशक, आई.आई.टी न्यू दिल्ली

डॉ. मधु किश्वर
वरिष्ठ सदस्य, समाज विकास अध्ययन केंद्र

श्री बी.एस. बसवान
पूर्व सचिव (उच्च शिक्षा) भारत सरकार व पूर्व निदेशक,
आई.आई.पी.ए, नई दिल्ली

प्रो. हरजीत सहगल
विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग,
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

प्रो. वी.के. जैन
प्रो. पर्यावरण विज्ञान विद्यालय
जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

प्रो. आर वेद्यनाथन
प्रो. (वित्त)
आई.आई.एम बेंगलूरु

प्रो. श्रीकांत परांजपे
रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग, पुणे विश्वविद्यालय
महाराष्ट्र।

श्री मसूद समून, आईएएस(सेवानिवृत)
सदस्य लोक सेवा आयोग,
रेशमगड़ कालोनी, जम्मू एवं कश्मीर

श्री नसीम अहमद, आईएएस(सेवानिवृत)
पूर्व कुलपति, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

प्रो. सिकंदर फारूक
पूर्व प्रो. वनस्पति विज्ञान, कश्मीर विश्वविद्यालय

डॉ. एस.सी. सक्सेना
पूर्व कुलपति(ए)
जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रो. जिगर मोहम्मद
अधिष्ठाता, समाजिक विज्ञान संकाय,
जम्मू विश्वविद्यालय

प्रो. अब्दुल वाहीद
पूर्व कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय, कश्मीर

प्रो.सिद्दीक वाहिद
पूर्व कुलपति
इस्लामिक विश्वविद्यालय ऑफ साईस एवं टेक्नोलॉजी,
श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)

प्रो. मो.फिदा हसनै
पूर्व निदेशक, अभिलेखागार व पुस्तकालय,
जम्मू और कश्मीर सरकार एक विख्यात विद्वान एवं इतिहासकार

श्री जीत सिंह
कुलसचिव, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कार्यकारिणी परिषद

प्रो. देवानंद
कार्यकारी कुलपति,
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (पदेन सदस्य)

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली (पदेन सदस्य)

डॉ. महमूद-उर-रहमान
पूर्व कुलपति,
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यायल

श्री वजाहत हबीबुल्ला
अध्यक्ष, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग,
जम्मू व कश्मीर सरकार

डॉ. प्रकाश चंद उपाध्याय
सम-कुलपति,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर, छत्तीसगढ़

प्रो. पीटर रोनाल्ड डीसूजा
निदेशक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर हयूमन डवेलपमेंट,
शिमला

प्रो.ए.एम. पठान
पूर्व कुलपति, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

प्रो. राजीव गुप्ता
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

श्री जीत सिंह
कुलसचिव एवं सचिव
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

शैक्षणिक परिषद

प्रो.देवानंद
कार्यकारी कुलपति,
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (पदेन सदस्य)

प्रो. ए.रशीद त्राग
कुलपति,
इस्लामी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पुलवामा,
जम्मू एवं कश्मीर

प्रो. रियाज़ पंजाबी
पूर्व कुलपति
कश्मीर विश्वविद्यालय और अध्यक्ष
इंटरनेशनल सेंटर फॉर पीस स्टडीज

प्रो. आर.एन.के. बम्ज़ाई
पूर्व कुलपति,
माता बैष्णो देवी विश्वविद्यालय एवं प्रो. लाइफ साइंसेज,
जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ. एम.पी.नारायणन
अध्यक्ष, जियस्पेटियल मीडिया व संचार नई दिल्ली

प्रो. चंद्रमौली उपाध्याय
प्रो. सामाजिक विज्ञान, बीएचयू,
वारानसी

प्रो. चम्पा शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष,
डोगरी भाषा विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय

प्रो. पोथिनी कृष्ण प्रसाद
प्रो. राजनीति एवं लोक प्रशासन, आंध्र विश्वविद्यालय,
विशाखापट्टनम-530003 (आंध्र प्रदेश)

प्रो. पी.वी. सिवापुल्लाइया
प्रो. सिविल, इंजीनियरिंग विभाग
आईआईएससी, बेंगलूरु-560012

प्रो. एच.एन जगन्नाथ रेड्डी
प्रो. सिविल इंजीनियरिंग विभाग, बैंगलौर प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलूरु (कर्नाटका)

डॉ. पालपू पुष्पगनंदन,
महानिदेशक,
एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ हर्बल एडं वायोटेक प्रोडेक्ट डिर्पाटमेंट, त्रिवेंद्रम

डॉ. टुडुप स्वेंग
अध्यक्ष, लद्दाख बौद्धिस्ठ एसोशिएशन

प्रो. के.बी पवार
पूर्व महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू)
पुणे-(411021)

प्रो. आदित्य मुखर्जी
ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय,

डॉ. कथीकेया साराभाई
पर्यावरण शिक्षण केंद्र, नेहरु फाउंडेशन फॉर डवेलपमेंट,
अहमदाबाद

डॉ. अंजली प्रकाश
सीईओ
लर्निंग लिंक फाउंडेशन, नई दिल्ली

प्रो. आर.जे.हंस गिल
प्रो. एमेरिट्स मैथेमैटिक्स
पंजाब विश्वविद्यालय चंढ़ीगढ़

प्रो. अजय कुमार मित्तल
प्रो. जीवविज्ञान (सेवानिवृत्त)
बीएचयू-221106(उ.प्र)

प्रो.फैजन अहमद
निदेशक, सेंटर फॉर इंटर-डिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइन्सेज, जामिया मिलिया इस्लामितया

प्रो. एन. सत्यामूर्ती
निदेशक, आईआईएसईआर, मोहाली

प्रो. चेतन सिंह
निदेशक, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान राष्ट्रपति निवास
शिमला (170005)

श्री जीत सिंह
कुलसचिव एवं सचिव
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

वित्त समिति

प्रो. देवानंद
कार्यकारी कुलपति,
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (पदेन सदस्य)

प्रो. ए.एम.पठान
पूर्व सम-कुलपति
कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय
(कार्यकारी परिषद के लिए मनोनीत)

प्रो. राजीव गुप्ता
पूर्व अधिष्ठाता, शोध अध्ययन,
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
(कार्यकारी परिषद के लिए मनोनीत)

श्री ए.के.सिंह
संयुक्त सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली (कुलाध्यक्ष के प्रतिनिधि)

श्री नवीन सोई
निदेशक (वित्त), उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली (कुलाध्यक्ष के प्रतिनिधि)

डॉ. (श्रीमती) रेणु बत्रा
संयुक्त सचिव,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
(कुलाध्यक्ष के प्रतिनिधि)

श्री बी.बी व्यास
माननीय मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव,
जम्मू कश्मीर राज्य सरकार
(कोर्ट के प्रतिनिधि)

2014–2015 में विश्वविद्यालय में आयोजित अधिकारियों की बैठकें

(क) कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की सातवीं बैठक का अयोजन 3 मई, 2014 को किया गया ।

कार्यकारी परिषद की आठवीं बैठक का अयोजन 4 अगस्त, 2014 को किया गया ।

कार्यकारी परिषद की नौवीं बैठक का अयोजन 21 नवंबर, 2014 को किया गया ।

(ख) शैक्षिणिक परिषद

शैक्षिणिक परिषद की चौथी बैठक का अयोजन 30 जून, 2014 को किया गया ।

शैक्षिणिक परिषद की पांचवीं बैठक का अयोजन 22 दिसंबर , 2014 को किया गया ।

(ग) वित्त समिति

वित्त समिति की छटी बैठक का अयोजन 26 अप्रैल 2014 को किया गया ।

वित्त समिति की सातवीं बैठक का अयोजन 5 नवंबर 2014 को किया गया ।

स्कूल बोर्ड की बैठकें

- भाषाओं के स्कूल बोर्ड की बैठक 20 जनवरी 2015 को आयोजित की गई ।
- भाषाओं के स्कूल बोर्ड की बैठक 10 फरवरी 2015 को आयोजित की गई ।

अध्ययन बोर्ड

- लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 25 अप्रैल, 2014 को आयोजित की गई।
- समाजशास्त्र एवं सामाजिक अध्ययन विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 26-27 अप्रैल, 2014 को आयोजित की गई ।
- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 28 अप्रैल, 2014 को आयोजित की गई ।
- संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 5 जुलाई, 2014 को आयोजित की गई ।
- अंग्रेजी विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 10 जुलाई, 2014 को आयोजित की गई।
- जन संचार एवं नीवन मीडिया विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 21 मई, 2014 को आयोजित की गई ।
- पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 24 सितंबर, 2014 को आयोजित की गई ।
- अर्थशास्त्र विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 17 दिसंबर, 2014 को आयोजित की गई ।
- मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 27 जनवरी 2015 को आयोजित की गई।
- गणित विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 6 फरवरी, 2015 को आयोजित की गई ।
- पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक 20 एवं 21 फरवरी, 2015 को आयोजित की गई ।

महत्वपूर्ण बैठकें

- 20 अगस्त, 2014 को कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद जी ने माननीय एचआरडी मंत्री, भारत सरकार से मुलाकात की और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्याल में चल रहे निर्माण कार्य एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी ।
- 21 अगस्त, 2014 को कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद, जी ने उच्तर शिक्षा विभाग द्वारा दिल्ली में ''रैंकिंग प्रौसेस'' विषय से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- 12 -13 सिंतबर, 2014 को कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद जी ने चंडीगढ़ में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कुलपतियों की रिट्रीट में भी भाग लिया ।
- 15 सितबंर, 2014 को कार्यकारी कुलपति, प्रो. देवानंद जी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विज्ञान भवन नई दिल्ली में शिक्षक, शिक्षा विभाग, को मजबूती' प्रदान करने के विषय से आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 3 अक्टूबर, 2014 को कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद जी ने माननीय कुलाधिपति से श्रीनगर में मुलाकात की और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के नवीनतम शैक्षिक और विकासात्मक गतिविधियों के बारे में उन्हें जानकारी दी ।
- 14-15 नवंबर, 2014 को विधि के लिए संचालन समिति का आयोजन किया गया ।
- 17 नवंबर, 2014 को पुस्तकालय विज्ञान के लिए संचालन समिति का आयोजन किया गया।
- 27 एवं 28 नवंबर, 2014 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति, प्रो. देवानंद जी ने नैक, बैंगलौर में मूल्यांकनकर्ताओं की सहभागिता (एआईएम) से संबंधित बैठक में भाग लिया ।
- 7 एवं 8 जनवरी 2014, को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विशेषकार्याधिकारी (वित्त) ने यूजीसी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया।
- 13 जनवरी 2015, को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं उप कुलसचिव(संपदा) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 4 एवं 5 फरवरी, 2015 को कार्यकारी कुलपति प्रो. देवानंद जी ने कुलपतियों के लिए आयोजित सम्मेलन में राष्ट्रपति की अध्यक्षता में राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में भाग लिया ।

शैक्षणिक संकाय की नियुक्ति

- प्रो. (डॉ.) नंदनी भट्टाचार्य, वर्दवान, विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, ने 01.07.2014 से अंग्रेजी विभाग में एक वर्ष के लिए प्रतियुक्ति के आधार पर कार्यभार ग्रहण किया ।
- प्रो. एल.एस गांधी दोस ने समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग में 10.11.2014 से आचार्य के रुप में अनुबंध के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए कार्यभार ग्रहण किया ।
- प्रो. लोकेश वर्मा ने अकादमिक समन्वयक के रूप में 1.1.2015 को अनुबंध के आधार पर छह महीने के लिए कार्यभार ग्रहण किया।

प्रशासनिक कर्मचारियों की भर्ती

समुदाय क पद

क्रम संख्या	पदनाम	कर्मचारी का नाम	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	उप कुलसचिव	श्रीमती शफला परिहार	15.05.2014
2.	उप कुलसचिव	श्री मो. इक्वाल	16.06.2014
3.	सहायक कुलसचिव	श्री अजय कुमार	30.05.2014
4.	सहायक कुलसचिव	श्री शैलेंद्र सलाथिया	15.05.2014
5.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	कुमारी प्रेरणा	31.05.2014
6.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री रोमेश चंद्र	03.06.2014
7.	हिंदी अधिकारी	डॉ. प्रियंजन	30.07.2014

समुदाय - ख पद (शिक्षणेतर)

क्रम संख्या	पदनाम	कर्मचारी का नाम	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	अनुभाग अधिकारी	श्री सौरभ महाजन	15.05.2014
2.	अनुभाग अधिकारी	श्री आशीष कुमार सिंह	06.06.2014
3.	निजी सचिव	श्री संजीव	03.06.2014
4.	सुरक्षा अधिकारी	ले. क. देवेद्रं सिंह त्रिहान	23.05.2014
5.	सहायक	कुमारी रचना गुप्ता	20.05.2014
6.	सहायक	श्री जतिन देव रनियाल	04.06.2014
7.	सहायक	कुमारी मीनाक्षी गुप्ता	30.05.2014
8.	सहायक	श्री अविनाश कंडवाल	29.05.2014
9.	सहायक	श्री उदय वीर सिंह जम्वाल	20.05ण्2014
10.	सहायक	श्रीमती सुलक्षणा शर्मा	05.09.2014
11.	सहायक	श्रीमती मोनिका कलसी	05.09.2014
12.	सहायक	श्री विकास कुमार	04.06.2014
13.	निजी सहायक	श्री अंकुश शर्मा	12.05.2014
14.	निजी सहायक	कुमारी आरती पुरी	12.05.2014
15.	निजी सहायक	साहिल कुमार पंडी	20.05.2014

समुदाय -(ग) (तकनीकी)

क्रम संख्या	पदनाम	कर्मचारी का नाम	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	तकनीकी सहायक	श्री राम जी	16.05.2014
2.	प्रयोगशाला सहायक	श्री तलविंदर सिंह	30.05.2014
3.	प्रयोगशाला सहायक	श्री सुनील कुमार	03.06.2014

समुदान- (ग)(शिक्षणेतर)

क्रम संख्या	पदनाम	कर्मचारी का नाम	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री रोहित जसरोटिया	12.05.2014
2ण.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री अर्जुन गौतम	12.05.2014
3.	अवर श्रेणी लिपिक	श्रीमती हरिंदर कौर	13.05.2014
4.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री संदीप सिंह जम्वाल	13.05.2014
5.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री कमलजीत सिंह अरोड़ा	15.05.2014
6.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री राकेश कुमार	15.05.2014
7.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री अविनाश थापा	21.05.2014
8.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री वृज भूषण	16.05.2014
9.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री पुष्प संवयाल	16.05.2014
10.	अवर श्रेणी लिपिक	कुमारी शुम्मु सलाथिया	19.05.2014
11.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री गरजेंद्र सिंह	23.05.2014
12.	अवर श्रेणी लिपिक	श्रीमती क्षमा शर्मा	05.06.2014
13.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री तिलक राज	28.05.2014
14.	अवर श्रेणी लिपिक	श्री साहिल आनंद	20.05.2014
15.	अवर श्रेणी लिपिक		त्यागपत्र दिया
		श्री इश्तायक अहमद	30.01.2015
16.	एमटीएस	श्री रवि कुमार	13.05.0214
17.	एमटीएस	श्री राजेंद्र कुमार	27.05.2014
18.	प्रसाधक	श्री अंकुश शर्मा	13.05.2014
19	प्रयोगशाला सहायक	कु. सोनिया	13.05.2014
20.	चपरासी	श्री पप्पी सिंह	12.05.2014
21.	चपरासी	श्री विनोद जम्वाल	16.05.2014
22.	चपरासी	श्री रिशु कुमार	15.05.2014
23.	चपरासी	श्री अंकुश मंगोत्रा	15.05.2014

संकाय पद

विश्वविद्यालय में आचार्य, सह आचार्य एवं सहायक आचार्य की वर्तमान में स्थिति प्रतिनियुक्ति या अनुबंध के आधार पर इस प्रकार है:-

क) लिंगवार, श्रेणीवार विवरण

पद	पुरूष	स्त्री	एसटी	एससी	ओबीसी	पीडब्लूडी
आचार्य	08	01	-	1*	-	1*
सह आचार्य	-	02	1*	3*	-	1*
सहायक आचार्य	39	22	02	06	12	01 (एससी)
			01*	01*		
कुल	**47**	**25**	**02**	**06**	**12**	**01 (SC)**

ख) राज्यवार विवरण :-

क्रम संख्या	श्रेणी	आचार्य	सह आचाय	सहायक आचार्य	कुलयोग
1.	आंध्र प्रदेश	-	-	02	02
2.	असम	-	-	02	02
3.	बिहार	-	-	04	04
4.	हरियाणा	-	-	03	03
5.	हिमाचल प्रदेश	-	-	07	07
6.	झारखंड	-	-	01	01
7.	जम्मू एवं कश्मीर	06	02	24	32
8.	कर्नाटक	01	-	-	01
9.	मणीपुर	-	-	01	01
10.	ओडिशा	-	-	01	01
11.	पंजाब	-	-	03	03
12.	राजस्थान	-	-	01	01
13.	तमिलनाडु	-	-	02	02
14.	तेलंगाना	01		·	01
15.	उत्तर प्रदेश	-	-	09	09
16.	पश्चिम बंगाल	01	-	·	01
17.	दिल्ली	-	-	01	01
	Sub Total	**09**	**02**	**61**	**72**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा नव नियुक्त शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । ब्रिगेडियर ओपी अबरोल(सेवानिवृत) द्वारा ''संचार कौशल-। और संचार कौशल ।। विषय पर दो समूहों में 14 एवं 15 जुलाई, को प्रशिक्षण दिया गया । अधिकारियों और कर्मचारियों (कुल 36) ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

राजभाषा कार्यान्वयन

विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए दो दिवसीय 23 एवं 24 सिंतबर को कार्यशाला का आयोजन किया गया था । इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. पूरनचंद टंडन, सहआचार्य दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. राकेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी निदेशालय; डॉ. हरीश कुमार सेठी, सहायक आचार्य ईग्नू एवं डॉ. अमर सिंह, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, जम्मू ने हिंदी में कार्य करने की उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए टिप्पण, मसौदा लेखन, कार्यालयीन शब्दावली के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया । कार्यशाला के अंत में एक परीक्षा का आयोजन किया गया था और प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार हिंदी भाषी और हिंदीतर भाषी श्रेणीयों में प्रदान किये गये। कुलपति और कुलसचिव ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये।

संगोष्ठी

हिंदी पखवाडे के भाग के रूप में 30 सिंतबर, 2014 को ''राजभाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार की व्यवहारिक समस्या'' के विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । प्रो. राजकुमार, प्रो. पीएन. त्रिसल, डॉ. भारत भूषण शर्मा एवं डॉ. अमर सिहं इस अवसर पर आमंत्रित विशेषज्ञ थे। उन्होंने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग में आने वाली कठिनाइयों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किये, साथ ही हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए समाधान भी दिये । इस अवसर पर कुलपति महोदय द्वारा एक मिसिल कवर का विमोचन किया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी शब्दावली को सदर्भ के रूप में दिया गया था ।

कार्यशाला

6 से 9 दिसंबर तक विश्वविद्याल के शिक्षणेतर और शैक्षणिक कार्मचारियों के लिए ''हिंदी टिप्पण और प्रारूप '' कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में डॉ. पूरनचंद टंडन, सह आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. राकेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी निदेशालय; डॉ. हरीश कुमार सेठी, सहायक आचार्य, इग्नू, डॉ. दिनेश कुमार दीक्षित, सेवानिवृत उपनिदेशक, केंद्रीय हिंदी

निदेशालय एवं डॉ. भारत भूषण शर्मा, आचार्य, राजोरी कॉलेज ने टिप्पण, प्रारूपण एवं मसौदा लेखन में उनकी प्रतिभा को बढाने के लिए आमंत्रित विषय विशेषज्ञ थे। कार्यशाला के अंत में एक परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किये गये।

पुरस्कार

श्री आशीष कुमार सिंह, अनुभाग अधिकारी(वित) को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया ।

स्वास्थ्य सेवाएँ

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अस्थाई शैक्षणिक खंड, सैनिक कालोनी जम्मू के परिसर में नवंबर-दिसंबर 2012 में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र/एमआई कक्ष की स्थापना की गई है। एक अंशकालिक चिकित्सा सलाहकार/चिकित्सा अधिकारी को अनुबंध के आधार पर न्यूनतम समर्थन कर्मचारियों के साथ नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य देखभाल केवल प्राथमिक ओपीडी स्तर तक सीमित है, और वह रोगी जिन्हें विशेष उपचार की आवश्यकता होती है/रोगियों को बीमारी के आधार पर आगे की जांच के लिए सरकारी अस्पतालों में भेजा जाता है। इस व्यवस्था को कुछ अधिक समय तक जारी रखा जा सकता है जब तक मुख्य परिसर राया-सूचानी (बागला) सांबा में प्रस्तावित स्वास्थ्य देखभाल वितरण सुविधाओं को प्रारंभ नहीं किया जाता । स्वस्थ्य सेवाएं छात्रों/शोधार्थियों (आवासी और गैर आवासी), कर्मचारी (शैक्षणिक और शिक्षणेतर कर्मचारी) और उनके परिवार के सदस्यों को उपलब्ध करवाई जाती है।

ओपीडी स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल के अलावा मलेरिया, डेंगू, स्वाइन फ्लू, बर्ड फ्लू जैसी बीमारियों के लिए जागरुक बनाने हेतु 'क्या करें, क्या न करें' जैसे जानकारी कार्यक्रम का संचालन परिपत्र जारी करके किया गया। उचित स्वच्छता के रखरखाव पर जोर देने के लिए कैंटीन/लाउंज, छात्रावासों के रसोई, परिसर का निरीक्षण किया गया । ओपीडी स्तर पर 2223 मरीजों का इलाज किया गया ।

स्थानन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालयीन स्तर के साथ-साथ विभागीय स्तर पर भी स्थानन प्रकोष्ठ को प्रारंभ किया है। 15 एवं 16 फरवरी 2015 को स्थानन प्रकोष्ठ ने भारत सरकार की उडान योजना के अंतर्गत जम्मू और केंद्रीय विश्वविद्यालय गांव बागला के आस-पास कें छात्रों के लिए भर्ती अभियान का अयोजन अस्थाई शैक्षणिक खंड (टैब)में किया - जहां पर 29 छात्रों ने भाग लिया जिसमें से 11 छात्रों को टैब में तथा 23 छात्रों ने परिसर के आस पास के गांव बागला में से भाग लिया जिनमें से 7 छात्रों का चयन किया गया ।

नवाचार कल्ब

विश्वविद्यालय के नवाचार कल्व ने युवा नवीन आविष्कारकों को उनके अभिनव विचारों को आमंत्रित करने के लिए समाचार पत्रों में एक विज्ञापन जारी किया । इसके उत्तर में 18नवीन अविष्कारकों ने अपनी प्रतिकृया व्यक्त की है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं वित्त प्रोषण इकाई(एसएफयू) की स्थापना

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को उपकार्यक्रम सलाहकार, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार से पत्र संख्या F.No. 14-1/NSS/RCD/2011/73 दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की मंजूरी पत्र प्राप्त हुआ। उपरोक्त पत्र के आधार पर मंत्रालय ने 100 स्वयंसेवकों की एक इकाई स्व-वित्तपोषक आधार पर प्रदान की है। यह इकाई एनएसएस क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली के अधीन कार्य करेगी ।

विधि प्रकोष्ठ : विश्वविद्यालय ने स्थाई वकील के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए कानूनी प्रकोष्ठ की स्थापना की है। जिसका उत्तरदायित्व विश्वविद्यालय के वकील से कानूनी राय लेना / स्टेंडिग काउंसिल से द्वारा न्यायालय में जवाब प्रस्तुत करना एवं संपर्क स्थापित करना जिससे न्यायालय में किसी भी मामले की अनदेखी न होने पाए ।

सलाहकार समिति : विश्वविद्यालय में भारत सरकार की आरक्षण नीति का कड़ाई से कार्यान्वयन करने के लिए यूजीसी के दिशानिर्देश 2006 के अनुसरण में, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्याल ने कुलपति की अध्यक्षता में एक सलाहकार समिति की स्थापना की है। समिति में विश्वविद्यालय के आंतरिक एवं बाहरी सदस्यों के साथ-साथ संपर्क अधिकारी (अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति के लिए) को रखा गया है। समिति प्रवेश परीक्षाओं एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की सफलता के लिए आरक्षण नीति की समीक्षा करती है।

संवेदीकरण, रोकथाम और यौन उत्पीड़न का निवारण(स्पर्श): कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए विश्वविद्यालय की एपेक्स बॉडी स्पर्श (एबीएस) और विश्वविद्यालय शिकायत समिति की स्थापना की है।

2014-2015 के दौरान शून्य मामले प्राप्त हुए।

शिकायत निवारण समिति (शिक्षणेतर): विश्वविद्यालय में शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए कर्मचारी शिकायत निवारण समिति का निर्माण किया गया है। समिति को उन लिखित शिकायतों और याचिकाओं पर विचार करने का अधिकार है जो व्यक्तिगत रूप से अथवा सामूहिक रूप में उन्हें प्रभावित करते हैं; शिकायतों की जांच रिपोर्ट बनाना और उससे संबंधित सिफारिशें संबंधित अथवा अन्य अधिकारियों को प्रस्तुत करना।

2014-2015 के दौरान शून्य मामले प्राप्त हुए।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ:

विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की आरक्षण नीति का कड़ाई से कार्यान्वयन करने के लिए यूजीसी के 2006 के दिशा निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति / पीडब्ल्यूडी और अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का गठन श्रेणी / समुदाय के अभ्यर्थियों के प्रवेश, रोजगार एवं शिकायतों के निवारण जैसे मुद्दों को देखने के लिए किया गया है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी:

विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों/ अन्य पिछड़े वर्गो के लिए भारत सरकार और यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु एक संपर्क अधिकारी को नियुक्त किया है।

परिसर विकास

भौतिक स्थिति : दूरस्थ शिक्षा निदेशालय: डीडीई 4मंजिला इमारत है। एजेंसी को भवन मंजिल वार सौंपने के निदेश दिये गये थे जिससे प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों को जल्दी प्रारंभ किया जा सके। तदनुसार, भवन की एक मंजिल को ले लिया गया है जिसमें प्रशासनिक कार्यालय को 31.01.2015 से स्थाई परिसर में किराये के भवन त्रिकुटा नगर , जम्मू को खाली करके प्रारंभ कर दिया गया है।

Front view of Directorte of Distance Education Building

60 अवासीय ईकाइयों का निर्माण :

24 आचार्य, 24 सहायक आचार्य तथा 12 सह आचार्य आवासीय ईकाइयों के लिए संशोधित समय सीमा को जून 2015 तक निर्धारित किया गया है। हालांकि, इस मामले के संबंध में विश्वविद्यालय ने चरणबद्ध तरीके से कब्जे के लिए पूरी इकाइयों को सौंपने के लिए पीएमसी करने पर जोर दिया है।

Front view of Professor's Residences

विश्वविद्यालय अतिथि गृह के भाग का निर्माण:

24 कमरे के अतिथि गृह का निर्माण रुपये 478 लाख की लागत से किया जा रहा है । कार्य प्रगति पर है तथा अप्रैल, 2015 तक किया जाना निर्धारित है।

24 Rooms Guest House Under Construction

भूमि की स्थिति और विश्वविद्यालय का ढ़ांचागत विकास

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की संपूर्ण भूमि जिसकी पेमाईश 4480 कनाल 19 मरले है, को राज्य सरकार के द्वारा कब्जा प्रदान कर दिया गया है। विश्वविद्यालय को भूमि किश्तों में सौंपी गई, तथा भूमि का आखरी टुक्कड़ा 31 जुलाई 2014 को सौंपा गया । आबंटित भूमि का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

1.	राज्य/जंगल	4254 कनाल 14 मरले
2.	विस्थापित संपत्ति	41 कनाल 19 मरले
3.	संपतिनिजी भूमि	584 कनाल 06 मरले
	कुल	4880 कनाल 19 मरले

यह संतोष का विषय है कि भूमि हस्तांतरण से संबंधित सभी औपचारिक्ताएँ पूरी कर ली गई हैं स्थानीय विवादों के वाबजूद, जिनका नियंत्रण राज्य सरकार द्वारा सम्भाला जा रहा है।

MASTER PLAN

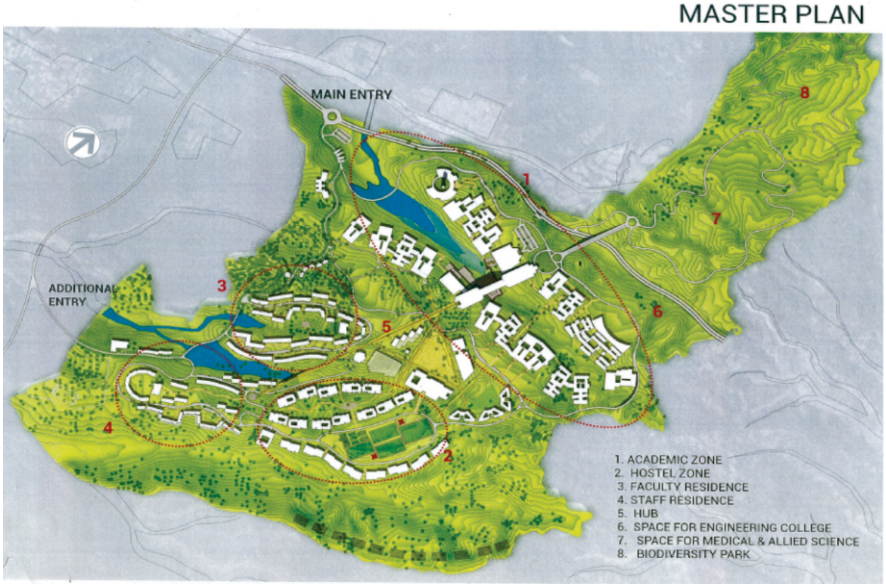

गांव बागला, सांबा में परिसर स्थल में बुनियादी ढांचे के विकास की पहल:

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने निम्न कार्यो के निष्पादन के कार्य को प्रारंभ किया है:-

(i) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय भवन

(ii) संकाय आवास (संख्या 60)

(क) आचार्य आवास 24 संख्या

(ख) सहआचार्य आवास 12 संख्या

(ग) सहायक आचार्य आवास 24 संख्या

(iii) गेट परिसर

विश्वविद्यालय के वित्तीय लेखे

2015/03/31 को समाप्त अवधि / वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूचि	चालू वर्ष	पूर्ववती वर्ष
संचित निधि/पूंजी वित्तपोषण	1	2321997717.60	1025060881.10
नाम/चिहिनत/विन्यास निधि	2	1692353.00	1590572.00
चालू देयताएं व प्रावधानी	3	37919794.00	28748091.00
कुल		2361609864.60	1055399544.10

निधि की आवेदन	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
स्थिर संपत्ति	4		
मूर्त परिसंपत्ति		44933601.00	48506492.00
अगोचर आस्तियां		170741.00	375103.00
पूंजी निर्माण कार्य में प्रगति		876673472.00	211165867.00
निवेशों से चिहिनत/विन्यास निधि	5	0.00	0.00
दीर्घकालिक		0.00	0.00
छोटा अवधि		0.00	0.00
निवेशों अन्य	6	0.00	0.00
चालू संपत्ति	7	770578111.75	130070672.10
ऋण, बकाया अग्रिम व जमाराशियां	8	669253938.85	649554028.00
कुल		**2361609864.60**	**1039672162.10**

प्रमुख लेखा नीतियॉ **23**

आकस्मिक देयताएं और की गई टिप्पणियों के लिए लेखा **24**

विशेषकार्याधिकारी (वित्त)

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

2015/03/31 को समाप्त अवधि / वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

विवरण

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूचि	वर्तमान वर्ष	पूर्ववती वर्ष
आय			
शैक्षणिक रसीद	9	4381560.00	3757244.00
अनुदान/सब्सिडी	10	247375000.00	187375000.00
निवेशों से राजस्व	11	106104509.85	28922179.00
ब्याज अर्जित किया	12	0.00	0.00
अन्य आय	13	781838.00	2969080.00
पूर्व अवधि राजस्व	14	0.00	0.00
कुल (ए)		358642907.85	223023503.00
खर्च			
कर्मचारी वर्ग संदाय व लाभ (स्थापना खर्चा)	15	89579997.00	46148412.00
शैक्षणिक खर्चा	16	9940978.00	7393027.00
प्रशासनिक और सामान्य खर्चा	17	34132240.00	32987544.00
परिवहन खर्चा	18	2281639.00	2044122.00
मरम्मत और रख रखाव	19	8721301.00	11054904.00
वित्त लागत	20	55.35	87.11
मूल्यह्रास	4	15924861.00	12792396.00
अन्य खर्चा	21	0.00	0.00
पूर्व अवधि व्यय	22	0.00	0.00
कुल (बी)		160581071.35	112420492.11
शेष राजस्व अधिक व्यय (ए बी) की अधिक्ता होने से		198061836.50	110603013.89
स्थनांतरण के लिए/से नाम वित्तपोषण		0.00	0.00
भवन निधि		0.00	0.00
अन्य (विशेष ब्यौरा देते है)		0.00	0.00
कुल		198061836.50	110603013.89

प्रमुख लेखा नीतियॉ **23**

आकस्मिक देयताएं और की गई टिप्पणियों के लिए लेखा **24**

विशेषकार्याधिकारी (वित्त)

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

रसीद और संदाय लेखा के लिए/वर्ष की अवधि समाप्ति पर 31/03/2015

राशि रुपयों में

रसीदें	वर्तमान वर्ष	पूर्ववती वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पूर्ववती वर्ष
I. अथशेष			**क. खर्चा**		
a) रोकड़ बाकी	0.00		i) स्थापना व्यय	87735052.00	39907028.00
b) बैंक संतुलन			ii) शैक्षणिक खर्चा	7361297.00	7532764.00
i. मौजूदा लेखा में	0.00		iii) प्रशासनिक व्यय	36934069.35	31360814.11
ii. जमा लेखा में	121500000.00	285500000.00	iv) परिवहन खर्चा	3227663.00	3211397.00
iii. बचत खाते	8570672.10	7007748.21	v) मरम्मत व रख रखाव	1301471.00	9154240.00
			vi) पूर्व अवधि खर्चा	0.00	0.00
II. अनुदान प्राप्त			II. चिहिनत/विन्यास निधि के विरूद संदाय	369527.00	219364.00
a) सरकार की भारत से	1346250000.00	500000000.00			
b) राज्य सरकारों से	0.00	0.00			
c) से अन्य स्त्रोत (ब्यौरा) (यूजीसी से प्राप्त किये जाने योग्य)	250000000.00	0.00	अन्य स्त्रोत (ब्यौरा) (यूजीसी से प्राप्त किये जाने योग्य)	300000000.00	0.00
III. शैक्षणिक रसीद	5283793.00	3888126.00	III. प्रायोजित परियोजनाएं/योजनाएँ के विरूद संदाय	305508.00	0.00
IV. चिहिनत/विन्यास निधि के विरूद रसीद	837924.00	912750.00	IV. प्रायोजित मंडलियाँ/छात्रवृत्तियाँ के विरूद रसीद	486800.00	0.00
V. प्रायोजित के विरूद वी. रसीद परियोजना/स्कीमों	15360766.00	0.00	V. निवेशों और जमा किया		
			a) चिहिनत/विन्यास निधि के संदर्भ में	0.00	0.00
			b) निधि (अन्य निवेश) के संदर्भ में	0.00	0.00
VI. प्रायोजित मंडलियाँ और छात्रवृत्तियाँ के विरूद रसीद	1223160.00	0.00	VI. स्थिर संपत्ति और पुंजी निर्माण कार्य में प्रगति पर खर्च	0.00	0.00

VII. निवेशों से पर राजस्व			VII. स्थिर संपत्ति और पूंची निर्माण कार्य में प्रगति पर खर्च	0.00	0.00
a) चिहिनत/विन्यास निधि	0.00		a) स्थिर संपत्ति	12458976.00	140111369.00
a) अन्य निवेशों से	0.00	0.00	b) पूंजी निर्माण कार्य में प्रगति (सहित अन्य अग्रिम)	603029761.85	457527340.00
VIII. ब्याज प्राप्त			VIII. सांविधिक संदाय सहित अन्य संदाय	0.00	0.00
a) बैंक जमाराशि	12123240.00	16826877.00			
b) ऋण और अग्रिम	60504422.85	0.00			
c) बचत बैंक लेखा	867426.00	569307.00			
IX. निवेशों का नकदीकरण			IX. अनुदान की प्रतिदास	0.00	0.00
X. सावधी जमाओं अनुसूचित बैंक सहित नकदीकरण			X. जमा और बकाया अग्रिम	0.00	0.00
XI अन्य आय (पूर्ववर्ती अवधि राजस्व सहित)			XI. अन्य संदाय	0.00	0.00
XII जमा और अग्रिम			XII. अंतशेष	0.00	0.00
			a. रोकड़ शेष	0.00	0.00
			b. बैंक शेष		
			मौजूदा खाते में	0.00	0.00
			बचतखाते में	9578111.75	8570672.10
			जाम खाते में	761000000.00	121500000.00
XIII. सांविधिक रसीद सहित फूटकर प्राप्तियां	1266833.000	3532840.00			
XIV. अन्य रसीदें		857340.00			
कुल	1823788236.95	819094988.21	**कुल**	1823788236.95	819094988.21

विशेषकार्याधिकारी (वित्त)

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

Artistic View of the Proposed Campus

Administrative Office:
Raya Suchani (Bagla), Distt. Samba - 181143 (J&K)
www.cujammu.ac.in